नई दिल्ली । गुरुवार, 04 जून, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष तृतीया, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :149/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल हॉकी: भारतीय महिला अंडर -18 टीम ने सिंगापुर...
@ विचार कोचिंग संस्कृति के चौराहे पर शिक्षा...
@ व्यापार वैश्विक तनाव के बीच कीमती धातुओं में गिरावट...

संक्षिप्त खबर

कुवैत एयरपोर्ट अटैक की भारत ने की निंदा, पीड़ित जनों के प्रति जताई संवेदना

नई दिल्ली। भारत सरकार ने कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए गहरा दुख व्यक्त किया है। इस हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई, जबकि कई अन्य भारतीय घायल बताए जा रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने घटना पर शोक व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की है।

आधिकारिक बयान में भारत ने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद से ही वह लगातार इस बात पर जोर देता रहा है कि नागरिक आबादी और नागरिक बुनियादी ढांचे को किसी भी परिस्थिति में निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। भारत ने एक बार फिर सभी पक्षों से ऐसे हमलों को तुरंत रोकने और संयम बरतने की अपील की है।

विदेश मंत्रालय ने मृतक भारतीय नागरिक के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठिन समय में भारत उनके साथ खड़ा है।

तिरुमला घी मिलावट मामले में ईडी की कार्रवाई

हैदराबाद । तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) से जुड़े चर्चित घी मिलावट घोटाले की जांच में ईडी ने बुधवार को कई राज्यों में बड़ी कार्रवाई करते हुए 15 स्थानों पर छापेमारी की।

ईडी के हैदराबाद जोनल कार्यालय द्वारा की गई यह कार्रवाई महाराष्ट्र के अहिल्यानगर, राजस्थान के बीकानेर, उत्तराखंड के देहरादून और रुड़की, दिल्ली, तमिलनाडु के डिंडीगुल, आंध्र प्रदेश के गुंटूर तथा मुंबई समेत विभिन्न शहरों में की गई।

दिल्ली की बहुमंजिला होटल में लगी भीषण आग, 21 की मौत

मृतको में 18 विदेशी और 3 भारतीय नागरिक

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में स्थित एक रेस्टोरेंट में लगी भीषण आग से बड़ा हादसा हुआ। इस दर्दनाक घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। पुलिस ने बताया कि आग में जान गंवाने वालों में अधिकांश विदेशी नागरिक शामिल हैं।

इसमें 18 विदेशी नागरिकों की जान गई है जो बांग्लादेश, नाइजीरिया,लाइबेरिया और मौजाम्बिक के नागरिक है। वही 3 भारतीयों की भी घटना में मौत हुई है।

दिल्ली पुलिस की ओर से जारी प्रेस नोट के अनुसार, बुधवार सुबह 8:48 बजे मालवीय नगर स्थित फ्लोरिश स्टे बी एंड बी में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। आग पर काबू पाने के लिए दमकल विभाग

की आठ गाड़ियों को मौके पर लगाया गया।

पुलिस, दमकल विभाग और अन्य आपातकालीन एजेंसियों के संयुक्त प्रयासों से 40 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि हादसे में अब तक 21 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। अधिकारियों के अनुसार, मृतकों में अधिकांश विदेशी नागरिक हैं। हालांकि, उनकी पहचान और राष्ट्रीयता की आधिकारिक पुष्टि की प्रक्रिया जारी है।

दिल्ली सरकार की आपात बैठक

मालवीय नगर में हुई भीषण अग्नि त्रासदी ने प्रशासन को हिलाकर रख दिया है। इस घटना के तुरंत बाद उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू और दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद ने एक आपात बैठक बुलाई, जिसमें भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जीरो टॉलरेंस नीति की घोषणा की गई है। प्रशासन ने न केवल हादसे की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं, बल्कि बृहस्पतिवार यानी 4 जून से पूरी दिल्ली में एक महीने का सघन प्रवर्तन अभियान शुरू करने का फैसला लिया है। बैठक में निर्णय लिया गया कि 4 जून से शुरू होने वाला यह अभियान दिल्ली के सभी होटलों, लॉज, नर्सिंग होम, कोचिंग संस्थानों और रेस्टोरेंट्स में फायर सेफ्टी मानकों की जांच करेगा।

उपराष्ट्रपति समेत कई नेताओं ने जताया दुख

नई दिल्ली। दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में स्थित एक रेस्टोरेंट में आग लगने से 21 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, जान गंवाने वालों में अधिकांश विदेशी नागरिक शामिल हैं। इस हादसे पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई नेताओं ने दुख जताया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में उपराष्ट्रपति कार्यालय ने लिखा, 'दिल्ली के मालवीय नगर में आग लगने की घटना में हुई जान-माल की क्षति अत्यंत दुखद है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं और प्रार्थना करता हूं कि दुख की इस घड़ी में उन्हें संबल और साहस मिले। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने और उनके कुशल-क्षेम के लिए भी प्रार्थना करता हूं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लिखा, 'दिल्ली के मालवीय नगर में आग लगने की घटना से मन अत्यंत व्यथित है। स्थानीय प्रशासन राहत एवं बचाव कार्य में जुटा हुआ है। इस हृदयविदारक घटना में जिन लोगों ने अपने परिजनों को खोया है, मेरी संवेदनाएं उनके साथ हैं। ईश्वर शोकाकुल परिवारों को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें। घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।'

टीमसी में टूट : ऋतब्रत बनर्जी बने नेता प्रतिपक्ष , विधानसभा स्पीकर ने दी मंजूरी

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की मुखिया ममता बनर्जी के बड़ा झटका लगा है। विधानसभा स्पीकर ने बागी विधायक ऋतब्रत बनर्जी को नेता विपक्ष बनाया है। ऋतब्रत बनर्जी ने दावा किया है कि उनको 60 विधायकों का समर्थन हासिल है।

टीएमसी से निकाले गए नेता संदीपन साहा ने कहा कि हमने अभी-अभी चिट्ठी सौंपी है। नेता प्रतिपक्ष के लिए तय कमरा आधिकारिक तौर पर अलॉट कर दिया गया है। नेता प्रतिपक्ष अभी वहीं बैठे हैं।

ममता बनर्जी हमारी सलाहकार बनी रहें- संदीपन साहा

संदीपन साहा ने कहा कि हमारी इच्छा है कि ममता बनर्जी हमारी सलाहकार बनी रहें और हमें अपनी सलाह देती रहें, ताकि हम, नेता प्रतिपक्ष और मुख्य सचेतक के साथ मिलकर, विधानसभा के अंदर पार्टी को प्रभावी ढंग से चला सकें।

पार्टी की बुरी हालत के लिए अभिषेक जिम्मेदार- संदीपन साहा

उन्होंने कहा कि पार्टी की जो बुरी हालत आज हो गई है, कुछ हद तक, वह अभिषेक बनर्जी की नाकामी है। आखिर, अगर जब सब कुछ अच्छा होता है तो आप उसका श्रेय लेते हैं, तो जब चीजें गलत होती हैं तो आपको उसकी जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए।

भाजपा के खिलाफ हमारा राजनीतिक संघर्ष जारी रहेगा- प्रसून बनर्जी

वहीं टीएमसी नेता प्रसून बनर्जी ने कहा ने कहा कि भाजपा के खिलाफ हमारा राजनीतिक संघर्ष बिना रुके जारी रहेगा। हमारी वैचारिक लड़ाई चलती रहेगी। इसके अलावा, जहां भी आवश्यक होगा, एक जिम्मेदार विपक्ष के रूप में सरकार के साथ हमारा सहयोग भी जारी रहेगा।

क्या टीएमसी के भीतर दो खेमे बन गए हैं ?

टीएमसी के भीतर अब खुलकर दो धड़े दिखाई दे रहे हैं। एक तरफ ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी का आधिकारिक गुट है, जबकि दूसरी तरफ बागी विधायक हैं जो खुद को असली विधायक दल बता रहे हैं। ऋतब्रत बनर्जी ने दावा किया कि उनके साथ 58 विधायक हैं और दो अन्य विधायक भी जल्द जुड़ सकते हैं।

अभिषेक बनर्जी की कार्यशैली पर उठाए सवाल

संदीपन साहा ने सीधे तौर पर अभिषेक बनर्जी की कार्यशैली को पार्टी की मौजूदा हालत के लिए जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा कि अगर कोई नेता सफलता का श्रेय लेता है तो उसे हार और संकट की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। इससे पहले भी कई बागी नेता अभिषेक बनर्जी की रणनीति और संगठन संचालन पर सवाल उठा चुके हैं।

क्या टीएमसी नेतृत्व ने बागियों को अवैध बताया ?

टीएमसी नेता कुणाल घोष ने बागी गुट के दावों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि निष्कासित विधायक नेता विपक्ष नहीं बन सकते। कुणाल घोष ने कहा कि दोनों पक्षों की ओर से अलग-अलग पत्र दिए गए हैं और कई विधायकों के हस्ताक्षर दोनों पत्रों में हैं। उन्होंने कहा कि मामले की कानूनी और संसदीय जांच होगी और अंतिम फैसला पार्टी नेतृत्व ही करेगा।

क्या बंगाल की राजनीति में बदलेंगे समीकरण ?

माना जा रहा है कि अगर बागी गुट मजबूत होता है तो बंगाल विधानसभा के अंदर शक्ति संतुलन बदल सकता है।

कैबिनेट ने ओडिशा में रामेश्वर से पारादीप तक नए तटीय राजमार्ग को मंजूरी दी

8300.79 करोड़ रुपए होंगे खर्च

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट की आर्थिक मामलों की समिति ने बुधवार ओडिशा में रामेश्वर से पारादीप तक हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल (एचएम) के तहत नए तटीय राजमार्ग के निर्माण को दो पैकेज के तहत मंजूरी दे दी है। इस राजमार्ग की कुल लंबाई 160.18 किलोमीटर होगी। वहीं, इसकी कुल लागत 8,300.79 करोड़ रुपए होगी।

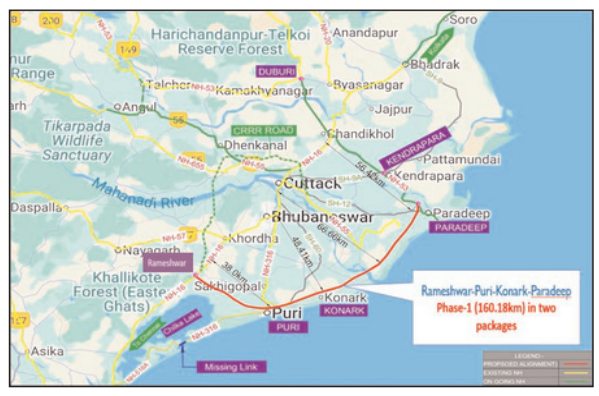

सरकार ने बयान में कहा कि प्रस्तावित परियोजनाओं में रामेश्वर से कोणार्क तक 4 लेन (पैकेज-1) और कोणार्क से पारादीप तक पक्की शोल्डर वाली 2 लेन (पैकेज-2) शामिल हैं। इससे ओडिशा राज्य के खुर्दा, पुरी, केंद्रपाड़ा और जगतसिंहपुर जिलों में 100 किमी/घंटे की निर्धारित गति सुनिश्चित होगी और यात्रा दक्षता में सुधार होगा। यह परियोजना क्षेत्रीय आवागमन को भी बढ़ावा देगी और सामाजिक-आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करेगी।

रामेश्वर से पारादीप तक नए तटीय राजमार्ग का परियोजना खंड ओडिशा के खुर्दा, पुरी, केंद्रपाड़ा और जगतसिंहपुर जिलों से होकर गुजरता है। इससे इन दोनों शहरों के बीच यात्रा का समय 2 घंटे 30 मिनट कम होने की उम्मीद है।

साथ ही, यात्री और माल ढुलाई दोनों के लिए सुरक्षित, त्वरित और निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी। इसके अतिरिक्त, इस परियोजना से ईंधन उपभोग, कार्बन उत्सर्जन और वाहन परिचालन लागत (वीओसी) में भी अत्यधिक कमी आएगी।

सरकार के मुताबिक, यह प्रस्तावित नया राजमार्ग मौजूदा एनएच 16 को भी जोड़ता है, जो कि स्वर्णिम चतुर्भुज नेटवर्क का हिस्सा है और हले से ही 6 लेन का राजमार्ग है जो खुर्दा, भुवनेश्वर और कटक जैसे प्रमुख शहरों से होकर गुजरता है।

वहीं, यह एनएच 316 से भी कनेक्टेड है जो भुवनेश्वर-पुरी को जोड़ता है और आगे सतपाड़ा और कोणार्क की ओर बढ़ता है।

सरकारी बयान में आगे कहा गया कि ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री गतिशक्ति सिद्धांतों के अनुरूप हैं और 9 इकोनॉमिक नोड एवं 5 लॉजिस्टिक नोड को आपस में जोड़ेंगी। इससे देश के लॉजिस्टिक परफॉर्मेंस इंडेक्स (एलपीआई) पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

कर्नाटक के 25वें मुख्यमंत्री बने डीके शिवकुमार

एजेंसी ■ बेंगलुरु

कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने बुधवार को राज्य के 25वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की। बेंगलुरु स्थित लोक भवन परिसर के ग्लास हाउस में आयोजित भव्य समारोह में राज्यपाल थावरचंद्र गहलोत ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

समर्थकों के नारों के बीच डी.के. शिवकुमार मंच पर पहुंचे और सबसे पहले अपने आध्यात्मिक गुरु माने जाने वाले श्री वीर गंगाधर स्वामीजी (अज्जैया) के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद, उन्होंने संविधान की प्रति हाथ में लेकर पद और गोपनीयता की शपथ ली तथा वीर गंगाधर अज्जा का स्मरण किया।

शपथ ग्रहण समारोह की शुरुआत 'वंदे मातरम्' के साथ हुई। इसके बाद कर्नाटक राज्य पुलिस बैंड द्वारा राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया और राज्य गीत भी बजाया गया।

कर्नाटक सरकार की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश ने समारोह में उपस्थित अतिथियों और गणमान्य लोगों का स्वागत किया। औपचारिक कार्यक्रम शुरू होने से पहले शिवकुमार ने निवर्तमान मुख्यमंत्री सिद्दारमैया को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

समारोह में कई प्रमुख राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय नेता मौजूद रहे। इनमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और रणदीप सिंह सुरजेवाला सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्य सचिव शालिनी रजनीश ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से शपथ ग्रहण समारोह शुरू करने की अनुमति मांगी। राज्यपाल की स्वीकृति के बाद शपथ ग्रहण की औपचारिक प्रक्रिया शुरू हुई।

इस समारोह के साथ ही कर्नाटक की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत हुई और डी.के. शिवकुमार ने राज्य की कमान औपचारिक रूप से संभाल ली। समारोह में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, समर्थक, संवैधानिक पदाधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सीजीपीएससी भर्ती घोटाला: भिलाई, रायपुर, राजनांदगांव और सरबड़ा में ईडी की दबिश, दस्तावेज खंगाले

संवाददाता ■ रायपुर

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) भर्ती घोटाले की जांच अब नए चरण में पहुंच गई है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की कार्रवाई के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी मामले में सक्रियता बढ़ाते हुए प्रदेश के चार प्रमुख स्थानों पर एक साथ छापेमार कार्रवाई की। ईडी की टीमों ने पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी, पूर्व सचिव जीवन किशोर ध्रुव, पूर्व परीक्षा नियंत्रक आरती वासनिक, पूर्व आईएएस अधिकारी अमृत खलको तथा आरोपी ललित गणवीर से जुड़े ठिकानों पर दस्तावेजों की जांच की।

ईडी की टीम ने पूर्व सीजीपीएससी अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी के ग्राम सरबड़ा स्थित निवास पर दबिश देकर महत्वपूर्ण दस्तावेजों की पड़ताल की। वहीं भिलाई सेक्टर-10 में पूर्व सचिव जीवन किशोर ध्रुव के आवास पर भी जांच की गई। रायपुर में पूर्व परीक्षा नियंत्रक आरती वासनिक के निवास पर पहुंची टीम ने भर्ती प्रक्रिया से जुड़े अभिलेखों की जांच की।

इसके अलावा राजनांदगांव के शिक्षक

कॉलोनी स्थित कृषि विस्तार अधिकारी भूपेंद्र गणवीर के घर भी ईडी ने छापा मारा। भूपेंद्र गणवीर, भर्ती घोटाले के आरोपी ललित गणवीर के भाई हैं। वहीं भिलाई के तालपुरी क्षेत्र स्थित पूर्व आईएएस अधिकारी एवं राज्यपाल के पूर्व सचिव अमृत खलको के निवास पर भी जांच एजेंसी ने कार्रवाई की। बताया जा रहा है कि अधिकारियों ने परिवार के सदस्यों से पूछताछ करने के साथ विभिन्न दस्तावेजों और वित्तीय लेन-देन से संबंधित रिकॉर्ड की जांच की।

वर्ष 2020 से 2022 की भर्तियां विवादों में

सीजीपीएससी भर्ती घोटाला वर्ष 2020 से 2022 के दौरान आयोजित भर्ती परीक्षाओं और साक्षात्कार प्रक्रियाओं से जुड़ा है। आरोप है कि चयन प्रक्रिया में प्रभावशाली लोगों के रिश्तेदारों और परिचितों को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए नियमों में बदलाव और अन्य अनियमितताएं की गईं। इससे डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी समेत कई महत्वपूर्ण पदों पर हुए चयन सवालों के घेरे में आ गए।

मामले ने तूल तब पकड़ा जब अभ्यर्थियों ने भर्ती प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाए। इसके बाद जुलाई 2023 में राज्य सरकार ने पूरे मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी थी।

सीबीआई जांच में सामने आए गंभीर आरोप

सीबीआई की जांच में आरोप लगाया गया कि तत्कालीन अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी ने अपने परिजनों को लाभ पहुंचाने के लिए चयन नियमों में हेरफेर की। जांच एजेंसी के अनुसार, भतीजे के चयन को आसान बनाने के लिए नियमों में बदलाव किए गए। इसके अलावा प्रश्नपत्र लीक कर कुछ अभ्यर्थियों को लाभ पहुंचाने के आरोप भी सामने आए।

पूर्व सचिव जीवन किशोर ध्रुव, परीक्षा नियंत्रक आरती वासनिक और उप नियंत्रक ललित गणवीर सहित अन्य अधिकारियों पर भी पद का दुरुपयोग कर चयन प्रक्रिया को प्रभावित करने के आरोप लगे हैं। वर्तमान में मामले के कई आरोपी रायपुर सेंट्रल जेल में निरुद्ध हैं, जबकि कुछ को न्यायालय से जमानत मिल चुकी है।

लेखापरीक्षा राज्य और नागरिकों के बीच विश्वास को मजबूत करके लोकतंत्र को सशक्त बनाती है: उपराष्ट्रपति

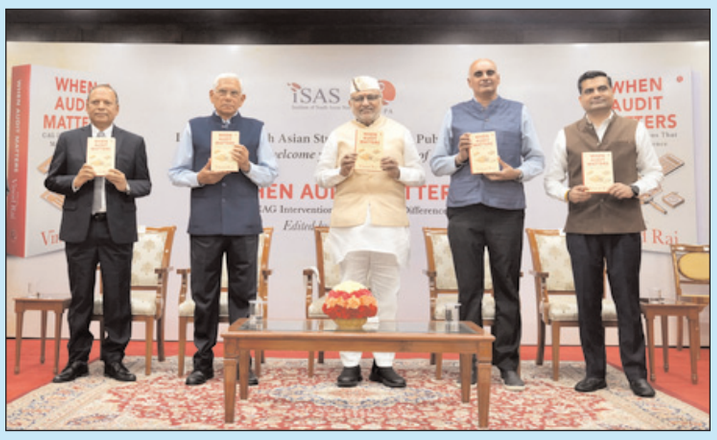

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने बुधवार को उपराष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में भारत के पूर्व नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक विनोद राय द्वारा संपादित पुस्तक 'व्हेन ऑडिट मैटर्स: सीएजी इंटरवेंशन्स दैट मेड ए डिफरेंस' का विमोचन किया।

इस अवसर पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने लेखापरीक्षा को 'लोकतंत्र को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण साधन' बताया और कहा कि यह नागरिकों को आश्वस्त करता है कि सार्वजनिक धन का उपयोग कानून, दक्षता और निष्पक्षता के अनुरूप सार्वजनिक हित के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लेखापरीक्षा न केवल सरकारों को प्रणालियों में सुधार करने और कमियों को दूर करने में मदद करती है, बल्कि राज्य और नागरिकों के बीच विश्वास को भी मजबूत करती है।

सार्वजनिक जीवन में नैतिकता के महत्व के बारे में उपराष्ट्रपति ने कहा कि नैतिकता और लेखापरीक्षा का संयोजन परिवर्तनकारी हो सकता है। इससे सार्वजनिक सेवाओं में सुधार, सार्वजनिक संसाधनों का कुशल उपयोग, अधिक लचीलापन और जनता के विश्वास में वृद्धि हो सकती है। उन्होंने बल देकर कहा कि नैतिक शासन को लोक प्रशासन का नैतिक आधार बनना चाहिए और शासन प्रणाली जनहित की सेवा के लिए बनाई गई है।

उन्होंने कहा कि भारत की जवाबदेही और नैतिक शासन की परंपराएं धर्म, राजधर्म और जन कर्तव्य की अवधारणाओं में गहराई से निहित हैं। यह भारतीय महाकाव्यों और शास्त्रों में प्रतिबिम्बित हैं। कौटिल्य के अर्थशास्त्र में वित्तीय निगरानी और जवाबदेही के सिद्धांत प्रतिपादित हैं।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद संविधान के माध्यम से इन आदर्शों को संस्थागत रूप दिया गया। इसने विधि का शासन, वित्तीय जवाबदेही और संसदीय निगरानी के अधीन एक स्वतंत्र नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की स्थापना की। उपराष्ट्रपति ने संसदीय लोकतंत्र में जवाबदेही चक्र के महत्व के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा इसकी शुरुआत बजट की विधायी स्वीकृति से होती है और लोक लेखा समितियों द्वारा लेखापरीक्षा और जांच के माध्यम से जारी रहती है। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया राजकोषीय निगरानी का एक व्यापक ढांचा स्थापित करती है और सार्वजनिक वित्त पर लोकतांत्रिक नियंत्रण को मजबूत करती है।

लेखापरीक्षा प्रणालियों में निरंतर सुधार की आवश्यकता के बारे में बताते हुए उपराष्ट्रपति ने प्रशिक्षण, प्रौद्योगिकी उन्नयन, प्रदर्शन मूल्यांकन, डेटा विश्लेषण और क्षेत्रीय विशेषज्ञता के महत्व पर बल दिया।

लाओ जनवादी लोकतांत्रिक गणराज्य के उप प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से की मुलाकात

नई दिल्ली। लाओ जनवादी लोकतांत्रिक गणराज्य के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री थोंगसावन फोमविहाने ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की।

भारत की अपनी पहली यात्रा पर आए फोमविहाने का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि भारत और लाओ जनवादी लोकतांत्रिक गणराज्य के बीच गहरे सभ्यतागत संबंध हैं, जो बौद्ध धर्म और रामायण की हमारी साझा विरासत से प्रतिबिंबित होते हैं। इस वर्ष हम लोग दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 70वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, जो द्विपक्षीय संबंधों का एक महत्वपूर्ण सोपान है।

उन्होंने उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आसियान से जुड़े शिखर सम्मेलनों में भाग लेने के लिए अक्टूबर 2024 में लाओ जनवादी लोकतांत्रिक गणराज्य की यात्रा पर गए थे। उस यात्रा के दौरान कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे हमारे सहयोग को एक नई गति मिली।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और लाओ जनवादी लोकतांत्रिक गणराज्य के बीच द्विपक्षीय व्यापार बढ़ा है, लेकिन हमारे पास व्यापार और निवेश दोनों ही क्षेत्रों में और अधिक प्रगति करने की अभी भी काफी संभावनाएं बनी हुई हैं।

उन्होंने कहा कि भारत को लाओ जनवादी लोकतांत्रिक गणराज्य के साथ सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी), स्वास्थ्य, मेडिसीन, कृषि, सिंचाई, विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा और विद्युत जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने से प्रसन्नता होगी। हम नवाचार और ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था के क्षेत्रों में भी अपने अनुभव साझा करने के लिए तत्पर हैं।

राष्ट्रपति को यह जानकर प्रसन्नता हुई कि दोनों देशों के बीच विकास साझेदारी और भी अधिक सुदृढ़ हुई है, यह साझेदारी लाओ के युवाओं की आकांक्षाओं और देश की सामाजिक-आर्थिक विकास आवश्यकताओं पर आधारित है।

इंदौर: आईएमसी फर्जी बिल घोटाले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, तीन मुख्य आरोपी गिरफ्तार

भोपाल । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के इंदौर सब-जोनल ऑफिस ने 1 जून को पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत करोड़ों रुपए के इंदौर नगर निगम (आईएमसी) फर्जी बिल घोटाले से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के सिलसिले में तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें अभय सिंह राठौड़, मोहम्मद जाकिर और राहुल बडेरा शामिल हैं।

गिरफ्तार आरोपियों को इंदौर की विशेष अदालत (पीएमएलए) के समक्ष पेश किया गया, जिसमें कोर्ट ने आगे की जांच के लिए आरोपियों की ईडी हिरासत 5 जून तक दी है।

इस मामले को लेकर ईडी ने इंदौर के एमडी रोड पुलिस स्टेशन द्वारा आईपीसी, 1860 के विभिन्न प्रावधानों के तहत दर्ज कई एफआईआर और दायर चार्जशीट के आधार पर जांच शुरू की थी। ये मामले फर्जी बिलों, जाली वर्क ऑर्डर, मनगढ़ंत रिकॉर्ड और ऐसे प्रोजेक्ट कार्यों के जरिए इंदौर नगर निगम के खजाने से धोखाधड़ी करके पैसे निकालने से जुड़े थे, जो असल में हुए ही नहीं थे।

ईडी की जांच से पता चला है कि 2018 से 2023 के बीच इंदौर नगर निगम (आईएमसी) में लगभग 119.53 करोड़ रुपए के फर्जी और झूठे बिल जमा किए गए थे। ये बिल ऐसे कार्यों के लिए थे, जो असल में हुए ही नहीं थे। इन जाली और मनगढ़ंत बिलों के आधार पर आईएमसी के खजाने से लगभग 86.54 करोड़ रुपए का धोखाधड़ी भरा भुगतान किया गया।

पीएमएलए, 2002 के तहत आगे की जांच से पता चला कि 2018 से पहले भी इसी तरीके का इस्तेमाल करके लगभग 6.22 करोड़ रुपए के सरकारी पैसे का गबन किया गया था। इस तरह धोखाधड़ी की कुल राशि लगभग 92.76 करोड़ रुपए आंकी गई है, जिसे पीएमएलए, 2002 के तहत 'अपराध से अर्जित संपत्ति' माना गया है।

जांच से यह भी पता चला है कि आरोपियों ने आईएससी में मनगढ़ंत बिल जमा किए थे, जिनका भुगतान बाद में उनके नियंत्रण वाली फर्मों को कर दिया गया। हालांकि, इन फर्मों ने भुगतान के बदले में कोई वास्तविक काम नहीं किया था, जिससे निगम को आर्थिक नुकसान हुआ और आरोपियों को अवैध लाभ पहुंचा। आगे यह भी पता चला कि अभय सिंह राठौड़, जो उस समय निगम में असिस्टेंट इंजीनियर थे, इस घोटाले के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक के रूप में सामने आए और उन्होंने नकली वर्क ऑर्डर तैयार करने और उन्हें प्रोसेस करवाने में अहम भूमिका निभाई। यह भी सामने आया कि ठेकेदार मोहम्मद जाकिर और राहुल बडेरा ने अपनी स्वामित्व और नियंत्रण वाली फर्मों के जरिए मौजूदा जांच का हिस्सा रहे नकली और फर्जी बिलों के बदले इंदौर नगर निगम के खजाने से लगभग 71.78 करोड़ रुपए प्राप्त किए।

जम्मू-कश्मीर : रियासी में अवैध तंबाकू बिक्री पर पुलिस की कार्रवाई, दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

रियासी । जम्मू-कश्मीर के रियासी पुलिस ने अवैध तंबाकू उत्पादों की बिक्री और कब्जे के मामले में दो लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है। यह कार्रवाई 'नशा मुक्त जम्मू और कश्मीर अभियान' के तहत की गई, जिसके अंतर्गत पुलिस लगातार नशीले और प्रतिबंधित पदार्थों के खिलाफ अभियान चला रही है।

मामला रियासी जिले के बाणगंगा क्षेत्र का है, जहां पुलिस पोस्ट बाणगंगा की टीम नियमित गश्त और नाका चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने दो व्यक्तियों को बैग लेकर बाणगंगा से चरण पादुका की ओर जाते देखा। संदिग्ध गतिविधि के आधार पर पुलिस ने दोनों को रोका और उनकी जांच की।

जांच के दौरान इन व्यक्तियों की पहचान भूषण सिंह, पुत्र चैन सिंह, निवासी पुराना दरूर, कटरा, जिला रियासी और अब्दुल राशिद, पुत्र अली मोहम्मद, निवासी डग्गल हलाल, तहसील कालाकोट, जिला राजौरी के रूप में हुई। जब पुलिस ने उनके बैग की तलाशी ली तो उसमें बड़ी मात्रा में तंबाकू से जुड़े उत्पाद बरामद हुए। इनमें सिगरेट, बीड़ी, पान मसाला और अन्य तंबाकू उत्पाद शामिल थे, जिन्हें कथित तौर पर बिक्री के लिए रखा गया था।

पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान दोनों व्यक्तियों से इन उत्पादों के स्रोत और बिक्री को लेकर जानकारी मांगी गई, लेकिन वे कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। इसके बाद पुलिस ने बरामद सामान को जब्त कर लिया और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

इस मामले में पुलिस स्टेशन कटरा में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के अंतर्गत एफआईआर दर्ज कर ली है और मामले की विस्तृत जांच जारी है।

रियासी पुलिस ने कहा है कि जिले में अवैध तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे इस तरह की किसी भी अवैध गतिविधि की जानकारी तुरंत नजदीकी पुलिस चौकी को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके और समाज को नशे के दुष्प्रभावों से बचाया जा सके।

बंगाल स्कूल भर्ती घोटाला: अभिषेक बनर्जी को ईडी का नोटिस, 15 जून को पूछताछ के लिए बुलाया

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित स्कूल भर्ती घोटाले की जांच कर रहे ईडी ने बुधवार को अभिषेक बनर्जी को पूछताछ के लिए समन जारी किया। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी को 15 जून को कोलकाता के साल्ट लेक स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स में ईडी कार्यालय में उपस्थित होने के लिए कहा गया है।

सूत्रों के मुताबिक, बुधवार को ईडी के दो अधिकारी दक्षिण कोलकाता के हरिश मुखर्जी रोड स्थित अभिषेक बनर्जी के आवास 'शांतिनिकेतन' पहुंचे थे, ताकि उन्हें व्यक्तिगत रूप से समन सौंपा जा सके।

हालांकि, वहां मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने अधिकारियों को बताया कि अभिषेक काफी समय से उस आवास में नहीं रह रहे हैं। इसके बाद ईडी अधिकारी कालीघाट रोड स्थित उनके दूसरे आवास पहुंचे, जो उनकी बुआ और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के घर के निकट स्थित है, लेकिन अभिषेक वहां भी मौजूद नहीं थे, जिसके कारण ईडी अधिकारी उन्हें व्यक्तिगत रूप से समन नहीं दे सके।

गौरतलब है कि स्कूल भर्ती मामले में समानांतर जांच कर रही सीबीआई की चार्जशीट में भी अभिषेक बनर्जी का नाम शामिल था, हालांकि उन्हें आरोपी नहीं बनाया गया था। इसी तरह ईडी की चार्जशीट में भी उनका उल्लेख किया गया है।

ईडी सूत्रों के अनुसार, मामले में उनकी कथित भूमिका को लेकर जांच को तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाने के लिए उन्हें दोबारा पूछताछ के लिए बुलाया गया है। 15 जून को उनका बयान दर्ज किया जाएगा।

इस बीच, अभिषेक बनर्जी को पश्चिम बंगाल पुलिस की सीआईडी ने भी 8 जून को पूछताछ के लिए तलब किया है। यह मामला पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के लिए आरक्षित महत्वपूर्ण पदों से संबंधित एक प्रस्ताव पर तृणमूल विधायकों के हस्ताक्षरों में कथित विसंगतियों से जुड़ा है।

हालांकि, 8 जून को अभिषेक बनर्जी का नई दिल्ली जाने का कार्यक्रम है, जहां वे ममता बनर्जी के साथ विपक्षी गठबंधन इंडिया की महत्वपूर्ण बैठक में शामिल होने वाले हैं।

गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में उत्तर पूर्वी परिषद की बैठक; विकास, कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय सहयोग पर होगी चर्चा

नई दिल्ली । केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया बुधवार से दो दिवसीय पूर्वोत्तर दौरे पर शिलांग के लिए रवाना होंगे। अपने प्रवास के दौरान केंद्रीय मंत्री मेघालय की राजधानी शिलांग में आयोजित उत्तर पूर्वी परिषद (एनईसी) की 73वीं पूर्ण बैठक सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बैठकों में भाग लेंगे।

4 जून को केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया शिलांग स्थित स्टेट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित उत्तर पूर्वी परिषद (एनईसी) की 73वीं पूर्ण बैठक में सहभागिता करेंगे, इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह करेंगे, जो इस परिषद के अध्यक्ष भी हैं। बैठक में पूर्वोत्तर क्षेत्र के समग्र विकास, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी, बुनियादी अधोसंरचना, आर्थिक प्रगति तथा राज्यों के बीच बेहतर समन्वय से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाएगी।

दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री नॉर्थ ईस्टर्न स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर से संबंधित बैठक में भी भाग लेंगे। बैठक में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और आधुनिक तकनीकों के माध्यम से पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास को गति देने से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

छात्रों को लैब से बाहर अलग-अलग राज्यों में ले जाएगी आईआईटी की फेलोशिप

नई दिल्ली। आईआईटी की विशिष्ट रूप से संरचित एक्सप्लोरर फेलोशिप 2026 छात्रों को एक अलग तरह का अवसर दे रही है। यह फेलोशिप छात्रों को वास्तविक जीवन के अनुभवों के माध्यम से भारत को जानने और समझने का अवसर प्रदान कर रही है। छात्रों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आईआईटी ने यह पहल की है।

आईआईटी का कहना है कि एक्सप्लोरर फेलोशिप एक अनूठा कार्यक्रम है। यह छात्रों को लैब व क्लासरूम से बाहर निकल कर विभिन्न पृष्ठभूमियों के लोगों से संवाद स्थापित करने का मौका दे रही है। यह फेलोशिप 18 वर्ष से अधिक आयु के आईआईटी छात्रों के लिए है। इसमें प्रतिभागियों को भारत के छह राज्यों की यात्रा का मौका मिलेगा। इन राज्यों में कम से कम एक राज्य पूर्वोत्तर भारत से, एक दक्षिण भारत से और एक उत्तर भारत से होना अनिवार्य है।

छात्रों को स्लीपर श्रेणी की रेल यात्रा अथवा राज्य परिवहन बसों का उपयोग करना होता है तथा यूथ हॉस्टल और होमस्टे जैसे किफायती आवासों में ठहरना होगा। इसके साथ ही यह छात्रों का लचीलापन, अनुकूलन क्षमता और आत्मविश्वास विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

आईआईटी में पढ़ रहे छात्रों को सहयोग प्रदान करने हेतु आईआईटीजीएन ने एक सुव्यवस्थित कम-व्यय यात्रा ढांचे के अंतर्गत वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई है।

इससे छात्र देशभर की यात्रा करते हुए संसाधनों का जिम्मेदारीपूर्वक प्रबंधन करना सीख सकते हैं। यह कुल मिलाकर एक छह-सप्ताह का कार्यक्रम है। वर्ष 2026 संस्करण के लिए अभी तक 63 छात्र टीमों से आवेदन प्राप्त हुए। चयन प्रक्रिया के उपरांत इनमें से 56 टीमों का चयन किया गया है।

आईआईटी के डीन, स्टूडेंट अफेयर्स प्रो. मनीष कुमार ने कहा, 'आईआईटी संस्थानों में अपनी तरह की यह पहली पहल छात्रों को परिसर से बाहर निकलकर लोगों, समुदायों और वास्तविकताओं से जुड़ने के लिए प्रेरित करती है।

सीएम भूपेंद्र पटेल की कैबिनेट बैठक में योगेश भाई के निधन पर जताया गया शोक, दो मिनट का मौन धारण

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल की अध्यक्षता में हुई राज्य कैबिनेट की मीटिंग में वडोदरा के मंजलपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक व पूर्व मंत्री और गुजरात भाजपा के वरिष्ठ नेता योगेशभाई पटेल के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया गया।

कैबिनेट मीटिंग की शुरुआत में, सदागत के निधन के संबंध में एक शोक प्रस्ताव पेश किया गया। मुख्यमंत्री समेत राज्य कैबिनेट के सभी सदस्यों ने सदागत की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी और दुखी परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

प्रवक्ता मंत्री जीतूभाई वघानी ने स्वर्गीय योगेशभाई के जीवन और करियर को याद करते हुए कहा कि योगेशभाई पटेल, जिन्हें 'योगेश काका' के नाम से जाना जाता था, एक ऐसे नेता थे जिन्हें कोई हरा नहीं सकता था और वडोदरा के लोगों के दिलों में उनकी खास जगह थी। उन्होंने लगातार 8 बार राज्य विधानसभा में रावपुरा और फिर मंजलपुर निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि के तौर पर काम किया। वडोदरा के वोटरों ने दशकों तक उन पर अपना अटूट और अटूट विश्वास जताया।

उन्होंने एक मंत्री के तौर पर भी राज्य सरकार की पूरी ईमानदारी से सेवा की। मंत्री पद पर होने के बावजूद, उनकी सादगी और आम आदमी के लिए हमेशा उपलब्ध रहने का उनका अंदाज़ बेमिसाल था। वे भगवान शिव के बहुत बड़े भक्त और उपासक थे और उन्होंने ही वडोदरा को एक सांस्कृतिक शहर होने के साथ-साथ शिवनगरी की पहचान दिलाई। वे शिवाजी की तीर्थ यात्रा के आयोजन से भी जुड़े हुए थे।

वडोदरा शहर के विकास में, खासकर पानी, सड़क और ड्रेनेज जैसी बुनियादी समस्याओं को हल करने में उनका योगदान बहुत कीमती रहा है। वे हमेशा वडोदरा की सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान से जुड़े रहे हैं। मंत्री ने कहा कि योगेश काका जैसे नेक पब्लिक सर्वेंट के जाने से पूरे गुजरात की पब्लिक लाइफ को बहुत बड़ा नुकसान हुआ है।

संक्षिप्त खबरें

यूजर चार्ज के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

रायपुर। नगर निगम द्वारा लगाए जा रहे यूजर चार्ज के विरोध में मंगलवार को जिला कांग्रेस कमेटी ने राजधानी रायपुर के राजीव गांधी चौक पर जोरदार प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने यूजर चार्ज संबंधी आदेश की प्रतियां जलाकर अपना विरोध दर्ज कराया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार और नगर निगम प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए यूजर चार्ज वापस लेने की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि एक ओर देशभर में लगातार बढ़ती महंगाई से आम जनता पहले ही परेशान है, वहीं दूसरी ओर नगर निगम द्वारा यूजर चार्ज के नाम पर लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला जा रहा है। उनका कहना था कि सरकार जनता को राहत देने के बजाय नए-नए शुल्क लगाकर आर्थिक दबाव बढ़ा रही है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन ने कहा कि नगर निगम की सफाई व्यवस्था पहले से ही प्रभावित है और नागरिकों को अपेक्षित सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। इसके बावजूद यूजर चार्ज में वृद्धि कर आम लोगों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता के हितों से जुड़े इस मुद्दे पर लगातार आवाज उठाती रहेगी और आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल रहे। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि यूजर चार्ज संबंधी निर्णय वापस नहीं लिया गया तो आने वाले दिनों में व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा।

पूर्व मुख्य सचिव बीकेएस रे का निधन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ रिटायर्ड आईएएस अधिकारी बीकेएस रे का निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थे और रायपुर स्थित एम्स में उनका इलाज चल रहा था। 1972 बैच के आईएएस अधिकारी रहे बीकेएस रे ने अपने प्रशासनिक करियर में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। वे राज्य के मुख्य सचिव पद से सेवानिवृत्त हुए थे। इसके अलावा उन्होंने प्रशासनिक अकादमी के महानिदेशक और माध्यमिक शिक्षा मंडल के अध्यक्ष के रूप में भी सेवाएं दी थीं।

प्रशासनिक सेवा से रिटायर होने के बाद उन्होंने खुद को लेखन के लिए समर्पित कर दिया था। उन्होंने अंग्रेजी साहित्य और कविता के क्षेत्र में कई पुस्तकें और रचनाएं लिखीं. उनके साहित्यिक योगदान के लिए वर्ष 2019 में उन्हें सुकरात पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उनके निधन से प्रशासनिक और साहित्यिक जगत में शोक की लहर है।

राजधानी 6 से 9 जून तक होगी राज्य सेवा मुख्य

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा (मुख्य) परीक्षा-2025 की लिखित परीक्षा की समय-सारिणी घोषित कर दी गई है। आयोग द्वारा जारी सूचना के अनुसार परीक्षा का आयोजन 6 जून से 9 जून तक निर्धारित परीक्षा केन्द्रों में किया जाएगा। परीक्षा दो पालियों में प्रात: 9.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक तथा दोपहर 2.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक संपन्न होगी।

जारी कार्यक्रम के अनुसार 6 जून 2026 को भाषा एवं निबंध, 7 जून को सामान्य अध्ययन-द्व एवं II, 8 जून को सामान्य अध्ययन-III एवं IV तथा 9 जून को सामान्य अध्ययन-V की परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2025 सरगुजा (अंबिकापुर), बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर (जगदलपुर) एवं रायपुर के निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जाएगी।

आयोग ने सभी अभ्यर्थियों से निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

50 लाख की आबादी वाले रायपुर की सुरक्षा रामभरोसे

रायपुर (संवाददाता)। देशभर में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच आगजनी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। बुधवार को दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में लगी भीषण आग में 21 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए। आग इतनी भयावह थी कि लोगों को जान बचाने के लिए भवन से छलांग तक लगानी पड़ी। इस हादसे ने एक बार फिर देश के बड़े शहरों की अग्निशमन व्यवस्था और आपदा प्रबंधन की तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। दिल्ली की इस घटना के बाद छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर की फायर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है।

तेजी से महानगर का स्वरूप ले रहे रायपुर जिले की आबादी 50 लाख के आंकड़े को पार कर चुकी है। राजधानी का दायरा लगातार बढ़ रहा है। नवा रायपुर, माना, अभनपुर, धरसींवा, उरला-सिलतरा, भनपुरी, सरोरा और शहर के बाहरी क्षेत्रों में तेजी से नई कॉलोनियां, व्यावसायिक परिसर, होटल, अस्पताल, स्कूल और औद्योगिक इकाइयां विकसित हो रही हैं। लेकिन इसके बावजूद पूरे राजधानी क्षेत्र की अग्निशमन व्यवस्था मुख्य रूप से रायपुर नगर निगम के केंद्रीय फायर स्टेशन और नवा रायपुर स्थित फायर स्टेशन पर निर्भर है।वही जब हमने फायर स्टेशन के संदर्भ में जिला रायपुर के कलेक्टर गौरव सिंह से पूछा की राजधानी में फायर ब्रिगेड स्टेशन की स्थिति क्या है तो उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि यथास्थिति जो भी होगी प्रशासन के

तरफ़ से किया जाएगा, वही उन्होंने यह भी कहा कि उरला, बिरगांव, भनपुरी क्षेत्रों में भविष्य में योजना के हिसाब से कार्य किया जाएगा।

राजधानी में पहले भी हो चुके हैं बड़े अग्निकांड

रायपुर आगजनी की घटनाओं से अछूता नहीं रहा है। वर्ष 2017 में रायपुर रेलवे स्टेशन की पार्किंग में लगी भीषण आग में 200 से अधिक दोपहिया वाहन जलकर खाक हो गए थे। इस घटना ने शहर में अग्निशमन संसाधनों और पार्किंग क्षेत्रों में सुरक्षा इंतजामों पर सवाल खड़े कर दिए थे। इसके बाद राजधानी में समय-समय पर कई बड़ी आगजनी की घटनाएं सामने आती रही हैं।

हाल ही में तेलीबांधा स्थित एक बहुमंजिला व्यावसायिक भवन में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई थी, जहां फायर ब्रिगेड और प्रशासन की संयुक्त टीम ने 47 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला था। वहीं भनपुरी और उरला-सिलतरा औद्योगिक क्षेत्रों में भी फैक्ट्रियों और गोदामों में आग लगने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। गर्मी के मौसम में शॉर्ट सर्किट, ट्रांसफार्मर ब्लास्ट, केमिकल इकाइयों में दुर्घटनाएं तथा सूखी घास और कचरे में आग लगने की घटनाएं लगातार बढ़ जाती हैं।

बढ़ती आबादी, सीमित संसाधन

चिंता का विषय केवल रायपुर तक सीमित नहीं है। अनुमानित आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2026 में छत्तीसगढ़ की कुल जनसंख्या 3 करोड़ 13 लाख 87 हजार से अधिक हो चुकी है। वहीं रायपुर जिला अकेले 50 लाख से अधिक आबादी का बोझ संभाल रहा है। इसके बावजूद अग्निशमन संसाधनों का विस्तार जनसंख्या वृद्धि और शहरीकरण की रफ्तार के अनुरूप नहीं हो पाया है।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में प्रस्तुत राज्य सरकार के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में पूर्ण रूप से संचालित फायर स्टेशनों की संख्या बेहद सीमित है। रायपुर जिले में फायर टेंडरों की संख्या अन्य जिलों की तुलना में अधिक जरूर है, लेकिन राजधानी के लगातार फैलते क्षेत्रफल और बढ़ती आबादी को देखते हुए यह व्यवस्था भविष्य की चुनौतियों के लिए पर्याप्त नहीं मानी जा रही है। उरला-सिलतरा जैसे बड़े औद्योगिक क्षेत्र में अलग फायर स्टेशन की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है।

दिल्ली जैसी घटना से सबक लेने की जरूरत

विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी बड़े शहर में आग लगने की स्थिति में दमकल वाहनों का घटनास्थल तक 5 से 10 मिनट के भीतर पहुंचना बेहद जरूरी होता है। लेकिन रायपुर के बढ़ते ट्रैफिक दबाव और शहर के विस्तार को देखते हुए कई बाहरी क्षेत्रों तक पहुंचने में अधिक समय लग सकता है। ऐसे में शुरुआती समय में आग पर नियंत्रण नहीं होने से जान-माल का नुकसान कई गुना बढ़ सकता है। दिल्ली के मालवीय नगर अग्निकांड ने यह साबित कर दिया है।

खाद की कालाबाजारी पर कसा शिकंजा

रायपुर। खरीफ सीजन को देखते हुए कृषि विभाग ने खाद की कालाबाजारी, अवैध भण्डारण और निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर बिक्री करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। सभी जिलों में गठित उड़नदस्ता दलों द्वारा लगातार छापेमार कार्रवाई की जा रही है। बिलासपुर जिले में मल्हार और सेन्दरी में बड़ी मात्रा में खाद जब्त कर कानूनी कार्रवाई की गई है।

बिलासपुर जिले के मस्तूरी विकासखण्ड के मल्हार में अग्रवाल खाद भण्डार की जांच के दौरान यूरिया, एनपीके और एसएसपी उर्वरकों का अवैध भण्डारण पाया गया। टीम ने खाद को जब्त कर अग्रिम कार्रवाई के लिए जिला दण्डाधिकारी न्यायालय में मामला प्रस्तुत किया है। इसी प्रकार सेन्दरी स्थित मेसर्स बंसल फर्टिलाइजर में छिपाकर रखी गई खाद को उड़नदस्ता दल ने रात में छापेमार कार्रवाई कर बरामद किया। जांच के दौरान अवैध भण्डारण की पुष्टि होने पर खाद जब्त कर गोदाम को सील कर दिया गया। कृषि विभाग पूरे जिले में लगातार निगरानी रख रही है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम तथा उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 के तहत कार्रवाई की जा रही है।

जिला प्रशासन ने किसानों के हित में सभी सहकारी समितियों को अवकाश दिवसों सहित शनिवार एवं रविवार को भी खुला रखने के निर्देश दिए हैं, ताकि किसानों को समय पर खाद उपलब्ध हो सके और उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

सड़क दुर्घटना में चकनाचूर पेल्विस (श्रोणि) की हड्डी का सफल ऑपरेशन

रायपुर। सड़क दुर्घटनाओं में पेल्विस (श्रोणि) की हड्डी का गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो जाना तथा साथ ही एसीटैबुलम (Acetabulum) का फ्रैक्चर होना अत्यंत गंभीर एवं जटिल चोटों में गिना जाता है। ऐसे मामलों में समय पर विशेषज्ञ उपचार न मिलने पर स्थायी विकलांगता, चलने-फिरने में गंभीर कठिनाई तथा भविष्य में गठिया जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। इसी प्रकार के एक चुनौतीपूर्ण मामले में सिम्स बिलासपुर के अस्थि रोग विभाग ने सफल सर्जरी कर 40 वर्षीय अजय पटेल को नया जीवन प्रदान किया।

बिलासपुर निवासी अजय पटेल को 19 अप्रैल 2026 को बिल्हा क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटना में

गंभीर चोटें आई थीं। दुर्घटना के बाद उन्हें तत्काल उपचार हेतु सिम्स बिलासपुर लाया गया, जहां जांच में उनकी दाहिनी पेल्विस में सेंट्रल हिप डिसलोकेशन (Right Central Hip Dislocation) के साथ एसीटैबुलम फ्रैक्चर (Acetabular Fracture) पाया गया। यह चोट अत्यंत जटिल मानी जाती है क्योंकि इसमें हिप जॉइंट अपनी सामान्य स्थिति से हट जाता है तथा उसे घेरने वाली पेल्विस की हड्डी भी क्षतिग्रस्त हो जाती है। वरिष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. तरुण सिंह ठाकुर की देखरेख में मरीज का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। चोट की गंभीरता एवं भविष्य में जोड़ की कार्यक्षमता को ध्यान में रखते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. बेन के मार्गदर्शन में विशेष सर्जिकल योजना तैयार की गई।

दिनांक 28 अप्रैल 2026 को विशेषज्ञ टीम द्वारा सफलतापूर्वक ओपन रिडक्शन एंड इंटरनल फिक्सेशन (ORIF) विद राइट एसीटैबुलर रिपेयर एवं ओपन रिडक्शन ऑफ हिप जॉइंट की जटिल सर्जरी की गई। ऑपरेशन के दौरान आधुनिक सी-आर्म (ष्ट-द्ध) फ्लोरोस्कोपी मशीन की सहायता से हड्डियों की स्थिति का लगातार मूल्यांकन किया गया।

अधूरी सड़क-नाली और बंद स्ट्रीट लाइटों पर नाराज रहवासी

जोन कार्यालय का घेराव कर दी आंदोलन की चेतावनी

रायपुर संवाददाता। राजधानी रायपुर के भनपुरी स्थित गंगानगर और गोवर्धन नगर के रहवासियों का आक्रोश आखिरकार सड़क पर दिखाई दिया। क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही मूलभूत समस्याओं से परेशान लोगों ने नगर निगम जोन क्रमांक-1 कार्यालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र का एकमात्र निस्तारी बांधा (तालाब) लगातार अतिक्रमण की भेंट चढ़ रहा है, जबकि सड़क, नाली और स्ट्रीट लाइट जैसी बुनियादी सुविधाएं भी बदहाल हैं।

युवा कांग्रेस नेता केशव सिन्हा के नेतृत्व में पहुंचे रहवासियों ने जोन कमिश्नर के नाम ज्ञापन सौंपते हुए तीन प्रमुख मांगें रखीं। ज्ञापन में कहा गया है कि गंगानगर का एकमात्र निस्तारी तालाब सड़क निर्माण के नाम पर अवैध रूप से पाटा जा रहा है। तालाब में मलबा डालकर उसके अस्तित्व को

खत्म करने की कोशिश की जा रही है, जिससे क्षेत्रवासियों में भारी नाराजगी है। प्रदर्शनकारियों ने तालाब में डाला गया मलबा तत्काल हटाने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। रहवासियों का कहना है कि कई महीनों से सड़क और नाली निर्माण कार्य अधूरा पड़ा हुआ है। जगह-जगह गड्ढे और निर्माण सामग्री फैली होने के कारण लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बरसात से पहले भी काम पूरा नहीं होने से क्षेत्र में जलभराव की आशंका बढ़ गई है। इसके अलावा वार्ड क्रमांक-4 की कई स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हैं, जिससे रात के समय अंधेरा छाया रहता है और लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है। प्रदर्शन में शामिल कांग्रेस नेता पंकज शर्मा ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार होने के बावजूद जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करने को मजबूर है। सड़क, नाली और तालाब संरक्षण जैसे मुद्दों पर शासन-प्रशासन पूरी तरह उदासीन नजर आ रहा है। जब जनता की समस्याएं सुनने वाला कोई नहीं होता, तब लोगों को सड़कों पर उतरना पड़ता है।

वहीं प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने भावुक होकर कहा कि क्षेत्र का यह बांधा तालाब वर्षों से लोगों के उपयोग का प्रमुख स्रोत रहा है। अब प्रभावशाली लोगों द्वारा धीरे-धीरे इसे पाटा जा रहा है और प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। महिलाओं ने कहा कि यदि समय रहते अतिक्रमण नहीं रोका गया तो आने वाली पीढ़ियों के लिए तालाब केवल इतिहास बनकर रह जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन को पांच दिनों का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी है कि यदि तालाब अतिक्रमण, अधूरे सड़क-नाली निर्माण और बंद स्ट्रीट लाइटों की समस्या का समाधान नहीं किया गया तो बड़ा जनआंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, महिलाएं और युवा मौजूद रहे।

नदियों के अस्तित्व से खिलवाड़ मंजूर नहीं: राज्यपाल रमेन डेका

रायपुर। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने प्रदेश की नदियों और बड़े नालों में हो रहे अवैध व बेतरतीब रेत उत्खनन पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने पर्यावरण और जल संसाधनों की सुरक्षा के लिए इस पर तत्काल व प्रभावी रोक लगाने के कड़े निर्देश दिए हैं। राज्यपाल ने स्पष्ट किया कि रेत राज्य के विकास और बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) के निर्माण के लिए एक अनिवार्य खनिज है, परंतु इसके अनियंत्रित और अंधाधुंध दोहन से पर्यावरण को गंभीर क्षति पहुँच रही है।

लोक भवन में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में राज्यपाल ने खनिज विभाग के सचिव श्री पी. दयानंद से इस संवेदनशील विषय पर विस्तृत चर्चा की और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि राज्य में रेत खनन पूरी तरह से वैज्ञानिक, सुनियोजित और व्यवस्थित तरीके से किया जाना चाहिए, ताकि विकास की रफ्तार और पर्यावरण संरक्षण के बीच एक आदर्श संतुलन बना रहे। राज्यपाल ने अवैध उत्खनन से होने वाले दुष्प्रभावों को रेखांकित करते हुए कहा कि अंधाधुंध खुदाई के कारण नदियों का प्राकृतिक स्वरूप पूरी तरह प्रभावित हो रहा है। नदी के तल में अत्यधिक गहराई तक खुदाई होने से उनकी जलधारण क्षमता घट रही है, जिसका सीधा प्रतिकूल असर भू-जल स्तर पर पड़ रहा है। नदी तटों के तीव्र कटाव की समस्या बढ़ रही है। इसके साथ ही कई ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक जलस्रोत सूख रहे हैं और जलीय जैव विविधता के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है।

राजधानी के तालाबों पर बढ़ता कब्जा, गंगानगर का 8 एकड़ बांधा तालाब खतरे में

'तालाब बचेंगे तो शहर बचेगा' गंगानगर के 8 एकड़ बांधा तालाब पर अतिक्रमण, सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी के बावजूद नहीं रुका कब्जा

रायपुर के कई तालाब पहले ही सिकुड़ चुके, अब भनपुरी के गंगानगर स्थित बांधा तालाब पर मंडरा रहा अस्तित्व का संकट

रायपुर। (विशेष संवाददाता) राजधानी रायपुर कभी तालाबों का शह कहलाता था। शहर और आसपास के क्षेत्रों में सैकड़ों छोटे-बड़े तालाब, पोखर और जलाशय मौजूद थे, जो भूजल संरक्षण, जल निकासी और पर्यावरण संतुलन की रीढ़ माने जाते थे। लेकिन शहरीकरण, अवैध प्लाटिंग और प्रशासनिक उदासीनता के कारण एक-एक कर तालाबों की जमीन पर कब्जे होते गए। अब भनपुरी के गंगानगर में स्थित लगभग 8 एकड़ का बांधा तालाब भी अतिक्रमण की चपेट में आता दिखाई दे रहा है।

स्थानीय रहवासियों का आरोप है कि तालाब की मेढ़ और जलभराव क्षेत्र में लगातार निर्माण गतिविधियां बढ़ रही हैं। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो आने वाले वर्षों में यह तालाब भी राजधानी के उन जलाशयों की सूची में शामिल हो जाएगा जो नक्शों में तो हैं, लेकिन जमीन पर खत्म हो चुके हैं।

भनपुरी के गंगानगर स्थित बांधा तालाब में लगातार अतिक्रमण बढ़ने की शिकायतें सामने आ रही हैं। रहवासियों का कहना है कि तालाब की परिधि में अवैध भराव और निर्माण किए जा रहे हैं, जिससे जलग्रहण क्षेत्र सिकुड़ रहा है। लोगों ने जोन कार्यालय का घेराव कर तालाब को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग उठाई है।

यह तालाब रायपुर नगर निगम क्षेत्र के भनपुरी स्थित गंगानगर वार्ड में स्थित है। लगभग 8 एकड़ में फैला यह जलाशय आसपास की बस्तियों के लिए वर्षा जल संग्रहण और भूजल पुनर्भरण का महत्वपूर्ण स्रोत माना जाता है।

स्थानीय लोगों के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में तालाब की जमीन पर धीरे-धीरे कब्जे बढ़े हैं। हाल के महीनों में निर्माण गतिविधियों और भूमि भराव की शिकायतों ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी है।

रहवासियों का आरोप है कि भू-माफिया, अवैध प्लाटिंग करने वाले तत्व और निगरानी तंत्र की कमजोरी इसके लिए जिम्मेदार हैं। वहीं प्रशासन का कहना है कि शिकायतों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

विशेषज्ञों के अनुसार शहर के तालाब केवल पानी जमा करने की जगह नहीं होते, बल्कि वे बाढ़ नियंत्रण, भूजल रिचार्ज, तापमान संतुलन और जैव विविधता संरक्षण में अहम भूमिका निभाते हैं। तालाबों के खत्म होने का सीधा असर जल संकट और शहरी बाढ़ के रूप में सामने आता है।

रायपुर के कई पुराने तालाब पहले ही अतिक्रमण, गंदगी और अवैध निर्माण की मार झेल रहे हैं। राजधानी के विभिन्न जलाशयों पर लगातार कब्जे और निर्माण को लेकर समय-समय पर शिकायतें सामने आती रही हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार सीमांकन, अतिक्रमण हटाने की नियमित कार्रवाई, जलाशय क्षेत्र में निर्माण पर पूर्ण प्रतिबंध और स्थानीय समुदाय की भागीदारी ही तालाबों को बचा सकती है।

सुप्रीम कोर्ट क्या कहता है?- सुप्रीम कोर्ट ने कई मामलों में स्पष्ट किया है कि तालाब, पोखर, झील और अन्य प्राकृतिक जलाशय सार्वजनिक संपत्ति हैं और इन्हें किसी भी हालत में निजी उपयोग या निर्माण के लिए परिवर्तित नहीं किया जा सकता। न्यायालय ने राज्यों और स्थानीय निकायों को निर्देश दिए हैं कि जलाशयों को अतिक्रमण मुक्त कर उनकी मूल स्थिति बहाल की जाए। पर्यावरण संरक्षण को लेकर सर्वोच्च न्यायालय लगातार यह दोहराता रहा है कि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण सरकार की संवैधानिक जिम्मेदारी है।

स्थानीय इतिहासकारों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं के अनुसार रायपुर में कभी दर्जनों प्रमुख तालाब और उनसे जुड़े जलमार्ग मौजूद थे। शहरी विस्तार के साथ कई तालाबों का आकार घटा, कुछ पूरी तरह पाट दिए गए और कई अपने मूल स्वरूप से दूर हो गए। रायपुर की पहचान उसके तालाबों से रही है, जिनके अवशेष आज भी शहर के विभिन्न हिस्सों में दिखाई देते हैं।

गंगानगर का बांधा तालाब केवल 8 एकड़ जमीन का टुकड़ा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की जल सुरक्षा से जुड़ा प्रश्न है। यदि आज अतिक्रमण नहीं रोका गया तो कल यह तालाब भी इतिहास का हिस्सा बन जाएगा। सवाल सिर्फ गंगानगर के एक तालाब का नहीं, बल्कि उस राजधानी का है जिसकी पहचान ही कभी तालाबों से हुआ करती थी। तालाब बचेंगे तो शहर बचेगा यह नारा अब पर्यावरणीय आवश्यकता बन चुका है।

संपादकीय

PPI की एंट्रीः महंगाई की निगरानी प्रणाली में बड़ा बदलाव

आयुषी कुमारी

भारत सरकार उत्पादक मूल्य सूचकांक (Producer Price Inde& - PPI) को लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ा रही है। यह पहल देश की महंगाई मापन व्यवस्था में एक बड़े बदलाव के रूप में देखी जा रही है। हालिया रिपोर्टों के अनुसार, सरकार 15 जून 2026 को नई PPI श्रृंखला जारी करने की तैयारी कर रही है। इसके साथ ही संशोधित थोक मूल्य सूचकांक (Wholesale Price Inde& - WPI) भी पेश किया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम भारत की बदलती आर्थिक संरचना को अधिक सटीक रूप से समझने और मापने में मदद करेगा।

पिछले कुछ दशकों में भारतीय अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय परिवर्तन हुए हैं। आज सेवा क्षेत्र देश के GDP में आधे से अधिक का योगदान देता है और आर्थिक गतिविधियों का प्रमुख आधार बन चुका है। ऐसे में केवल पारंपरिक महंगाई सूचकांकों के आधार पर मूल्य परिवर्तनों का आकलन करना पर्याप्त नहीं माना जा रहा। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (Consumer Price Inde& - CPI) और WPI लंबे समय से महंगाई मापने के महत्वपूर्ण उपकरण रहे हैं, लेकिन अर्थशास्त्रियों का मानना है कि ये आधुनिक भारतीय अर्थव्यवस्था की पूरी तस्वीर प्रस्तुत नहीं करते।

इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए PPI को विकसित किया गया है। यह सूचकांक उन कीमतों में होने वाले बदलावों को मापता है जो उत्पादकों और सेवा प्रदाताओं को उनके उत्पादों तथा सेवाओं के बदले प्राप्त होती हैं। सरल शब्दों में कहें तो यह अर्थव्यवस्था में मूल्य दबावों को उस स्तर पर पहचानने का प्रयास करता है जहां वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन होता है, न कि उस स्तर पर जहां उपभोक्ता उन्हें खरीदते हैं।

यहीं पर PPI और CPI के बीच का मूल अंतर सामने आता है। ष्टक्कु उन कीमतों को मापता है जो आम नागरिक रोजमर्रा की वस्तुओं और सेवाओं के लिए चुकाते हैं। दूसरी ओर, PPI उत्पादन और वितरण प्रक्रिया के शुरुआती चरणों में होने वाले मूल्य परिवर्तनों को दर्ज करता है। अक्सर कच्चे माल, ऊर्जा या परिवहन लागत में वृद्धि का प्रभाव कुछ समय बाद उपभोक्ता कीमतों पर दिखाई देता है। इस दृष्टि से PPI को महंगाई के शुरुआती संकेतों को पहचानने वाला एक महत्वपूर्ण आर्थिक सूचकांक माना जाता है।

PPI की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक इसका व्यापक दायरा है। वर्तमान WPI मुख्य रूप से वस्तुओं और कमोडिटी कीमतों पर केंद्रित है, जबकि प्रस्तावित PPI में सेवा क्षेत्र को भी शामिल किया जाएगा। बैंकिंग, बीमा, दूरसंचार, परिवहन, सूचना प्रौद्योगिकी तथा अन्य सेवाओं की बढ़ती भूमिका को देखते हुए यह बदलाव विशेष महत्व रखता है। इससे अर्थव्यवस्था में होने वाले मूल्य परिवर्तनों की अधिक व्यापक और यथार्थ तस्वीर सामने आने की उम्मीद है।

व्यापार और उद्योग जगत के लिए भी PPI एक उपयोगी उपकरण साबित हो सकता है। उत्पादन लागत, कच्चे माल की कीमतों, ऊर्जा व्यय और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े दबावों को समझने में यह सूचकांक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इससे उद्योगों को लागत संबंधी रुझानों का बेहतर आकलन करने में सहायता मिलेगी, जिससे मूल्य निर्धारण, निवेश और व्यावसायिक रणनीतियों से जुड़े निर्णय अधिक प्रभावी ढंग से लिए जा सकेंगे। नीति निर्माताओं के लिए भी यह परिवर्तन अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दुनिया की कई प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं उपभोक्ता स्तर की महंगाई के साथ-साथ उत्पादक स्तर की महंगाई पर भी नजर रखती हैं ताकि मूल्य वृद्धि के स्रोतों और उनके संभावित प्रभावों को बेहतर ढंग से समझा जा सके। भारत में PPI के उपयोग से उत्पादन स्तर पर उभर रहे मूल्य दबावों की पहचान पहले चरण में ही संभव हो सकती है, जिससे आर्थिक नीतियों को अधिक सटीक और प्रभावी बनाया जा सकेगा।

जहां तक आम उपभोक्ताओं का प्रश्न है, PPI लागू होने से वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में कोई तत्काल बदलाव नहीं आएगा। यह सूचकांक सीधे तौर पर कीमतें निर्धारित नहीं करता और न ही अपने आप महंगाई को बढ़ाता या घटाता है। हालांकि, यदि सरकार और आर्थिक संस्थान महंगाई के रुझानों को अधिक सटीकता से समझने में सफल होते हैं, तो बेहतर नीतिगत निर्णयों का लाभ लंबे समय में उपभोक्ताओं तक भी पहुंच सकता है। भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बदल रही है और उसके साथ आर्थिक आंकड़ों को मापने के तरीके भी विकसित होने की आवश्यकता है। PPI केवल एक नया सांख्यिकीय सूचकांक नहीं है, बल्कि यह भारतीय अर्थव्यवस्था को समझने और विश्लेषित करने की प्रक्रिया को अधिक आधुनिक और व्यापक बनाने की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। आने वाले वर्षों में यह सूचकांक महंगाई विश्लेषण, आर्थिक नीति निर्माण और व्यावसायिक निर्णय प्रक्रिया को अधिक सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

PPI क्या है?

* उत्पादक स्तर पर कीमतों में बदलाव को मापता है
* महंगाई के शुरुआती संकेतों की पहचान करता है
* वस्तुओं के साथ सेवा क्षेत्र को भी शामिल करेगा
* नीति निर्माण और आर्थिक विश्लेषण में मदद करेगा

Business Analyst | Vishwa Kesari
ayushivishwakesari@gmail.com

कोचिंग संस्कृति के चौराहे पर शिक्षा

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत में शिक्षा को सदियों से ज्ञान, संस्कार और सामाजिक परिवर्तन का माध्यम माना गया है। शिक्षक को समाज में विशेष सम्मान प्राप्त रहा है क्योंकि वह केवल विषय ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और चरित्र का निर्माण भी करता है। किंतु पिछले कुछ दशकों में शिक्षा के क्षेत्र में जो परिवर्तन हुए हैं, उन्होंने इस आदर्शवादी अवधारणा को काफी हद तक प्रभावित किया है। विशेष रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं की बढ़ती संख्या, सरकारी नौकरियों के प्रति आकर्षण और बेहतर करियर की दौड़ ने कोचिंग उद्योग को एक विशाल आर्थिक क्षेत्र में बदल दिया है। आज देश के अनेक शहरों में कोचिंग संस्थान शिक्षा व्यवस्था के समानांतर एक ऐसी व्यवस्था खड़ी कर चुके हैं, जिसका प्रभाव विद्यालयों, विद्यार्थियों, अभिभावकों और यहां तक कि नीतिनिर्माताओं तक पर दिखाई देता है।

हाल के वर्षों में सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के विस्तार ने इस प्रवृत्ति को और अधिक तीव्र बना दिया है। अनेक शिक्षक और कोचिंग संचालक यूट्यूब, इंस्टाग्राम तथा अन्य माध्यमों के जरिए लाखों विद्यार्थियों तक पहुँच रहे हैं। यह अपने आप में बुरा नहीं है। तकनीक ने शिक्षा को अधिक सुलभ बनाया है और दूरदराज़ के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण सामग्री उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब शिक्षा का उद्देश्य ज्ञानार्जन से हटकर व्यक्तिगत ब्रांड निर्माण, प्रचार और व्यावसायिक विस्तार तक सीमित हो जाता है।

हाल ही में एक चर्चित टीवी बहस में वरिष्ठ पत्रकार अंजना ओम कश्यप द्वारा एक यूट्यूबर शिक्षक पर किया गया तंज सोशल मीडिया पर व्यापक चर्चा का विषय बना। इस घटना को लेकर लोगों की राय अलग-अलग हो सकती है। कुछ लोग इसे पत्रकारिता की तीखी टिप्पणी मानते हैं तो कुछ इसे शिक्षकों के प्रति अनादर के रूप में देखते हैं। किंतु इस विवाद ने एक महत्वपूर्ण प्रश्न अवश्य खड़ा किया है—क्या शिक्षा का क्षेत्र अब अत्यधिक प्रचार और व्यवसायीकरण की ओर बढ़ चुका है? क्या विद्यार्थियों और अभिभावकों को प्रभावित करने के लिए एक ऐसा माहौल तैयार किया जा रहा है जिसमें कोचिंग को सफलता की अनिवार्य शर्त के रूप में प्रस्तुत किया जाता है?

वास्तविकता यह है कि आज अनेक अभिभावक यह मानने लगे हैं कि बिना कोचिंग के उनका बच्चा किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफल नहीं हो सकता। यह धारणा धीरे-धीरे इतनी गहरी हो गई है कि विद्यालयी शिक्षा की उपयोगिता पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगा है। कई परिवार अपनी आर्थिक स्थिति पर भारी बोझ डालकर बच्चों को महंगी कोचिंग में भेजते हैं। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों विद्यार्थी कोचिंग हब माने जाने वाले शहरों की ओर पलायन करते हैं। इस प्रक्रिया में परिवार की बचत, बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन सभी प्रभावित होते हैं।

यह स्थिति केवल विद्यार्थियों की मानसिकता का परिणाम नहीं है। इसके पीछे शिक्षा व्यवस्था की कुछ वास्तविक चुनौतियाँ भी हैं। विद्यालयों में पढ़ाया जाने वाला पाठ्यक्रम और प्रतियोगी परीक्षाओं की आवश्यकताओं के बीच अक्सर अंतर दिखाई देता है। कई प्रतियोगी परीक्षाएँ ऐसी हैं जिनमें विद्यालयी पाठ्यक्रम से बाहर के विषय, विशेष प्रकार की तार्किक क्षमता या परीक्षा-विशिष्ट रणनीतियाँ महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। परिणामस्वरूप विद्यार्थियों और अभिभावकों को लगता है कि केवल स्कूल की पढ़ाई पर्याप्त नहीं है। इस धारणा का लाभ कोचिंग उद्योग उठाता है और स्वयं को सफलता की कुंजी के रूप में प्रस्तुत करता है।

हालाँकि यह भी स्वीकार करना होगा कि सभी कोचिंग संस्थानों को एक ही दृष्टि से नहीं देखा जा सकता। अनेक संस्थान और शिक्षक ईमानदारी से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे विद्यार्थियों को अवसर दिए हैं जिन्हें अन्यथा बेहतर संसाधन उपलब्ध नहीं हो पाते। ऑनलाइन शिक्षा ने लाखों युवाओं तक कम लागत में अध्ययन सामग्री पहुँचाई है। इसलिए पूरे कोचिंग क्षेत्र को नकारात्मक रूप में चित्रित करना उचित नहीं होगा। समस्या उन प्रवृत्तियों से है जहाँ शिक्षा की जगह प्रचार, व्यक्तिपूजा और अवास्तविक दावे केंद्र में आ जाते हैं।

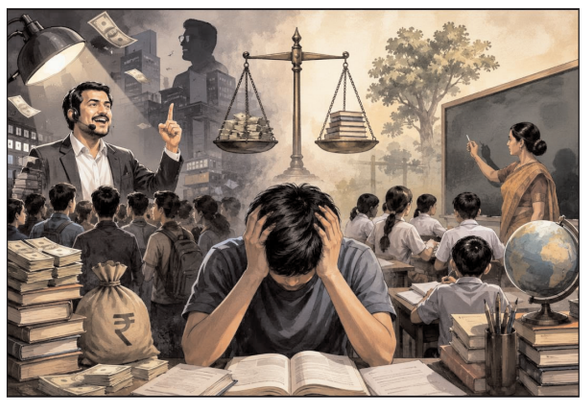

सोशल मीडिया के दौर में कुछ शिक्षकों ने स्वयं को ब्रांड के रूप में स्थापित कर लिया है। उनके वीडियो, पोस्ट और विज्ञापन लगातार विद्यार्थियों के सामने आते रहते हैं। सफलता की कहानियों को प्रमुखता से दिखाया जाता है, जबकि असफल विद्यार्थियों की संख्या पर चर्चा कम होती है। कई बार यह आभास दिया जाता है कि किसी विशेष शिक्षक या कोचिंग से जुड़ना ही सफलता की गारंटी है। जबकि वास्तविकता यह है कि किसी भी परीक्षा में सफलता अनेक कारकों पर निर्भर करती है—विद्यार्थी की मेहनत, पारिवारिक सहयोग, मानसिक स्थिति, अध्ययन संसाधन और समय प्रबंधन उनमें प्रमुख हैं।

एक अन्य चिंताजनक पहलू शिक्षा के क्षेत्र में व्यक्तिकेंद्रित संस्कृति का बढ़ना है। कुछ शिक्षक अपने विषय या संस्थान से अधिक स्वयं के प्रचार पर ध्यान देते दिखाई देते हैं। विशाल होर्डिंग, लगातार विज्ञापन, सोशल मीडिया अभियानों और व्यक्तिगत छवि निर्माण पर खर्च होने वाले संसाधन यह प्रश्न उठाते हैं कि शिक्षा का केंद्र विद्यार्थी है या शिक्षक का ब्रांड? शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान का प्रसार होना चाहिए, न कि व्यक्तित्व का अंधानुकरण।

हिंदी माध्यम और अंग्रेज़ी माध्यम की कोचिंग संस्कृति की तुलना भी चर्चा का विषय बनती रही है। यह धारणा अक्सर व्यक्त की जाती है कि हिंदी माध्यम में कुछ शिक्षक अत्यधिक प्रचार पर निर्भर रहते हैं, जबकि अंग्रेज़ी माध्यम में संस्थान अपेक्षाकृत संस्थागत पहचान को महत्व देते हैं। यद्यपि यह विभाजन पूर्णत: सही नहीं कहा जा सकता, फिर भी यह स्पष्ट है कि सोशल मीडिया के माध्यम से व्यक्तिगत ब्रांडिंग की प्रवृत्ति कुछ क्षेत्रों में अधिक दिखाई देती है। इसका प्रभाव विद्यार्थियों पर भी पड़ता है, जो विषयवस्तु की गुणवत्ता से अधिक लोकप्रियता और फॉलोअर्स की संख्या से प्रभावित होने लगते हैं।

इस पूरे परिदृश्य में सरकार और शिक्षा नियामकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। यदि विद्यालयी शिक्षा इतनी मजबूत हो कि प्रतियोगी परीक्षाओं की बुनियादी तैयारी वहीं से संभव हो सके, तो कोचिंग पर अत्यधिक निर्भरता स्वत: कम हो सकती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने विद्यालयी शिक्षा को अधिक कौशल आधारित और व्यावहारिक बनाने की दिशा में प्रयास किए हैं, किंतु इन सुधारों का प्रभाव व्यापक स्तर पर दिखाई देने में समय लगेगा। साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की संरचना, पाठ्यक्रम और मूल्यांकन प्रणाली में भी ऐसी पारदर्शिता और संतुलन होना चाहिए कि विद्यालयी अध्ययन और परीक्षा की अपेक्षाओं के बीच अनावश्यक अंतर न रहे।

अभिभावकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। उन्हें यह समझना होगा कि कोचिंग सफलता का एक साधन हो सकती है, लेकिन सफलता की एकमात्र शर्त नहीं। किसी भी संस्थान या शिक्षक के दावों को बिना जांचे-परखे स्वीकार करना उचित नहीं है।

विज्ञापन और वास्तविक परिणामों के बीच अंतर को समझना आवश्यक है। बच्चों पर अनावश्यक दबाव डालने के बजाय उनकी रुचि, क्षमता और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना अधिक महत्वपूर्ण है।

विद्यार्थियों को भी यह समझने की आवश्यकता है कि कोई भी शिक्षक, चाहे वह कितना ही लोकप्रिय क्यों न हो, उनकी मेहनत का विकल्प नहीं बन सकता। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ज्ञान प्राप्ति के उत्कृष्ट साधन हैं, लेकिन उनका उपयोग विवेकपूर्ण ढंग से किया जाना चाहिए। लोकप्रियता और गुणवत्ता हमेशा एक ही चीज़ नहीं होतीं। किसी शिक्षक या संस्थान का चयन उसके प्रचार के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी शैक्षणिक उपयोगिता, विषय विशेषज्ञता और विद्यार्थियों को मिलने वाले वास्तविक लाभ के आधार पर होना चाहिए।

अंतत: प्रश्न किसी एक पत्रकार, एक यूट्यूबर शिक्षक या किसी विशेष संस्थान का नहीं है। वास्तविक मुद्दा शिक्षा के बढ़ते बाजारीकरण और उस मानसिकता का है जिसमें सफलता को एक उत्पाद की तरह बेचा जाने लगा है। शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति को सोचने, समझने और समाज के प्रति उत्तरदायी बनाने का है। यदि यह उद्देश्य प्रचार, ब्रांडिंग और व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा की भीड़ में खो जाता है, तो इसका नुकसान केवल विद्यार्थियों को नहीं बल्कि पूरे समाज को उठाना पड़ेगा।

समय की आवश्यकता है कि शिक्षा को पुन: उसके मूल उद्देश्य से जोड़ा जाए।

विद्यालयों को मजबूत बनाया जाए, प्रतियोगी परीक्षाओं और पाठ्यक्रम के बीच संतुलन स्थापित किया जाए, कोचिंग संस्थानों के लिए पारदर्शी मानक बनाए जाएँ और विद्यार्थियों को यह विश्वास दिलाया जाए कि सफलता का सबसे बड़ा आधार उनकी अपनी मेहनत, अनुशासन और सीखने की क्षमता है। तभी शिक्षा वास्तव में राष्ट्र निर्माण का माध्यम बन सकेगी, न कि केवल एक लाभकारी व्यापार।

आत्मनिर्भर भारत का नया अध्याय रुद्रम-2

महेन्द्र तिवारी

भारत ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वह अब केवल सैन्य उपकरणों का आयात करने वाला राष्ट्र नहीं रहा, बल्कि अत्याधुनिक सैन्य तकनीक विकसित करने वाला एक प्रमुख देश बन चुका है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन जिसे हम डीआरडीओ के नाम से जानते हैं और भारतीय वायुसेना के संयुक्त प्रयासों ने देश के रक्षा इतिहास में एक बेहद गौरवशाली पन्ना जोड़ा है। हाल ही में हवा से जमीन पर मार करने वाली देश की सबसे आधुनिक एंटी रेडिएशन मिसाइल रुद्रम-2 का सफल परीक्षण किया गया है। यह परीक्षण ओडिशा के तट पर किया गया जहाँ भारतीय वायुसेना के अग्रिम पंक्ति के लड़ाकू विमान सुखोई-30 मार्क(वन) का उपयोग किया गया। परीक्षण पूरी तरह से अपने सभी मानकों पर खरा उतरा। इस दौरान मिसाइल की प्रोपल्शन प्रणाली, नियंत्रण तंत्र और इसकी गाइडेंस तकनीक ने एकदम सटीक तरीके से काम किया और अपने निर्धारित लक्ष्य को सफलतापूर्वक भेदा। यह सफलता केवल एक हथियार का परीक्षण नहीं है, बल्कि यह देश की सामरिक आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बहुत बड़ी छलांग है। वर्तमान समय में युद्ध का स्वरूप पूरी तरह से बदल चुका है। आज की सैन्य लड़ाइयाँ केवल सैनिकों की संख्या या टैंकों के बल पर नहीं जीती जाती हैं। आज का युद्ध मुख्य रूप से तकनीक, निगरानी क्षमता और रडार नेटवर्क पर निर्भर करता है। जिस देश का रडार नेटवर्क और हवाई रक्षा तंत्र जितना मजबूत होता है, वह युद्ध के मैदान में उतना ही अधिक हावी रहता है। इसी कारण से किसी भी सैन्य संघर्ष में सबसे पहली रणनीति दुश्मन की आंखों और कानों को यानी उसके रडार और संचार प्रणालियों को नष्ट करने की होती है। ऐसी परिस्थिति में रुद्रम-2 जैसी उच्च तकनीक वाली मिसाइलों का महत्व बहुत बढ़ जाता है। इस मिसाइल को विशेष रूप से दुश्मन के रडार, उसके वायु रक्षा तंत्र, संचार नेटवर्क और ऐसी किसी भी प्रणाली को नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है जो रेडियो फ्रीक्वेंसी उत्सर्जित करती है।

पारंपरिक मिसाइलें आमतौर पर किसी पूर्व निर्धारित लक्ष्य या स्थान पर हमला करती हैं, लेकिन एक एंटी रेडिएशन मिसाइल का काम करने का तरीका बिल्कुल अलग और बेहद जटिल होता है। यह मिसाइल दुश्मन के रडार या संचार उपकरणों से निकलने वाली इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगों को हवा में ही पकड़ लेती है। एक बार जब यह उन तरंगों को पहचान लेती है, तो यह उन्हीं संकेतों का पीछा करते हुए सीधा अपने लक्ष्य की ओर बढ़ती है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि अगर दुश्मन का रडार ऑपरेटर हमले की भनक लगते ही अपना रडार बंद भी कर दे, ताकि मिसाइल को संकेत मिलना बंद हो जाएं, तब भी यह मिसाइल दिशा नहीं भटकती। इसके भीतर एक ऐसी उन्नत प्रणाली लगी है जो रडार के अंतिम सक्रिय स्थान को अपनी मेमोरी में दर्ज कर लेती है और रडार बंद होने के बावजूद उसी स्थान पर जाकर भारी तबाही मचाती है। मिसाइल की यही खूबी इसे दुनिया के सबसे घातक हथियारों की श्रेणी में लाकर खड़ा कर देती है।

रुद्रम-2 की एक और सबसे बड़ी ताकत इसकी मारक क्षमता और गति है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह मिसाइल लगभग 300 किलोमीटर की दूरी से अपने लक्ष्य को भेद सकती है। इसके साथ ही इसकी गति मैक 5.5 तक पहुंच सकती है, जिसका मतलब है कि यह ध्वनि की गति से साढ़े पांच गुना अधिक तेजी से उड़ान भरती है। इतनी अधिक गति के कारण दुश्मन के पास इससे बचने या जवाबी कार्रवाई करने का कोई समय नहीं बचता।

300 किलोमीटर की लंबी रेंज का सबसे बड़ा फायदा यह है कि भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों को दुश्मन के रडार को नष्ट करने के लिए उसकी सीमा में बहुत अंदर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

बोध कथा

संवेदनशीलता और सही दिशा

एक समय की बात है, एक गांव में अर्जुन नामक एक युवक रहता था। वह बड़ा ही समझदार और परिश्रमी था, लेकिन उसके जीवन में कुछ ऐसी चीजें थीं जो हमेशा उसकी हार का कारण बनती थीं। अर्जुन का सपना था कि वह अमीर बनें, लेकिन हमेशा कुछ ना कुछ कामयाबी की राह में रुकावटें आती रहीं। एक दिन, अर्जुन अपने दोस्त सुरेश के साथ गांव के पंचायत भवन में गया। वहां उन्होंने सुना कि एक महान योगी गांव के पास आ रहे हैं और वह सभी जीवों के कर्मों को जान सकते हैं। अर्जुन ने दोस्त सुरेश के साथ तय किया कि वे इस योगी के पास जाकर अपने कर्मों के बारे में जानने का प्रयास करेंगे। योगी के पास पहुँचकर, अर्जुन और सुरेश ने उनकी आज्ञाओं का पालन किया और उनके सामने बैठे। योगी ने दोनों के कर्मों को जानने का प्रयास किया और बताया कि उनके कर्मों के बल पर ही उनकी समस्याओं का समाधान हो सकता है। अर्जुन ने सबसे पहले योगी को अपने कई सारे परिश्रमों के बारे में बताया। उसने कहा कि वह हमेशा परिश्रम करता है, लेकिन फिर भी उसका सपना पूरा नहीं हो पाता। योगी ने उसके कर्मों को देखकर बताया कि उसने तो परिश्रम किया, लेकिन उसके कर्मों में संवेदनशीलता और सही दिशा नहीं दी। उसने कहा कि अगर वह अपने कर्मों को सही दिशा में ले जाता तो उसका सपना पूरा हो सकता था। अर्जुन ने इसे सबसे गहराई से समझने की कोशिश की, और योगी के संदेश को समझकर उसने अपने कर्मों में सुधार करने का निर्णय लिया। उसने योगी से सीखा कि कर्मों को न केवल बिना उम्मीद के किया जाना चाहिए, बल्कि उन्हें सही दिशा में करने की भी आवश्यकता होती है। अर्जुन ने योगी की सीखों का पालन किया और अपने कर्मों में संवेदनशीलता और सही दिशा देने लगा। उसके कर्मों में सुधार होता गया और वह अपने सपने की ओर बढ़ता गया।

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

काट खाया मच्छरों ने

अशोक मतवाला

'शहर में अजीब-सा सन्नाटा था। न मच्छर काट रहे थे, न नेता भाषण दे रहे थे — दोनों ही घटनाएँ अपने-आप में संदेह पैदा करने वाली थीं। लोग घबराए हुए थे कि कहीं यह अच्छे दिनों का कोई ट्रेलर तो नहीं।

मच्छरों ने अचानक सामूहिक हड़ताल कर दी थी। कारण पूछा गया तो बोले — 'हम तो खून चूसते हैं, पर यहाँ तो सब एक-दूसरे का पहले ही चूस चुके हैं। अब हम किस पर अभ्यास करें?'

सरकारी विभाग ने तुरंत एक मच्छर-पुनर्वास योजना शुरू कर दी। कहा गया कि मच्छरों को वापस काटने के लिए प्रेरित किया जाएगा, क्योंकि काटना भी एक सांस्कृतिक विरासत है।

एक अधिकारी ने गर्व से कहा — 'हमारे शहर के मच्छर दुनिया में सबसे मेहनती थे। अब ये भी बेरोज़गार हो गए हैं। यह राष्ट्रीय शर्म है।'

उधर पत्थरों ने गीत गाना शुरू कर दिया था। पहले तो लोगों ने सोचा कि यह कोई नया रियलिटी शो है — 'इंडिया रॉक्स सिंगिंग स्टार' — पर बाद में पता चला कि पत्थर सचमुच गा रहे हैं।

कारण बड़ा सरल था: 'जब इंसान चुप हो जाए, तो पत्थरों को ही बोलना पड़ता है।' एक पत्थर ने गाते-गाते इंटरव्यू भी दे दिया — 'हम तो सदियों से चुप थे। पर अब जो हो रहा है, उस पर चुप रहना भी पाप है। इसलिए हमने सुर लगा दिए।'

शहर के बुद्धिजीवी इस घटना से बेहद आहत थे। उनका कहना था कि पत्थरों का गाना उनकी बौद्धिक बेरोज़गारी पर सीधा हमला है।

एक वरिष्ठ चिंतक ने कहा — 'हमारा काम था बोलना, लिखना, चिल्लाना। अब पत्थर ही सब करने लगेंगे तो हम क्या करेंगे? ट्वीट? 'इसी बीच नगर निगम ने एक आपात बैठक बुलाई। एजेंडा था —मच्छरों को वापस काटने के लिए प्रेरित करना! पत्थरों को चुप कराने के लिए सांस्कृतिक आयोग बनाना। जनता को समझाना कि यह सब सामान्य है। बैठक में तय हुआ कि मच्छरों को मुफ्त वाई-फाई दिया जाएगा ताकि वे वापस शहर में लौटें।

पत्थरों को चुप कराने के लिए उन पर पोस्टर चिपकाने का प्रस्ताव रखा गया —

'जब पत्थर ढक दिए जाएँगे, तो गाएँगे कैसे? 'लेकिन पत्थर भी कम नहीं थे।

उन्होंने पोस्टरों को अपनी नई एल्बम कवर घोषित कर दिया। अब वे और जोश में गाने लगे — 'हम पत्थर हैं, पर दिल वाले हैं...

जनता इस तमाशे को देखकर हैरान थी, पर परेशान नहीं। उन्हें तो वैसे भी हर चीज़ की आदत है — कभी बिजली गाती है, कभी पानी रोता है, कभी सड़कें करवट बदलती हैं।

अब पत्थर गा रहे हैं तो क्या बड़ी बात है।और मच्छर?

वे अभी भी हड़ताल पर हैं। कहते हैं —

'जब तक इंसान इंसान को काटना बंद नहीं करेगा, हम काम पर नहीं लौटेंगे।

इतिहास

3 जून को इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाएं दर्ज हैं 2006 में आज ही के दिन मोंटेनेग्रो ने सर्बिया से अलग होकर अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की थी?वहीं, 1965 में एड व्हाइट अंतरिक्ष में टहलने वाले पहले अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री बने थे3 जून की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएं2006: मोंटेनेग्रो की संसद ने सर्बिया के साथ 88 साल पुराने संघ को तोड़ते हुए अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की1998: जर्मनी के एशेडे में एक हाई-स्पीड ट्रेन के पटरी से उतरकर पुल से टकराने से हुए भीषण हादसे में 101 लोगों की मौत हो गई थी, जो इतिहास की सबसे घातक हाई-स्पीड ट्रेन दुर्घटनाओं में से एक है?1965: अंतरिक्ष यान 'जेमिनी 4' से बाहर निकलकर, एड व्हाइट अंतरिक्ष में टहलने वाले पहले अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री बने1947: भारत के विभाजन और स्वतंत्रता के लिए ब्रिटिश सरकार द्वारा 'माउंटबेटन योजना' की आधिकारिक घोषणा की गई थी।

संक्षिप्त खबरें

महिला बंदी की जेल मे मौत, सुरक्षा पर उठे सवाल

जगदलपुर। जगदलपुर स्थित केंद्रीय जेल में एक महिला बंदी की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने जेल प्रशासन की सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। दरभा क्षेत्र के चितापुर गांव की रहने वाली जयमती बघेल ने रविवार तड़के कथित तौर पर अपनी चुन्नी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद जेल प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। जानकारी के मुताबिक जयमती बघेल करीब दो महीने पहले अपने ही चाचा की हत्या के आरोप में न्यायिक हिरासत में केंद्रीय जेल भेजी गई थी। बताया जा रहा है कि मृतका का चाचा लंबे समय से उसके साथ छेड़छाड़ करता था। लगातार प्रताड़ना और मानसिक तनाव से परेशान होकर उसने आवेश में आकर अपने चाचा की हत्या कर दी थी। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया था।

हाई सिक्योरिटी जेल में आत्महत्या कैसे ?

घटना के बाद सबसे बड़ा सवाल केंद्रीय जेल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उठ रहा है। केंद्रीय जेल जैसी हाई सिक्योरिटी जेलों में बंदियों की नियमित निगरानी, सुरक्षा जांच और समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था होती है। ऐसे में एक महिला बंदी का फांसी लगाकर आत्महत्या कर लेना कई सवालों को जन्म दे रहा है।

बुजुर्ग दंपति की नृशंस हत्या

सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले से डबल मर्डर का सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां बुजुर्ग दंपति की बेरहमी से हत्या कर दी गई। आरोपी ने दोनों के सिर पर वार कर घटना को अंजाम दिया। डबल मर्डर की सूचना के बाद मौके पर जिले के एसपी प्रफुल्ल ठाकुर, डॉग स्क्वायड और एफएसल की टीम पहुंची। घटना की जांच की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, घटना मालखरौदा क्षेत्र के संदुरस गांव की है। मृतक बुजुर्ग दंपति पुरूषोत्तम खूंटे 70 वर्ष अपनी पत्नी गोहारिन बाई 55 वर्ष के साथ घर में रहता था। सुबह से जब घर के अंदर से किसी तरह की कोई हलचल पड़ोसियों को सुनाई नहीं दी तो उन्होंने घर के अंदर जाकर देखा। इस दौरान कमरे में दोनों बुजुर्ग दंपति का शव खून से लथपथ हालत में पड़ा हुआ था।

ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना मालखरौदा पुलिस को दी। एसपी प्रफुल्ल ठाकुर, डॉग स्क्वायड और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची। इस दौरान पति-पत्नी का शव खून से लथपथ हालत में पड़ा हुआ था। जांच में पता चला है कि आरोपी ने दोनों की हत्या किसी वजनदार वस्तु से सिर कुचलकर की। पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। फिलहाल हमलावर कौन थे? और क्यों बुजुर्ग दंपति की हत्या की गई? इसका खुलासा अभी नहीं हो पाया है।

सुशासन तिहार 2026 : लोहिया चौक महासमुंद में लगा समाधान शिविर

महासमुंद। प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार के अंतर्गत आज नगर पालिका महासमुंद शहरी क्षेत्र में लोहिया चौक शेड वार्ड क्रमांक 20 में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में महासमुंद विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा शामिल हुए। शिविर में पूर्व विधायक डॉ. विमल चोपड़ा, नगरपालिका उपाध्यक्ष देवीचंद राठी, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष पवन पटेल, स्थानीय पार्षदगण सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में विधायक एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न विभागों के स्टॉलों का अवलोकन कर प्राप्त आवेदनों एवं उनके निराकरण की स्थिति की जानकारी ली गई। विधायक श्री सिन्हा ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। शिविर में वार्ड क्रमांक 01, 12, 13, 14, 16, 19, 20, 21, 22 एवं वार्ड क्रमांक 23 तक के नागरिकों की मांग एवं समस्याओं का समाधान किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, पूर्व राज्य मंत्री पूनम चंद्राकर द्वारा भी स्टॉल का अवलोकन कर नागरिकों से समस्याओं के बारे में जानकारी ली गई। समाधान शिविर को संबोधित करते हुए विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में शासकीय योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है और क्षेत्र के समग्र विकास के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं है।

8 करोड़ का लोन सुप्रीम कोर्ट ने रद्द की सीबीआई की एफआईआर, कारोबारी को मिली बड़ी राहत

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के एक कारोबारी को कथित बैंक धोखाधड़ी मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने न केवल सीबीआई की एफआईआर और चार्जशीट को रद्द कर दिया, बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया कि बैंक और कर्जदार के बीच आपसी सहमति से विवाद का निपटारा हो जाने के बाद आपराधिक मुकदमा चलाना न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग माना जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद बैंकिंग और कारोबारी जगत में इसकी व्यापक चर्चा हो रही है। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुयान की खंडपीठ ने कारोबारी विजय कुमार केला की अपील स्वीकार करते हुए उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर, सीबीआई की चार्जशीट और निचली अदालत की कार्यवाही को निरस्त कर दिया। मामला रायपुर निवासी कारोबारी विजय कुमार केला और उनकी फर्म मेसर्स मोहन ट्रेडर्स से जुड़ा है। जानकारी के अनुसार, फर्म का संचालन उनके बड़े भाई स्वर्गीय परमानंद केला करते थे। फर्म ने यूको बैंक से ऋण लिया था, जिसकी राशि वर्ष 2009 तक बढ़कर लगभग 8 करोड़ रुपये हो गई थी। ऋण के बदले रायपुर स्थित अमलीडीह और बोरियाखुर्द की संपत्तियां गिरवी रखी गई थीं।

बताया गया कि नवंबर 2009 में परमानंद केला के निधन के बाद कारोबार प्रभावित हुआ और ऋण की किश्तें जमा नहीं हो सकीं। इसके बाद बैंक ने वर्ष 2010 में खाते को एनपीए घोषित कर दिया और वसूली के लिए डेब्ट्स रिकवरी ट्रिब्यूनल (डीआरटी) में मामला दायर किया।

मामला लंबित रहने के दौरान दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ और 6.49 करोड़ रुपये की बकाया राशि के बदले 4.25 करोड़ रुपये में फुल एंड फाइनल सेटलमेंट तय हो गया। इस समझौते को डीआरटी की स्वीकृति भी मिल गई और विवाद का निपटारा हो गया। लेकिन इसके करीब ढाई साल बाद यूको बैंक के जोनल हेड ने सीबीआई में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में आरोप लगाया गया कि लोन सीमा बढ़वाने के लिए कथित तौर पर फर्जी ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी और बैंक के पास गिरवी रखी गई संपत्तियों के संबंध में अनियमितताएं की गई थीं। इसके आधार पर सीबीआई ने एफआईआर दर्ज कर चार्जशीट पेश कर दी थी। कारोबारी ने पहले छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में राहत की मांग की, लेकिन वहां से राहत नहीं मिलने पर मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा।

विधायक रामकुमार टोप्पो के दो समर्थकों ने किया सरेंडर

सरगुजा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा के सीतापुर भाजपा विधायक रामकुमार टोप्पो और उनके समर्थकों द्वारा नायब तहसीलदार से मारपीट मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है, विधायक के दो समर्थक पंकज गुप्ता और नाजिम रजा ने सीतापुर थाने में जाकर सरेंडर कर दिया है। आपको बता दें कि इस मामले में विधायक और समर्थकों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदेशभर के राजस्व अधिकारी-कर्मचारी तीन दिनों से हड़ताल पर है। मामले में कोतवाली पुलिस ने विधायक रामकुमार टोप्पो, यूसुफ, नाजिम राजा और पंकज गुप्ता समेत 10 लोगों के खिलाफ BNS की धारा 221, 221(1), 132 और 191(2) के तहत मामला दर्ज किया है। गौरतलब है कि, 27 मई को विधायक रामकुमार टोप्पो और नायब तहसीलदार तुषार मानिक के बीच विवाद हुआ था। शिकायत के मुताबिक, राजापुर उप-तहसील के नायब तहसीलदार तुषार मानिक के अनुसार सीतापुर के विधायक रामकुमार टोप्पो और उनके समर्थकों ने उनके साथ मारपीट की। पिटाई से नायब तहसीलदार के चेहरे पर चोट आई है। इस घटना के बाद दोनों पक्षों की शिकायत दर्ज कर लगी गई है। कोतवाली पुलिस ने विधायक रामकुमार टोप्पो, यूसुफ, नाजिम राजा और पंकज गुप्ता समेत 10 लोगों के खिलाफ BNS की धारा 221, 221(1), 132 और 191(2) के तहत मामला दर्ज किया है।

अवैध रेत उत्खनन पर वन विभाग की बड़ी कार्रवाई

मुंगेली । कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार जिले में खनिजों के अवैध खनन, परिवहन आदि गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में वन विभाग को प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर मुंगेली वनमंडल के खुड़िया वन परिक्षेत्र अंतर्गत बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रेत उत्खनन में संलिप्त 05 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किए गए हैं। वनमंडलाधिकारी श्री अभिनव कुमार के निर्देशानुसार खुड़िया परिक्षेत्र के वन अमले ने त्वरित कार्रवाई करते हुए भूतकछार परिसर के बीट क्रमांक 487 आर.एफ. क्षेत्र में दबिश दी। निरीक्षण के दौरान वन क्षेत्र में अवैध रूप से रेत उत्खनन एवं परिवहन करते हुए 05 ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़े गए, जिन्हें मौके पर ही जब्त कर लिया गया। वन विभाग द्वारा संबंधित वाहन मालिकों एवं संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध वन अपराध प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। वनमंडलाधिकारी ने कहा कि कि संरक्षित वन क्षेत्रों में किसी भी प्रकार का अवैध उत्खनन, परिवहन अथवा प्राकृतिक संसाधनों का दोहन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जिला अस्पताल में ब्लड नहीं मिलने से युवती की मौत पर कलेक्टर ने बनाई जांच कमेटी

कांग्रेस और एबीवीपी ने की दोषियों पर कार्रवाई की मांग

दुर्ग। जिला अस्पताल दुर्ग में डॉक्टरों की बड़ी लापरवाही सामने आई है, जहां इलाज के दौरान ब्लड नहीं मिलने से सिकलसेल से पीड़ित युवती की मौत हो गई थी। अब इस मामले में राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष और पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल ने मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देने एवं मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार स्टाफ पर कार्रवाई की मांग की है। वहीं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के युवाओं ने भी सिविल सर्जन के केबिन में पहुंचकर जमकर नारेबाजी की और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।

एबीवीपी के पदाधिकारियों ने अपर कलेक्टर योगिता देवांगन और सीएमएचओ मानोज दानी की उपस्थिति में सिविल सर्जन अशीशन मिंज से इस्तीफे की मांग की। वहीं एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने शिकायत पत्र देकर कहा है कि जल्द जांच रिपोर्ट के बाद जिम्मेदारों पर कार्रवाई नहीं की गई तो वे आने वाले समय में अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ आंदोलन करने मजबूर होंगे। इस मामले पर राजनीति गरमाने के बाद कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देश पर जांच कमेटी बनाई गई है। अपर कलेक्टर योगिता देवांगन और सीएमएचओ दुर्ग मनोज दानी इस पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर कलेक्टर आगे की कार्रवाई करेंगे।

पूरी घटना एक जून की है, जहां दीपिका के परिजनों ने उन्हें सिकलसेल बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती कराया था। डॉक्टरों ने युवती को ब्लड चढ़ाने की बात की और उन्हें डोनर की तलाश करने कहा, लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर परिजन डोनर की तलाश नहीं कर पाए। वहीं ब्लड उपलब्ध नहीं होने के कारण दीपिका की मौत हो गई। परिजनों के अनुसार अस्पताल के डॉक्टरों ने ब्लड चढ़ाने की बात कही, लेकिन ब्लड डिपार्टमेंट ने ब्लड देने से मना कर दिया। जिला अस्साल में ब्लड उपलब्ध नहीं कराए जाने के कारण दीपिका की मौत हो गई।

नैनो उर्वरकों के संतुलित उपयोग से धान के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि

कांकेर । किसानों के लिए सामान्य खाद के स्थान पर नैनो खाद वरदान बन गई है। इसके उपयोग से प्रति एकड़ रकबे में कम लागत में बेहतर फसल का उत्पादन हो रहा है। जिले के कांकेर ब्लॉक के ग्राम कोटगांवनीचे के प्रगतिशील कृषक श्री अघन सिंह दर्रो ने आधुनिक कृषि अपनाकर क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है। कृषि विभाग की सलाह पर इस वर्ष उन्होंने अपने धान की फसल में पारंपरिक उर्वरकों के साथ नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी का संतुलित उपयोग किया, जिसके अत्यंत सकारात्मक और अनुकूल परिणाम प्राप्त हुए।

धान की रोपाई से पूर्व अघन सिंह दर्रो ने पौधों की जड़ों (रोपा) का नैनो डीएपी घोल से उपचार किया। इस तकनीक से पौधों की जड़ों का विकास मजबूत एवं गहरा हुआ, जिससे फसल को प्रारंभ से ही बेहतर पोषण एवं मजबूती मिली। फसल में कुल 100 किलोग्राम नाइट्रोजन आवश्यकता की पूर्ति हेतु उन्होंने दानेदार यूरिया की मात्रा में 50 प्रतिशत की कमी की। शेष नाइट्रोजन की पूर्ति के लिए फसल की अवस्था 40 से 45 दिनों पर नैनो यूरिया का पर्णीय छिड़काव किया गया, जिससे फसल की वानस्पतिक वृद्धि में उल्लेखनीय सुधार हुआ। साथ ही अधिक संख्या में कल्ले निकले तथा पौधों का तना मजबूत बना और फसल अंत तक स्वस्थ एवं हरी-भरी बनी रही। इससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होने से खेती की लागत में कमी आई तथा पिछले खरीफ वर्ष की तुलना में लगभग 10 प्रतिशत अधिक उत्पादन प्राप्त हुआ।

कृषक ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वह पहले केवल सामान्य उर्वरकों पर निर्भर थे, जिससे लागत अधिक आती थी। इस बार कृषि विभाग की सलाह पर रोपाई से पहले रोपा का नैनो डीएपी से उपचार किया तथा बाद में नैनो यूरिया का भी छिड़काव किया।

11 हाथियों के दल ने मचाया उत्पात, किसानों की फसल और संपत्ति को पहुंचा नुकसान

कटघोरा/कोरबा। कटघोरा वनमंडल के जड़गा रेंज अंतर्गत बासीन सेक्टर के खाड़ीपारा क्षेत्र में देर रात 11 हाथियों के दल ने जमकर उत्पात मचाया। हाथियों ने दो किसानों की खड़ी फसल और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और नुकसान का जायजा लिया।

हाथियों का दल जंगल से निकलकर खाड़ीपारा गांव के समीप पहुंचा और खेतों में लगी फसलों को रौंदते हुए किसानों की संपत्ति को भी क्षति पहुंचाई। हाथियों के गांव की ओर बढ़ने की सूचना मिलते ही ग्रामीण सतर्क हो गए और सुरक्षित स्थानों पर चले गए। कुछ समय तक क्षेत्र में विचरण करने के बाद हाथियों का दल वापस जड़गा के जंगल की ओर लौट गया।

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रभावित किसानों को नियमानुसार मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। विभागीय अमला नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट तैयार कर रहा है ताकि शीघ्र सहायता राशि उपलब्ध कराई जा सके।

वन विभाग के अनुसार जड़गा रेंज में वर्तमान में अलग-अलग झुंडों में कुल 45 हाथियों की मौजूदगी दर्ज की गई है। हाथियों की लगातार गतिविधियों को देखते हुए विभाग द्वारा विशेष निगरानी रखी जा रही है। वनकर्मी ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार मुनादी कर लोगों को सतर्क रहने, रात के समय जंगल और हाथियों के संभावित मार्गों से दूर रहने तथा किसी भी गतिविधि की सूचना तत्काल वन विभाग को देने की अपील कर रहे हैं।

क्षेत्र में हाथियों की बढ़ती आवाजाही के कारण मानव-वन्यजीव संघर्ष की आशंका बनी हुई है। ऐसे में वन विभाग ने ग्रामीणों से सावधानी बरतने और हाथियों के नजदीक जाने से बचने की सलाह दी है। विभाग का कहना है कि हाथियों की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

दंतेवाड़ा-बीजापुर-मनेंद्रगढ़ में गिरी बिजली, 3 महिलाओं की मौत:छत्तीसगढ़ में अगले 5 दिन बारिश की संभावना

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 5 दिनों तक अलग-अलग जगहों पर गरज-चमक, तेज हवाओं (50-60 किमी रफ्तार) और हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है।

प्रदेश में पिछले 24 घंटे में अलग-अलग जिले में बिजली गिरने की घटना हुई है, जिनमें 3 महिलाओं की मौत हुई है। दंतेवाड़ा में 12 ग्रामीण इसकी चपेट में आ गए थे, बीजापुर में बाहर काम कर रही महिलाएं चपेट में आई। मनेंद्रगढ़ में मजदूरी काम में लगी महिलाओं पर आकाशीय बिजली गिरी थी।

बीजापुर में महिला पर गिरी बिजली

बीजापुर के उसूर विकासखंड के पेरमपल्ली गांव में मंगलवार (2 जून) शाम करीब 4 बजे घर के बाहर काम कर रही महिला कलमू मल्ली (50 वर्ष) पर बिजली गिरी, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

वहीं आंधी-तूफान के कारण उसूर के थानापारा में पांच मकानों की शीटें उड़ गईं, जिससे यहां रहने वाला परिवार अब तिरपाल के नीचे रहने को मजबूर हैं।

दंतेवाड़ा में 12 ग्रामीण चपेट में आए

दंतेवाड़ा जिले के चंदेनार इलाके में चल रहे जात्रा (मेला) में मंगलवार शाम बिजली गिरने से 12 ग्रामीण इसकी चपेट में आ गए। इनमें से एक महिला की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मनेंद्रगढ़ में 6 महिलाएं चपेट में आई

एमसीबी जिले के भरतपुर विकासखंड के ग्राम चरखर में मंगलवार शाम बिजली गिरने से महिला मजदूर की मौत हो गई। इस घटना में 5 अन्य महिलाएं घायल हुई हैं।यह हादसा उस समय हुआ, जब चरखर गांव में डैम निर्माण कार्य चल रहा था। जानकारी के अनुसार, लगभग 58 मजदूर कार्यस्थल पर मौजूद थे।

पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के तापमान में कोई बड़ा उलटफेर दर्ज नहीं किया गया। इस दौरान सबसे ज्यादा तापमान 41 डिग्री सेल्सियस राजनांदगांव में रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे कम तापमान 23.6 डिग्री सेल्सियस पेंड्रा रोड में दर्ज हुआ। वहीं, सुकमा जिले में 2 सेंटीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई है।

दो दिन 50-60 किमी रफ्तार से हवा चलेगी

अगले दो दिनों के दौरान भी प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इस दौरान कुछ जगहों पर गरज-चमक के साथ 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

नीट पेपर लीक, एनएसयूआई कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज

बिलासपुर। नीट परीक्षा पेपर लीक मामले में बिलासपुर में एनएसयूआई ने विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता सांसद और केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू के निवास का घेराव करने के लिए निकले। पुलिस ने सांसद बंगले से काफी पहले ही मजबूत बैरिकेडिंग कर रखी थी। कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड्स तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश की।

इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई। इसमें भिलाई विधायक देवेंद्र यादव का कुर्ता फट गया। उग्र होती भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को वाटर कैनन (पानी की बौछार) का इस्तेमाल करना पड़ा।

प्रदर्शन के समापन से पहले नेता और कार्यकर्ता कलेक्टर ऑफिस की ओर बढ़ने लगे। उन्हें रोकने पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। 12 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिन्हें मुचलके पर छोड़ा गया है।

वहीं लाठीचार्ज में 6 से ज्यादा कार्यकर्ता घायल हुए हैं। घायलों को सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इधर, सिविल लाइन सीएसपी निमितेश सिंह ने बताया कि प्रदर्शन के दौरान धक्कामुक्की में कई पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं, जिनका इलाज कराया जा रहा है।

इस मामले पर भाजपा विधायक सुशांत शुक्ला ने कहा कि यूथ कांग्रेस यानी गुंडों की टोली। ये नैतिकता बताने निकले हैं।

वैश्विक तनाव के बीच कीमती धातुओं में गिरावट; चांदी 1,300 रुपए फिसली

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव का असर वैश्विक कमोडिटी बाजारों पर भी देखने को मिल रहा है। बुधवार के कारोबारी सत्र में घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई।

हालांकि एमसीएक्स पर अगस्त डिलीवरी वाला सोना अपने पिछले बंद भाव 1,59,346 रुपए से 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,59,447 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। वहीं जुलाई वायदा चांदी 0.01 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 2,66,668 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुली।

वहीं खबर लिखे जाने तक (सुबह 11:36 बजे के करीब) 5 अगस्त कॉन्ट्रैक्ट वाला सोना 0.24 प्रतिशत यानी 390 रुपए की गिरावट के साथ 1,58,956 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था, तो वहीं दूसरी ओर 3 जुलाई कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी 0.49 प्रतिशत यानी 1,307 रुपए की गिरावट के साथ 2,65,400 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। अमेरिका-ईरान संघर्ष के और तेज होने से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है, जिससे महंगाई बढ़ने और ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंची बने रहने की आशंका बढ़ गई है। इसी वजह से निवेशकों का रुझान सोने की ओर सीमित रहा।

स्पॉट गोल्ड 0.2 प्रतिशत गिरकर 4,476.50 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया, जबकि अगस्त डिलीवरी वाले अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स में 0.3 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 4,504.40 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा। स्पॉट सिल्वर भी 0.5 प्रतिशत टूटकर 74.73 डॉलर प्रति औंस पर आ गई।

विशेषज्ञों का मानना है कि पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण निवेशक सतर्क बने हुए हैं।

पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। अमेरिकी सेना के अनुसार, ईरान की ओर से बहरीन, कुवैत और अन्य क्षेत्रीय ठिकानों पर मिसाइल हमलों की कोशिश की गई, जिन्हें या तो विफल कर दिया गया या वे सफल नहीं हो सके। वहीं वॉशिंगटन और तेहरान के बीच चल रही कूटनीतिक बातचीत में भी कोई ठोस प्रगति नहीं दिखाई दे रही है।

इस बीच कच्चे तेल की कीमतों में 1 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई है, जिससे वैश्विक स्तर पर महंगाई और संभावित ब्याज दर बढ़ोतरी की चिंताएं और गहरा गई हैं। एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर के अनुसार, एमसीएक्स गोल्ड ने मजबूत शुरुआत की है और फिलहाल 1,59,000 रुपए के ऊपर बना हुआ है। यह बाजार में सकारात्मक रुझान का संकेत देता है।

उनका कहना है कि यदि सोना 1,60,000 रुपए के स्तर को मजबूती से पार कर लेता है तो इसमें और तेजी देखने को मिल सकती है और भाव 1,62,000 से 1,63,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकते हैं। वहीं नीचे की ओर 1,59,000 रुपए तत्काल सपोर्ट का काम करेगा। यदि यह स्तर टूटता है तो कीमतें 1,58,400 से 1,58,000 रुपए तक फिसल सकती हैं।

नए कारोबार में वृद्धि के चलते मई में भारत के सेवा क्षेत्र में मजबूत बढ़त, पीएमआई बढ़कर 59.8 पर पहुंचा

नई दिल्ली। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई के बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, माल ढुलाई (फ्रेट), डिजिटल सेवाओं, ई-कॉमर्स, मनोरंजन और आईटी सेवाओं की बढ़ती मांग के कारण नए कारोबार (न्यू बिजनेस) में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई, जिसके चलते भारत के सेवा क्षेत्र (सर्विस सेक्टर) का परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) मई में बढ़कर 59.8 पर पहुंच गया, जो अप्रैल में 58.8 था।

नए ऑर्डर बढ़ने के कारण कंपनियों ने अपनी कारोबारी गतिविधियों को और तेज किया। इसके साथ ही सेवा क्षेत्र की कंपनियों ने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाना भी जारी रखा, जिससे रोजगार के अवसरों में वृद्धि देखने को मिली।

पीएमआई रिपोर्ट के अनुसार, भारत के सेवा क्षेत्र में लागत का दबाव अभी भी ऐतिहासिक रूप से ऊंचे स्तर पर बना हुआ है, लेकिन मई में इसमें कमी आई और यह पिछले चार महीनों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया।

इससे कंपनियों को अपनी सेवाओं की कीमतों में केवल सीमित बढ़ोतरी करने की जरूरत पड़ी। मई में कीमतों में बढ़ोतरी की रफ्तार जनवरी के बाद सबसे धीमी रही। एचएसबीसी की चीफ इंडिया इकोनॉमिस्ट प्रांजुल भंडारी ने कहा कि मई में भारत के सेवा क्षेत्र में कारोबारी गतिविधियों का विस्तार जारी रहा, जिसे नए कारोबार में लगातार बढ़ोतरी का समर्थन मिला।

उन्होंने बताया कि भारत से प्रदान की जाने वाली सेवाओं की विदेशी मांग (एक्सटर्नल डिमांड) भी तेज हुई। अप्रैल में आई गिरावट के बाद निर्यात आधारित सेवाओं की मांग में अच्छी रिकवरी देखने को मिली।

भंडारी ने कहा कि इनपुट लागत में महंगाई कम होने से कंपनियों पर कीमतें बढ़ाने का दबाव भी घटा है।

वित्त वर्ष की पहली तिमाही के बीच भारतीय सेवा प्रदाताओं को मिलने वाले नए ऑर्डरों में पिछले छह महीनों की सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई। इससे मार्च में दिखाई दी सुस्ती और पीछे छूट गई। भारतीय सेवा कंपनियों को विदेशी बाजारों से भी अधिक ऑर्डर मिले। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय ऑर्डरों की वृद्धि कुल बिक्री की तुलना में थोड़ी कम रही और 2025 के औसत स्तर से भी नीचे रही।

आरबीआई ने सोना बेचने की खबरों को बताया गलत, कहा- देश के पास अब भी 880.52 टन गोल्ड रिजर्व सुरक्षित

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को उन मीडिया रिपोर्टों को पूरी तरह खारिज कर दिया, जिनमें दावा किया गया था कि केंद्रीय बैंक ने अपने स्वर्ण भंडार (गोल्ड रिजर्व) का एक हिस्सा बेच दिया है। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि उसके पास मौजूद भौतिक सोने का भंडार पहले की तरह 880.52 टन ही है और इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है।

आरबीआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी एक बयान में कहा कि कुछ मीडिया रिपोर्टों में यह दावा किया गया है कि रिजर्व बैंक ने सोना बेचा है, लेकिन यह जानकारी सही नहीं है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि उसके स्वर्ण भंडार से जुड़ी जानकारी नियमित रूप से मासिक बुलेटिन में प्रकाशित की जाती है और वर्तमान में भौतिक सोने का स्टॉक 880.52 टन पर स्थिर बना हुआ है।

आरबीआई ने कहा कि उसके स्वर्ण भंडार का पूरा विवरण मासिक बुलेटिन में उपलब्ध रहता है, जिसे कोई भी व्यक्ति आरबीआई की आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकता है। बैंक ने दोहराया कि अभी तक सोने के भौतिक भंडार में कोई कमी नहीं आई है।

केंद्रीय बैंक ने लोगों से अपील की कि वे इस तरह की खबरों पर भरोसा करने के बजाय आरबीआई द्वारा समय-समय पर जारी की जाने वाली आधिकारिक जानकारी को ही सही मानें।

इस मामले पर प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) की फैक्ट चेक यूनिट ने भी स्पष्टीकरण जारी किया। पीआईबी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया है कि आरबीआई ने लगभग 12 अरब डॉलर मूल्य का सोना बेच दिया है, जबकि यह दावा पूरी तरह फर्जी है।

पीआईबी के अनुसार, आरबीआई के आंकड़े बताते हैं कि भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। सितंबर 2025 के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी 13.92 प्रतिशत थी, जो 31 मार्च 2026 तक बढ़कर 16.70 प्रतिशत हो गई। इसके बाद 22 मई 2026 तक यह और बढ़कर 16.85 प्रतिशत पहुंच गई।

आईटी शेयरों के कमजोर प्रदर्शन से सेंसेक्स 303 अंक फिसलकर बंद, टीसीएस 8 प्रतिशत से ज्यादा लुढ़का

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए बुधवार का कारोबारी सत्र उतार-चढ़ाव भरा रहा। दिन के दौरान बाजार में बड़ी गिरावट देखने को मिली, लेकिन सत्र के आखिर में बैंकिंग शेयरों में खरीदारी से निचले स्तरों से रिकवरी हुई।

सेंसेक्स 303.67 अंक या 0.41 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 74,346.17 और निफ्टी 77.95 अंक या 0.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,405.60 पर बंद हुआ।

दिन के दौरान बाजार पर दबाव बनाने का काम आईटी शेयरों ने किया। सूचकांकों में निफ्टी आईटी 5.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप लूजर था। निफ्टी रियल्टी 1.39 प्रतिशत, निफ्टी एफएमसीजी 1.01 प्रतिशत, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.81 प्रतिशत, निफ्टी मीडिया 0.59 प्रतिशत, निफ्टी सर्विसेज 0.35 प्रतिशत और निफ्टी कमोडिटीज 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ सबसे ज्यादा गिरने वाले सूचकांक थे। बैंकिंग शेयर ने बाजार में निचले स्तरों से रिकवरी को सहारा दिया। निफ्टी बैंक 0.88 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। निफ्टी हेल्थकेयर 0.54 प्रतिशत, निफ्टी इंडिया डिफेंस 0.38 प्रतिशत और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.38 प्रतिशत के साथ सबसे ज्यादा बढ़ने वाले सूचकांक थे।

सेंसेक्स पैक में टीसीएस 8.43 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 6.23 प्रतिशत, एचसीएल टेक 5.25 प्रतिशत, इन्फोसिस 3.82 प्रतिशत और आईटीसी 2.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ शीर्ष पांच गिरने वाले शेयरों में शामिल थे।

दूसरी तरफ इंडिगो 1.57 प्रतिशत, एसबीआई 1.43 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक 1.30 प्रतिशत, ट्रेंट 1.13 प्रतिशत और पावर ग्रिड 1.01 प्रतिशत की मजबूती के साथ शीर्ष पांच बढ़ने वाले शेयरों में शामिल थे।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में कमजोरी देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 60,687.20 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 20.25 अंक या 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,032.05 पर था।

जानकारों ने कहा कि दिन के दौरान उछाल मुख्य रूप से बैंकिंग शेयरों में आई तेजी के कारण हुआ, जबकि मुनाफावसूली और वैश्विक अनिश्चितताओं के चलते आईटी शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए सहायक नीतिगत उपायों की उम्मीदों ने भी बाजार के माहौल को सकारात्मक बनाए रखा।

भारत अमेरिका के साथ धारा 301 की कार्यवाही और द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर कर रहा बातचीत : केंद्र

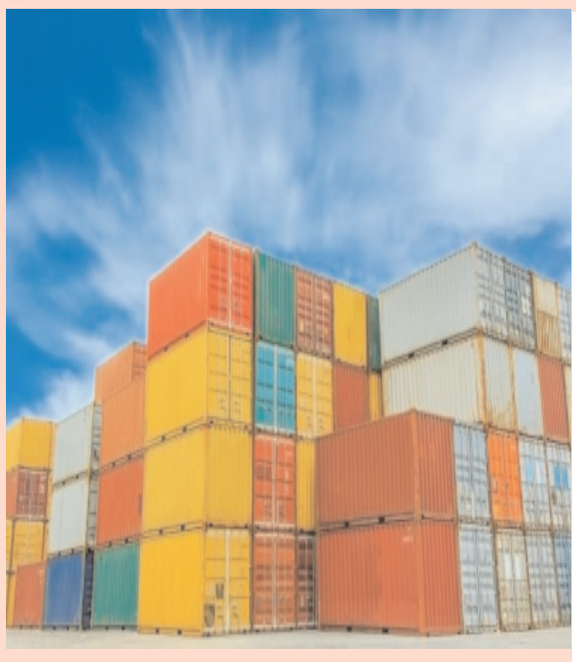

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि भारत अमेरिका के साथ धारा 301 के तहत की गई कार्यवाही और 2 फरवरी को दोनों देशों के बीच हुए अंतरिम द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए लगातार बातचीत कर रहा है।

वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि यूएस ट्रेड रिप्रिजेंटेटिव (यूएसटीआर) ने भारत सहित 60 अर्थव्यवस्थाओं के खिलाफ वस्तुओं के आयात को रोकने के लिए उठाए गए कदमों की जांच पूरी कर ली है।

इसके चलते, यूएसटीआर ने 1974 के अमेरिकी व्यापार अधिनियम की धारा 301 के तहत 60 देशों से आयात पर अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव दिया है। धारा 232 के अंतर्गत आने वाले शुल्क और कुछ अन्य उत्पादों को इन शुल्क प्रस्तावों से बाहर रखा गया है। वस्त्र और परिधान उत्पादों के लिए एक विशेष व्यवस्था का भी प्रस्ताव किया गया है, जिसके तहत चुनिंदा अर्थव्यवस्थाओं से एक निश्चित मात्रा में आयात को कम शुल्क दरों पर अमेरिका में प्रवेश करने की अनुमति दी जा सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, प्रस्तावित शुल्कों को अभी अंतिम रूप नहीं दिए गए हैं और हितधारक 22 जून, 2026 तक सार्वजनिक सुनवाई में भाग लेने के लिए अनुरोध प्रस्तुत कर सकते हैं। वहीं, लिखित टिप्पणियां 6 जुलाई, 2026 तक जमा की जा सकती हैं। सार्वजनिक सुनवाई 7 जुलाई को होगी। एसटीआर प्रस्तावित उपायों पर अंतिम निर्णय लेने से पहले प्राप्त टिप्पणियों और गवाहियों पर विचार करेगा।

भारत और अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारी वर्तमान में नई दिल्ली में तीन दिवसीय वार्ता कर रहे हैं ताकि अंतरिम द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जा सके, जिससे शुल्क में कमी आने की उम्मीद है।

7 फरवरी को भारत-अमेरिका के संयुक्त बयान ने पारस्परिक रूप से लाभकारी, पारस्परिक व्यापार प्राप्त करने के लिए एक ऐतिहासिक अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा स्थापित की, साथ ही दोनों देशों को व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) वार्ता के लिए प्रतिबद्ध किया।

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने हाल ही में कहा कि अमेरिका भारत के साथ एक नए द्विपक्षीय व्यापार समझौते के विवरण को अंतिम रूप देने के लिए उत्सुक है, जिससे बाजार पहुंच का विस्तार होगा, बाधाएं कम होंगी और दोनों पक्षों के व्यवसायों के लिए अधिक निश्चितता पैदा होगी।

कैबिनेट ने तेलंगाना में 7,597 करोड़ रुपए की राजमार्ग परियोजनाओं को दी मंजूरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने बुधवार को राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-63 के मौजूदा आर्मूर-जगतियाल-मंचरियाल खंड को हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल (एचएम) के तहत और राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-563 के जगतियाल-करीमनगर खंड को बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर (टोल) मॉडल के तहत तीन कार्य पैकेजों के अंतर्गत चार लेन मानक तक चौड़ा करने की मंजूरी दे दी है।

इन राजमार्गों की कुल लंबाई 190.76 किमी और कुल पूंजीगत लागत 7,597.16 करोड़ रुपए होगी।

आर्मूर-जगतियाल-मंचरियाल परियोजना का खंड तेलंगाना के निजामाबाद, जगतियाल और मंचरियाल जिलों से होकर गुजरता है, जहां वर्तमान में राजमार्ग के किनारे कई घनी आबादी वाले क्षेत्रों जैसे अंकसापूर, कोरुटला, जगतियाल, धर्मपुरी, लक्षेट्टीपेट और मंचरियाल के कारण भीषण यातायात जाम की समस्या है। इसी प्रकार, जगतियाल-करीमनगर खंड भी इस मार्ग पर स्थित जगतियाल, पोथाराम, गंगाधरा और करीमनगर जैसे अत्यधिक भीड़भाड़ वाले और घनी आबादी वाले क्षेत्रों से होकर गुजरता है। सरकार ने बयान में कहा कि प्रस्तावित परियोजनाओं के तहत तेलंगाना के निजामाबाद, जगतियाल, मंचरियाल और करीमनगर जिलों में 4-लेन का राजमार्गों का निर्माण किया जाएगा, जिसमें शहरी क्षेत्रों के लिए बाईपास और ओपन टोलिंग की सुविधा होगी। इससे 100 किमी प्रति घंटे की निर्धारित गति सुनिश्चित होगी और यात्रा दक्षता में सुधार होगा। यह परियोजना क्षेत्रीय गतिशीलता को भी बढ़ाएगी और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देगी।

बयान में आगे कहा कि पूरा होने पर, आर्मूर और मंचरियाल के बीच यात्रा का समय लगभग 1 घंटा 30 मिनट और जगतियाल और करीमनगर के बीच लगभग 45 मिनट कम होने की उम्मीद है, साथ ही यात्री और माल ढुलाई दोनों के लिए सुरक्षित, तेज और निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान की जाएगी।

इस परियोजना से ईंधन की खपत, कार्बन उत्सर्जन और वाहन परिचालन लागत (वीओसी) में काफी कमी आएगी।

आधिकारिक बयान के अनुसार, इन परियोजनाओं से 34.43 लाख मानव-दिवस का प्रत्यक्ष रोजगार और 42.7 लाख मानव-दिवस का अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री गतिशक्ति सिद्धांतों के अनुरूप हैं और पांच आर्थिक केंद्रों, सात सामाजिक केंद्रों और 10 लॉजिस्टिक केंद्रों को आपस में जोड़ेंगी। इससे देश के लॉजिस्टिक परफॉर्मेंस इंडेक्स (एलपीआई) पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

प्रभावी सरकारी सुधारों के चलते मध्य वर्ग बना देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़

नई दिल्ली। बीते 12 वर्षों में सरकार ने देश के मध्य वर्ग को मजबूत बनाने के लिए कई प्रभावी कदम उठाए हैं, जिसमें टैक्स में कटौती करना, बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच बढ़ाना, इंश्योरेंस कवरेज और पेंशन का विस्तार करना शामिल हैं। इससे वित्तीय रूप से मध्य वर्ग पहले के मुकाबले मजबूत हुआ है।

इसके अलावा, रियायती दरों पर लोन और डिजिटल सुधारों से बचत करने और उधार लेने के तरीके के साथ फाइनेंशियल प्लानिंग अधिक आसान हुई है।

सरकार के कर सुधारों ने मध्यम वर्ग पर वित्तीय बोझ को काफी हद तक कम कर दिया है। 2014 में, 2.5 लाख रुपए तक की आय वाले व्यक्तियों पर कोई कर नहीं लगता था। अब, नई कर प्रणाली (जो 2023 में लागू हुई) के तहत, 12 लाख रुपए तक वार्षिक आय अर्जित करने वाले व्यक्ति (मानक कटौती सहित वेतनभोगी व्यक्तियों के लिए 12.75 लाख रुपए) शून्य कर का भुगतान करते हैं। इससे उनकी बचत और व्यय योग्य आय वृद्धि हुई है।

जुलाई 2017 में लागू हुआ वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी), स्वतंत्रता के बाद से भारत का सबसे महत्वपूर्ण अप्रत्यक्ष कर सुधार है। इसने कई केंद्रीय और राज्य करों को एक ही प्रणाली में एकीकृत कर दिया, जिससे एक साझा राष्ट्रीय बाजार का निर्माण हुआ। विशेष रूप से मध्यम वर्ग के लिए, जीएसटी ने करों को सरल बनाकर और दैनिक खर्चों को कम करके कई ठोस लाभ प्रदान किए हैं। आवश्यक वस्तुओं पर कम दरों और तर्कसंगत कर स्लैबों ने दैनिक उपभोग को अधिक किफायती बना दिया है। लगभग नौ वर्षों में, यह दर युक्तिकरण और डिजिटलीकरण के माध्यम से विकसित हुआ है और अप्रत्यक्ष कराधान की रीढ़ बन गया है। जीएसटी करदाताओं का आधार 2017 में 66.5 लाख से बढ़कर अप्रैल 2026 तक 1.64 करोड़ हो गया। अप्रैल 2025 से प्रभावी एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) भारत में केंद्र सरकार के कर्मचारियों - जो मध्यम वर्ग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं - के लिए सेवानिवृत्ति सुरक्षा को मजबूत करती है। यह अंशदायी संरचना के तहत कर्मचारी और सरकारी अंशदान को जोड़ती है और सेवानिवृत्ति के बाद सुनिश्चित, मुद्रास्फीति-संबंधी पेंशन लाभ प्रदान करती है। यूपीएस सेवानिवृत्ति के बाद (कम से कम 10 वर्ष की सेवा के साथ) प्रति माह 10,000 रुपए की न्यूनतम पेंशन की गारंटी देता है।

प्रीमियम मात्रा के हिसाब से भारत वैश्विक स्तर पर 10वां सबसे बड़ा बीमा बाजार बनकर उभरा है, जो वित्तीय सुरक्षा के विस्तार को दर्शाता है। बीमा का बढ़ता महत्व घरेलू वित्त में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। वित्त वर्ष 2018-19 में बीमा और पेंशन फंडों की हिस्सेदारी 28.6 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 29.6 प्रतिशत हो गई।

अरब डॉलर वाली Googleई और उदय कोटक की चेतावनी, IPL खत्म अब भविष्य देख लो

दुनिया की अर्थव्यवस्था इस समय एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां भविष्य की दिशा आज लिए जा रहे फैसलों से तय हो रही है. टेक्नोलॉजी,पूंजी और निवेश का खेल अब पहले से कहीं ज्यादा आक्रामक हो गया है. इसी संदर्भ में गूगल का हालिया कदम बेहद महत्वपूर्ण है. जिस कंपनी के पास पहले से ही भारी नकद भंडार है. जिसने लगातार मुनाफे के नए रिकॉर्ड बनाए हैं. वही कंपनी बाजार से अतिरिक्त 80 अरब डॉलर जुटाने जा रही है. उदय कोटक ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस तरफ ध्यान दिलाया है और देसी कंपनियों को चेताया है. आईपीएल का मजा खत्म हुआ, अब भविष्य की तरफ देख लो. गूगल के आंकड़े अपने आप में चौंकाने वाले हैं. सालाना मुनाफा लगभग 160 अरब डॉलर, एक तिमाही का मुनाफा 62 अरब डॉलर और कुल मार्केट वैल्यू 4.5 खरब डॉलर. इतना मार्केट कैप तो निफ्टी 50 और सेंसेक्स की कंपनियों को मिलाकर भी नहीं है.

यहां सबसे अहम सवाल उठता है कि जब इतनी बड़ी और मजबूत कंपनी भी भविष्य को लेकर इतनी आक्रामक तैयारी कर रही है तो हम क्या कर रहे हैं. क्या हम भी उसी स्तर की तत्परता और दूरदृष्टि दिखा रहे हैं? हम अपनी स्थिति को देखें तो एक दिलचस्प विरोधाभास सामने आता है. एक तरफ राजनीतिक स्थिरता और ताकत अपने चरम पर है. मजबूत नेतृत्व,लगातार चुनावी जीत और लगभग एकदलीय प्रभुत्व जैसी स्थिति है. कुल मिलाकर मोदी सरकार बेहद स्थिर है. दूसरी तरफ आर्थिक मोर्चे पर कई गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं. ईरान वॉर ने चुनौतियां और बढ़ा दी है. विकास दर भले ही स्थिर दिखती हो लेकिन तीन चीजें चिंता पैदा कर रही है.

कुछ लोगों को आर्थिक स्थिति गिरने की बात पचती नहीं है. वे तुरंत बताने लगते हैं कि भारत बड़ी इकॉनमी में सबसे तेज बढ़ने वाला देश है. हमारी जीडीपी 6 परसेंट के ऊपर है. लेकिन सच्चाई इतनी चमकीली नहीं है. अगर दुनिया के सभी देशों के देखें तो भारत से ज्यादा जीडीपी वृद्धि दर नाइजर और इथियोपिया की है. प्रति व्यक्ति आय बढ़ने के मामले में भी हम आठवें स्थान पर हैं. बांग्लादेश हमसे आगे है. हाल ही में पश्चिम एशिया जंग के कारण रुपया पिछले एक साल में लगभग 12% गिरा है और यह लगातार सातवां साल है जब इसमें गिरावट आई है. यह एक अजीब स्थिति है. महंगाई काबू में है. चालू खाता घाटा संतुलित है. विकास की गति भी ठीक है फिर भी मुद्रा कमजोर बनी हुई है.

आर्थिक विकास का असली इंजन निवेश होता है. खासतौर पर प्राइवेट इन्वेस्टमेंट और विदेशी निवेश . यही निवेश नई टेक्नोलॉजी लाता है,रोजगार पैदा करता है और देश को वैश्विक सप्लाई चेन से जोड़ता है. लेकिन अपने देश में प्राइवेट सेक्टर का निवेश उतनी तेजी से बढ़ नहीं रहा है. सरकार ने बजट में विकास के काम के लिए 11 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया है लेकिन सिर्फ सरकारी निवेश से काम नहीं चलेगा।

पुरुषोत्तम मास विशेष : समंदर किनारे स्थित 8वीं शताब्दी का मंदिर, जहां हरि के साथ विराजते हैं महादेव

चेन्नई। भारत एक देश, जिसे मंदिरों का देश भी कहा जाता है। यहां कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत में ऐसे कई मंदिर हैं, जो केवल पूजा-अर्चना के केंद्र नहीं, बल्कि आस्था के साथ इतिहास और कला के भी प्रतीक हैं। तमिलनाडु के मामल्लापुरम में स्थित शोर मंदिर भी ऐसा ही धार्मिक स्थल है। खास बात है कि नारायण के इस मंदिर में उनके साथ उनके आराध्य यानी देवाधिदेव महादेव भी विराजते हैं।

वर्तमान में भगवान विष्णु की आराधना को समर्पित और उन्हें अति प्रिय पुरुषोत्तम का महीना (अधिक मास) चल रहा है। इस खास महीने में भगवान विष्णु के दर्शन का भी विशेष विधान है। देवालय में हर और हरि की संयुक्त उपासना की जाती है। बंगाल की खाड़ी के किनारे खड़ा यह प्राचीन मंदिर श्रद्धा, इतिहास और स्थापत्य कला का अद्भुत संगम है।

तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई से लगभग 55 किलोमीटर दक्षिण में स्थित मामल्लापुरम, जिसे महाबलीपुरम भी कहा जाता है। देश के सबसे प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थलों में शामिल है। यहां स्थित शोर मंदिर दक्षिण भारत के सबसे पुराने संरचनात्मक मंदिरों में गिना जाता है। माना जाता है कि इसका निर्माण आठवीं शताब्दी में पल्लव वंश के राजा नरसिंहवर्मन द्वितीय (जिन्हें राजसिंह भी कहा जाता है) ने कराया था।

इस मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह भगवान शिव और भगवान विष्णु दोनों को समर्पित है। मंदिर परिसर में शिवलिंग स्थापित है। वहीं भगवान विष्णु की शयन मुद्रा वाली प्रतिमा भी मौजूद है। यही कारण है कि यह मंदिर शैव और वैष्णव परंपराओं के समन्वय का प्रतीक माना जाता है। शोर मंदिर भी नारायण की भक्ति और सनातन परंपरा की गौरवशाली विरासत को दर्शाता है।

ग्रेनाइट पत्थरों से निर्मित यह मंदिर द्रविड़ स्थापत्य शैली का उत्कृष्ट नमूना है। समुद्र की लहरों के ठीक सामने खड़ा यह मंदिर दूर से किसी विशाल प्रहरी की तरह दिखाई देता है। इसके ऊंचे शिखर, सुंदर नक्काशी और कलात्मक संरचना आज भी पर्यटकों और श्रद्धालुओं को आकर्षित करते हैं। मंदिर का मुख्य भाग पूर्व दिशा की ओर है, जिससे सूर्योदय की पहली किरण सीधे मंदिर पर पड़ती है और इसका दृश्य अत्यंत मनमोहक बन जाता है।

इतिहासकारों के अनुसार, यह मंदिर कभी समुद्र तट पर बने सात भव्य मंदिरों के समूह का हिस्सा था। प्रसिद्ध यात्री मार्को पोलो ने भी अपनी यात्राओं के दौरान इन मंदिरों का उल्लेख 'सात पैगोडा' के रूप में किया था। समय के साथ समुद्र की लहरों ने अधिकांश मंदिरों को अपने भीतर समा लिया और आज केवल शोर मंदिर ही सुरक्षित रूप से दिखाई देता है। साल 2004 की सुनामी के दौरान समुद्र का जलस्तर अचानक पीछे हटने पर कुछ प्राचीन अवशेष दिखाई दिए थे।

सिर्फ दो दिन में खराब हो जाता है यह फल, डायबिटीज के मरीजों के लिए दवा से कम नहीं !

जामुन एक मौसमी फल है, जिसकी शेल्फ लाइफ सिर्फ 1-2 दिन होती है. यह जल्दी खराब हो जाता है, लेकिन पोषण से भरपूर होता है. इसमें फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट और कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स जैसे गुण पाए जाते हैं, जो डायबिटीज के मरीजों के लिए बेहद फायदेमंद माने जाते हैं. इसका सेवन करने से डायबिटीज काबू में आ सकती है

गर्मी और बारिश के मौसम में बाजार में आने वाला जामुन स्वाद के साथ-साथ अपने औषधीय गुणों के लिए भी जाना जाता है. यह फल सिर्फ 1-2 दिन ही चलता है और इसके बाद खराब हो जाता है. अगर आप इसे फ्रिज में भी स्टोर करेंगे, तब भी इसकी शेल्फ लाइफ ज्यादा नहीं होती है. जामुन की शेल्फ लाइफ भले ही कम हो, लेकिन सेहत के लिए इसके फायदे काफी बड़े माने जाते हैं. खासकर डायबिटीज के मरीजों के लिए जामुन को रामबाण माना जाता है. आयुर्वेद एक्सपर्ट्स तो जामुन की गुठलियों को भी ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल करने में असरदार मानते हैं.

जामुन में फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट और कई लाभकारी प्लांट कंपाउंड पाए जाते हैं. इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जिसकी वजह से यह ब्लड शुगर को तेजी से नहीं बढ़ाता है. यही वजह है कि जामुन को डायबिटीज-फ्रेंडली फलों की सूची में शामिल किया जाता है. जामुन में मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को बेहतर बनाए रखने में मदद कर सकता है. इसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट शरीर को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाने में भूमिका निभा सकते हैं. इसे हार्ट हेल्थ के लिए भी फायदेमंद माना जाता है.

दवा का विकल्प नहीं है जामुन

एक्सपर्ट के मुताबिक जामुन की बाहरी परत काफी नाजुक होती है और इसमें पानी की मात्रा भी अच्छी-खासी होती है. यही कारण है कि इसे लंबे समय तक सामान्य तापमान पर रखना मुश्किल होता है. खरीदने के बाद इसे जल्द खा लेना चाहिए या फ्रिज में स्टोर करना चाहिए. ज्यादा दिनों तक रखने पर इसका स्वाद और गुणवत्ता दोनों प्रभावित हो सकते हैं. डायबिटीज के मरीजों को हमेशा ताजा जामुन खाने चाहिए. हालांकि जामुन शुगर लेवल कंट्रोल करने में सप्लीमेंट की तरह काम कर सकता है, लेकिन यह दवा का विकल्प नहीं है. ऐसे में इसे खाने के साथ समय पर डॉक्टर की दी गई दवाएं लेना भी जरूरी है.

आयुर्वेद में जामुन ही नहीं, बल्कि इसकी गुठली का विशेष महत्व बताया गया है. कई लोग इसकी गुठली को सुखाकर पाउडर के रूप में इस्तेमाल करते हैं. जामुन एक पौष्टिक मौसमी फल है, जो कम समय में खराब हो जाता है, लेकिन पोषण के मामले में काफी समृद्ध माना जाता है. डायबिटीज के मरीजों के लिए यह संतुलित आहार का हिस्सा बन सकता है. जब भी जामुन का सीजन आए, तब शुगर के मरीजों को रोज इसका सेवन करना चाहिए. ताकि ज्यादा से ज्यादा फायदा मिल सके।

बाबूलाल पेंटर: जिन्होंने कबाड़ से बना डाला पहला स्वदेशी फिल्म कैमरा, भारतीय सिनेमा को दी नई दिशा

नई दिल्ली। बाबूराव पेंटर का जन्म 3 जून 1890 को कोल्हापुर के एक पारंपरिक शिल्पकार (मेस्त्री) परिवार में हुआ था। घर में ही बढ़ईगिरी, लोहारी, नक्काशी और चित्रकला का ऐसा माहौल था कि उन्होंने बिना किसी औपचारिक स्कूल या आर्ट कॉलेज के ही कला और विज्ञान के बीच की कड़ियों को जोड़ना सीख लिया था।

जब कैमरे की तकनीक के लिए विदेशी दरवाजे बंद हो गए, तो बाबूराव ने स्वावलंबन का मार्ग चुना। अपने परम शिष्य वी. जी. दामले और बढ़ई मित्र ज्ञानबा सुतार के साथ मिलकर उन्होंने कोल्हापुर में एक साधारण खराद मशीन पर दो वर्षों तक कड़ा संघर्ष किया।

उन्होंने कबाड़ बाजार से एक पुराना प्रोजेक्टर खरीदा। उसके चक्रों और गियर प्रणालियों का बारीकी से अध्ययन कर, वर्ष 1918 में उन्होंने भारत का पहला स्वदेशी 'मोशन पिक्चर कैमरा' बनाकर दुनिया को चौंका दिया। यह कैमरा एक सेकंड में 16 बार लेंस को खोल और बंद कर सकता था। इस स्वदेशी कैमरे की पहली परीक्षा रंकाला तालाब में तैरते बच्चों और पंचगंगा नदी के घाट पर कपड़े धोती महिलाओं के दृश्यों को रिकॉर्ड करके ली गई थी। इस अभूतपूर्व सफलता के बाद ही 1 दिसंबर 1918 को 'महाराष्ट्र फिल्म कंपनी' की नींव पड़ी।

कोल्हापुर के छत्रपति शाहू महाराज के प्रगतिशील विचारों ने बाबूराव को बहुत प्रभावित किया। महाराज ने मेस्त्री भाइयों को सिनेमाई प्रयोगों के लिए केवल भूमि ही नहीं दी, बल्कि बिजली का जनरेटर और अन्य आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराईं।

सिनेमा के पर्दे पर उस दौर में पुरुष ही महिलाओं का किरदार निभाते थे। बाबूराव ने इस रूढ़िवादी परंपरा को तोड़ा।

बाबूराव पेंटर केवल एक फिल्म निर्देशक या मैकेनिक नहीं थे। वे भारतीय सिनेमा के पहले विजुअल आर्टिस्ट थे। उन्होंने फिल्म उद्योग को पहली बार 'स्टोरीबोर्डिंग' (स्टेनोग्राफिक पद्धति) से परिचित कराया। वे शूटिंग से पहले ही हर शॉट का स्केच बना लेते थे, ताकि कच्चे फिल्म रोल की बर्बादी न हो। बाद में विश्व प्रसिद्ध फिल्मकार सर्गेई आइंस्टीन ने भी उनकी इस तकनीक की प्रशंसा की थी।

वर्ष 1921-22 के दौरान वे दर्शकों को आकर्षित करने के लिए बहुपृष्ठीय 'कार्यक्रम पुस्तिकाएं' (प्रोग्राम बुकलेट्स) बांटने वाले पहले निर्माता बने। वर्ष 1924 में आई फिल्म 'कल्याण खजिना' के लिए उनके द्वारा तैयार किया गया पोस्टर आज भी भारतीय सिनेमा के इतिहास का सबसे पुराना जीवित चित्र-पोस्टर माना जाता है।

बाबूराव पेंटर का स्टूडियो भारतीय सिनेमा की पहली व्यावहारिक एकेडमी था, जिसने वी. शांताराम, एस. फत्तेलाल और भालजी पेंढारकर जैसे 500 से अधिक दिग्गजों को तराशा।

उनके शिष्यों ने 1 जून 1929 को 'प्रभात फिल्म कंपनी' की नींव रखी।

इसके बाद 1931 में महाराष्ट्र फिल्म कंपनी पर ताला लग गया। हालांकि बाद में उन्होंने वी. शांताराम के आग्रह पर बेहद लोकप्रिय सवाक फिल्म 'लोकशाहीर रामजोशी' (1947) का निर्देशन किया, लेकिन उनका मन मुख्य रूप से चित्रकला और मूर्तिकला के अपने शांत संसार में ही रमा रहा।

16 जनवरी 1954 को कला का यह सच्चा चितेरा हमेशा के लिए इतिहास के पन्नों में विलीन हो गया, पर उनका स्वदेशी स्वाभिमान आज भी भारतीय सिनेमा के कैमरे में कैद है।

घड़ा ही नहीं, मिट्टी के बोतल और गिलास भी खास, प्राकृतिक ठंडक के साथ स्वाद भी बढ़ाए

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है और चिलचिलाती धूप लोगों का जीना मुश्किल कर रही है। ऐसे में बिजली वाले कूलर या फ्रिज पर निर्भर रहने के बजाय पारंपरिक मिट्टी के बर्तन एक बार फिर लोकप्रिय हो रहे हैं। घड़े के अलावा, मिट्टी के बोतल, कुल्हड़ और गिलास भी प्राकृतिक ठंडक देने के साथ ही पानी और पेय पदार्थों का स्वाद बढ़ाने में कारगर होते हैं।

मिट्टी के बर्तन गर्मी के मौसम में प्राकृतिक रूप से पानी को ठंडा रखते हैं। मिट्टी की नमी के कारण वाष्पीकरण होता है, जो पानी के तापमान को कम करता है। इसमें रखा पानी न सिर्फ ठंडा रहता है बल्कि मिट्टी के खनिजों से भरपूर भी हो जाता है। प्लास्टिक या स्टील के बर्तनों के मुकाबले मिट्टी के बर्तन पानी को केमिकल-मुक्त और स्वादिष्ट बनाते हैं।

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) मिट्टी के बर्तनों के इस्तेमाल के फायदों के बारे में जानकारी देता है। मिट्टी के बर्तन प्राकृतिक ठंडक देते हैं, यह बिना बिजली के पानी को 8-10 डिग्री ठंडा रख सकते हैं। मिट्टी का पानी क्षारीय होता है, जो पेट की अम्लता कम करता है और पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। यही नहीं, कुल्हड़ में चाय, छाछ या जूस पीने पर मिट्टी की सौंधी खुशबू स्वाद को और भी खास बना देती है।

गर्मी के इस मौसम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों सलाह देते हैं कि कोल्ड ड्रिंक्स की जगह मिट्टी के बर्तनों में रखा पानी या पेय ज्यादा फायदेमंद है। इससे गर्मी से होने वाली डिहाइड्रेशन और पेट संबंधी समस्याओं से बचाव होता है। मिट्टी के बर्तनों में रखा पानी शरीर को ठंडक पहुंचाता है, गर्मी से होने वाली थकान और जलन कम करता है। साथ ही ये बर्तन पूरी तरह बायोडिग्रेडेबल हैं और प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने में मदद करते हैं।

मिट्टी की बोतल या क्ले बॉटल बाहर घूमने या ऑफिस ले जाने के लिहाज से भी बहुत सुविधाजनक है।

यह पानी को लंबे समय तक ठंडा और ताजा रखती है।

कुल्हड़ एक बार इस्तेमाल के बाद फेंकने योग्य होते हैं, जिससे स्वाद के साथ स्वच्छता भी बनी रहती है। वहीं, मिट्टी का घड़ा परिवार के लिए ठंडा पानी उपलब्ध कराता है।

खाने से पहले केला धोना चाहिए या नहीं? 99% लोग नहीं जानते केला खाने का सही तरीका

बाकी फलों की तरह केला भी सेहतमंद फल है, जिसका सेवन आप रोज कर सकते हैं. लेकिन ज्यादातर लोग केला खाने का सही तरीका ही नहीं जानते हैं. इसे खाने से पहले नहीं धोना सबसे कॉमन मिस्टेक है. यदि आप भी खाने से पहले केला नहीं धोते हैं, तो ये लेख आपके लिए है.

केले पोटेशियम, फाइबर, मैग्नीशियम और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं जो पेट फूलना, मांसपेशियों में ऐंठन और ब्लड शुगर को संतुलित करने में सहायक हो सकते हैं. अधिकांश लोगों के लिए प्रतिदिन एक केला खाना एक स्वस्थ विकल्प है, हालांकि गुर्दे की कुछ समस्याओं से पीड़ित लोगों को अधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता हो सकती है. ऐसे में बहुत से लोग घर में नियमित रूप से केले रखते हैं और इसका सेवन भी करते हैं. ये सालभर मिलने वाला फल पोषक तत्वों से भरपूर है. लेकिन क्या इसे खाने से पहले धोते हैं? ज्यादातर लोगों का जवाब होगा नहीं, क्योंकि इसे छिलकर खाया जाता है. जबकि ऐसा करना गलत और जोखिम भरा हो सकता है.

जी, हां फलों पर मंडराने वाला फ्रूट फ्लाई छोटे फल मक्खियां खासतौर पर केले की ओर आकर्षित होती हैं क्योंकि केले के छिलके उनके अंडे देने के लिए अच्छी जगह माने जाते हैं. जब केले रसोई में रखे-रखे पकने लगते हैं, तो यह मक्खियों के अंडों से निकलने और तेजी से बढ़ने के लिए अनुकूल वातावरण बनाता है.

ऐसे में भले ही आप केले का छिलका न खाते हों, फिर भी उसके ऊपर मौजूद गंदगी और बैक्टीरिया आपके हाथों या फल के अंदर तक पहुंच सकते हैं और जब आप केला छीलते या काटते हैं, तो यह गंदगी फल के खाने वाले हिस्से तक भी पहुंच सकती है. इसलिए केले को खाने से पहले धोना जरूरी होता है.

केले को साफ करना बहुत आसान है. सबसे पहले केले को ठंडे बहते पानी के नीचे कम से कम 30 सेकंड तक धोएं. खासतौर पर डंठल वाले हिस्से को अच्छी तरह साफ करें, क्योंकि वहां गंदगी और कीड़ों के अंडे छिपे हो सकते हैं।

प्रीति जिंटा ने सोशल मीडिया पर दी नए प्रोजेक्ट की जानकारी, लिखा- 'बेसब्री से कर रही हूं इंतजार'

मुंबई। अभिनेत्री प्रीति जिंटा लंबे समय बाद पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। बुधवार को उन्होंने एक सोशल मीडिया के जरिए बताया कि इस प्रोजेक्ट को सभी के साथ शेयर करने का वे बेसब्री से इंतजार कर रही हैं।

अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी एक तस्वीर पोस्ट की। इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, 'नए प्रोजेक्ट की शुरुआत से पहले थोड़ा आराम कर रही हूं। मैं आप सभी के साथ इस नए प्रोजेक्ट को शेयर करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। बहुत जल्द इसकी जानकारी दूंगी।'

अभिनेत्री प्रीति जिंटा जल्द ही फिल्म 'वाइब' और 'लाहौर 1947' के साथ बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। 'वाइब' एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म है जिसमें वह कुणाल खेमू के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म दो सच्चे दोस्तों की कहानी है, जिसमें एक सीधा-सादा और नियमों का पालन करने वाला है, जबकि दूसरा लापरवाह है। दोनों की साधारण जिंदगी में तब तूफान आ जाता है, जब वे अनजाने में एक आतंकवादी साजिश में फंस जाते हैं और देश की सुरक्षा का दारोमदार उनके हाथों में आ जाता है।

फिल्म का लेखन और निर्देशन कुणाल खेमू ने किया है। इसे 'द्रोंगो फिल्म्स' के बैनर तले कुणाल खेमू और चिराग निहलानी द्वारा प्रोड्यूस किया गया है। यह फिल्म 2018 की फिल्म 'भैयाजी सुपरहिट' के बाद बड़े पर्दे पर प्रीति जिंटा की शानदार वापसी का प्रतीक है।

फिल्म में प्रीति जिंटा और कुणाल खेमू के अलावा, स्पर्श श्रीवास्तव और वंशिका धीर शामिल हैं। यह एक बहुप्रतीक्षित एक्शन-कॉमेडी ड्रामा है, जो 18 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। थिएटर रिलीज के बाद यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम की जाएगी।

इसके अलावा, वह सनी देओल के साथ 'लाहौर 1947' में भी नजर आएंगी। राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बन रहे इस प्रोजेक्ट में सनी देओल मुख्य भूमिका में होंगे, जबकि शबाना आजमी, अली फजल, अभिमन्यु सिंह और अन्य कलाकार अहम किरदारों में नजर आएंगे।

ऋचा और मैं अच्छे किरदारों के लिए जीते हैं, इमेज से ज्यादा कहानी मायने रखती है : अली फजल

मुंबई। अभिनेता अली फजल ने अपनी पत्नी ऋचा चड्ढा के साथ अपनी क्रिएटिव पार्टनरशिप पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि दोनों कभी भी किसी खास इमेज में फिट होने की कोशिश नहीं करते। उनका फोकस हमेशा अच्छे और चुनौतीपूर्ण किरदारों पर रहता है।

अली फजल और ऋचा चड्ढा दोनों ही अपनी अलग-अलग फिल्मों में चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं के लिए जाने जाते हैं।

अली फजल ने बताया, 'ऋचा और मैं हमेशा से ऐसे किरदारों की तरफ आकर्षित होते हैं जो हमें चुनौती दे और दर्शकों के दिल में जगह बना सकें, उन्हें पसंद आए। हमारे लिए ग्लैमरस इमेज बनाए रखना कभी प्राथमिकता नहीं रहा।'

उन्होंने इसे अपनी खुशकिस्मती बताया कि उन्हें ऐसे रोल मिले जो स्क्रीन से बाहर निकलकर पॉप कल्चर का हिस्सा बन गए।

अली फजल के अनुसार, एक अभिनेता के लिए यह सबसे खूबसूरत एहसास होता है कि दर्शक उनकी बनाई हुई चीज से इतना जुड़ जाते हैं।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि ऋचा की 'फुकरे' वाली भोली पंजाबन और उनकी 'मिर्जापुर' वाली गुड्डू पंडित की भूमिका आज भी लोग याद करते हैं। ये किरदार इतने लोकप्रिय हुए कि लोग उनके डायलॉग दोहराते हैं और बार-बार फिल्म देखते हैं।

अली फजल ने बताया कि किरदारों के चुनाव को लेकर उनमें अच्छी समझ है। दोनों ही इस बात का सम्मान करते हैं कि एक्टिंग का पेशा अनिश्चितताओं से भरा है। कभी रिस्क लेना पड़ता है, तो कभी सब्र रखना पड़ता है। लेकिन सबसे जरूरी बात है कहानी कहने में ईमानदारी।

उन्होंने बताया, 'हमारी कोशिश हमेशा ऐसी कहानियों और किरदारों का हिस्सा बनने की रहती है जो लोगों के यादों में लंबे समय तक रहें। सिर्फ सफलता नहीं, बल्कि प्रासंगिकता बनाए रखना हमारा लक्ष्य है।'

अली फजल जल्द ही 'मिर्जापुर- द मूवी' में नजर आने वाले हैं, जो 4 सितंबर को रिलीज होगी।

पियानो पर हाथ आजमा रहे हैं कुणाल खेमू, वीडियो शेयर कर बोले- भले ही परफेक्ट न हो, पर सुकून मिलता है

मुंबई। अभिनेता कुणाल खेमू इन दिनों अभिनय से दूर संगीत में हाथ आजमा रहे हैं। बुधवार को उन्होंने अपने प्रशंसकों के साथ अपना नया शौक शेयर किया। अभिनेता ने बताया कि पियानों से उनके मन को बहुत शांति और सुकून मिलता है।

अभिनेता कुणाल खेमू ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे पूरी शिद्दत के साथ पियानो पर प्रैक्टिस करते नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने वीडियो शेयर करते हुए अपने मन के भाव शब्दों के जरिए व्यक्त किए। उन्होंने लिखा, 'जैसा कि आप देख सकते हैं कि मुझे पियानो बजाना ठीक से नहीं आता, लेकिन इसे बजाने की कोशिश करना भी मुझे बहुत सुकून देता है। मेरी बेटी पियानो सीख रही है, उसी की वजह से मैं भी हर दिन करीब 10 मिनट अपने पसंदीदा गाने बजाने की कोशिश करता हूं।

उन्होंने आगे लिखा, 'भले ही मेरा बजाना परफेक्ट ने लगे, लेकिन इससे मेरे दिल को खुशी मिलती है। संगीत की यही खूबी है। इसलिए अगर आपको कोई म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट पसंद है, तो उसे उठाइए और बजाना शुरू कर दीजिए। हर दिन सिर्फ 10 मिनट ही सही, लेकिन शुरुआत जरूर करें।'

कुणाल खेमू की बात करें, तो वे अभी हाल ही में सफल नेटफ्लिक्स कॉमेडी-ड्रामा सीरीज 'सिंगल पापा' में नजर आए थे। इसमें कुणाल खेमू (गौरव गहलोत की भूमिका में) एक तलाकशुदा व्यक्ति की कहानी का मुख्य किरदार निभाया है।

ग्लोबल स्टार बनने की अपनी अहमियत, लेकिन अपने घर और लोगों का प्यार पहले आता है : राम चरण

नई दिल्ली। पैन-इंडिया स्टार राम चरण का मानना है कि किसी भी कलाकार के लिए सबसे बड़ी पहचान और सराहना अपने घर और अपने देश से होती है। उनके अनुसार, वैश्विक स्तर पर सफलता हासिल करना खुशी की बात है, लेकिन इसकी शुरुआत अपने लोगों के प्यार और समर्थन से होती है।

मीडिया से बातचीत के दौरान राम चरण ने ग्लोबल पहचान और भारतीय दर्शकों से मिलने वाली सराहना के बीच संतुलन को लेकर अपनी राय साझा की। उन्होंने कहा कि दोनों का अपना महत्व है, लेकिन अपने घर और अपने लोगों का प्यार सबसे पहले आता है। राम चरण ने कहा कि वह हमेशा अपने लोगों से मिले उसी प्यार के साथ रहना चाहते हैं, जो उन्हें अपने करियर की शुरुआत में मिला था। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति की सफलता की नींव उसके घर और समाज से ही पड़ती है। इसलिए सबसे पहले अपने लोगों की तारीफ और स्वीकार्यता मिलनी जरूरी है।

अभिनेता ने आगे कहा, 'जब किसी दूसरे देश के लोग आपके काम की सराहना करते हैं, तो वह भी बेहद खास अनुभव होता है। जापान, लॉस एंजिलिस और अन्य देशों के दर्शकों से अपने काम के लिए सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने से खुशी होती है। इससे यह भी पता चलता है कि भारतीय सिनेमा दुनिया के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंच रहा है और वहां के दर्शक इसे पसंद कर रहे हैं। राम चरण इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'पेड्डी' को लेकर चर्चा में हैं, जो 4 जून को रिलीज होने जा रही है। स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा फिल्म में वह एक ऐसे एथलीट की भूमिका निभा रहे हैं, जो क्रिकेट, कुश्ती और दौड़ जैसे तीन अलग-अलग खेलों में दक्ष है।

फिल्म का निर्देशन बुची बाबू सना ने किया है। इसमें जाह्नवी कपूर, बोमन ईरानी, शिवा राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

जुड़वां बेटों के जन्मदिन पर एक्ट्रेस कश्मीरा शाह ने लुटाया प्यार, चीकू-पीकू के नाम लिखा खास नोट

मुंबई। अभिनेत्री कश्मीरा शाह बुधवार को अपने जुड़वां बच्चों का जन्मदिन मना रही हैं। जुड़वां बच्चों के 9 साल पूरे होने पर अभिनेत्री भावुक नजर आईं। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए खास अंदाज में बधाई दी।

अभिनेत्री कश्मीरा शाह ने अपने बेटों-कृषांग और रायन के जन्मदिन को सेलिब्रेट करते हुए एक मोंटाज वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया, जिसमें उनके बच्चों के बचपन और बड़े होने के दिनों के प्यारे और अनमोल पल शामिल हैं।

एक तस्वीर में कृष्णा अभिषेक एक काली मोटरसाइकिल पर बैठे नजर आ रहे हैं और उनके जुड़वां बेटों में से एक मुस्कुरा रहा है। मोंटाज के दूसरे क्लिप्स में पिछले नौ साल के पारिवारिक समारोह और छुट्टियों के पल दिखाए गए हैं।

अभिनेत्री ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'यकीन नहीं होता कि देखते ही देखते 9 साल बीत गए। हमारे जीवन में आने और हमें अपना परिवार चुनने के लिए आपका दिल से धन्यवाद। प्रिय चिकू-पिकू (रायन और कृषांग), आपको जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। भगवान आपको लंबी उम्र, खुशियां और सफलता से भरा जीवन दें। आपकी खुशी ही हमारी सबसे बड़ी खुशी और सफलता है। मम्मी, डैडी, बुआ, फूफू और बड़ी मम्मी की तरफ से ढेर सारा प्यार।'

कश्मीरा की पोस्ट सभी को बहुत पसंद आ रही है। कमेंट सेक्शन पर उनके साथी कलाकारों ने जमकर बधाई दी। अभिनेत्री रीम शेख, अंकिता लोखंडे के पति विकास जैन, किकू शारदा, सुनील ग्रोवर, कृष्णा अभिषेक की बहन और अभिनेत्री आरती सिंह समेत कई कलाकारों ने लिखा, 'जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं 'चीकू' और 'पिकू'।'

कश्मीरा शाह और कृष्णा अभिषेक के जुड़वां बेटों, कृषांग और रायन का जन्म 3 जून 2017 को सरोगेसी के जरिए हुआ था।

कश्मीरा और कृष्णा की प्रेम कहानी की बात करें तो दोनों की पहली मुलाकात 2005 में जयपुर में फिल्म 'और पप्पू पास हो गया' के सेट पर हुई थी।

उस समय कश्मीरा अपने पहले पति ब्रैड लिस्टरमैन से तलाक ले चुकी थीं। कई साल तक डेटिंग करने और साथ रहने के बाद इस जोड़े ने 2013 में लास वेगास में गुपचुप तरीके से शादी कर ली थी।

सोशल मीडिया से निजी जिंदगी को क्यों दूर रखती हैं सुम्बुल तौकीर, बताई वजह

मुंबई। आज के समय में सोशल मीडिया जिंदगी का एक अहम हिस्सा बन चुका है। लोग प्रोफेशनल के साथ ही पर्सनल लाइफ से जुड़ी चीजों को भी पोस्ट करते हैं, हालांकि अभिनेत्री सुम्बुल तौकीर अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी बातों को सोशल मीडिया से दूर रखती हैं। उन्होंने इसकी वजह भी बताई है।

'इमली' और 'काव्या- एक जज्बा, एक जुनून' जैसे सफल टीवी शो में काम कर चुकीं सुम्बुल ने आईएएनएस से बातचीत के दौरान सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव और निजी जीवन को लेकर अपने विचार रखे।

अभिनेत्री ने कहा कि उनके लिए प्राइवेसी बहुत मायने रखती है और वह अपनी निजी बातें सार्वजनिक करना पसंद नहीं करतीं। सोशल मीडिया पर क्या शेयर करना है और क्या नहीं, इसे लेकर सुम्बुल तौकीर काफी सतर्क रहती हैं और अपनी निजी सीमाओं का सम्मान करना जरूरी मानती हैं।

सुम्बुल ने कहा कि हर व्यक्ति की सोच और नजरिया अलग होता है। ऐसे में वह अपनी जिंदगी के हर पहलू को सार्वजनिक करने में सहज महसूस नहीं करतीं। उन्होंने बताया कि वह सकारात्मक और नकारात्मक एनर्जी में विश्वास रखती हैं और यही कारण है कि वह सोशल मीडिया पर जरूरत से ज्यादा एक्टिव रहने से बचती हैं।

अभिनेत्री ने यह भी माना कि फैंस से जुड़े रहना उनके लिए महत्वपूर्ण है। वह समय-समय पर कुछ बातें और खास पल साझा करती हैं, लेकिन केवल वही चीजें जो उन्हें सही और सहज लगती हैं। उनके अनुसार, जिंदगी के कुछ पल ऐसे होते हैं जिन्हें सिर्फ महसूस किया जाना चाहिए, न कि हर किसी को दिखाया जाना चाहिए।

सोशल मीडिया पर मिलने वाली तारीफ और मान्यता के बारे में बात करते हुए सुम्बुल ने कहा कि आज के समय में लोग अनजाने में लाइक्स और कमेंट्स पर ज्यादा निर्भर होने लगे हैं। उनका मानना है कि किसी व्यक्ति की अहमियत सोशल मीडिया की प्रतिक्रिया से तय नहीं होनी चाहिए। यदि व्यक्ति खुद से संतुष्ट और खुश है।

ईरान और सऊदी अरब के विदेश मंत्रियों में बातचीत, क्षेत्रीय तनाव कम करने पर चर्चा

तेहरान। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची और सऊदी विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान अल सऊद ने फोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय हालात और तनाव कम करने के प्रयासों पर चर्चा की।

इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची और सऊदी अरब में उनके समकक्ष फैसल बिन फरहान अल सऊद के बीच फोन पर बातचीत हुई, जिसमें पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की कूटनीतिक कोशिशों पर चर्चा की गई।

ईरान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों अधिकारियों ने क्षेत्रीय हालात और स्थिरता और तनाव कम करने के लिए चल रही पहलों पर अपने विचार साझा किए।

इससे पहले कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल-थानी ने भी ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची से फोन पर बात की और क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की।

मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता की कोशिशों के साथ-साथ लेबनान की ताजा स्थिति पर भी बात की।

सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अल-थानी ने कहा कि कतर इस संकट का समाधान निकालने के लिए एक व्यापक समझौते का समर्थन करता है। उन्होंने सभी पक्षों से अपील की कि वे मध्यस्थता की कोशिशों में सकारात्मक तरीके से भाग लें, ताकि क्षेत्र में स्थायी शांति और स्थिरता लाई जा सके।

उन्होंने यह भी कहा कि समुद्री मार्गों पर आवाजाही की स्वतंत्रता एक बुनियादी सिद्धांत है और इससे किसी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि होर्मुज स्?ट्रेट को बंद करना या उसे दबाव बनाने के साधन के रूप में इस्तेमाल करना स्थिति को और गंभीर बना सकता है और क्षेत्र के देशों के महत्वपूर्ण हितों को नुकसान पहुंचा सकता है।

यह बातचीत ऐसे समय हुई है जब क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता को आगे बढ़ाने और खाड़ी क्षेत्र में तनाव कम करने की कोशिशें जारी हैं।

होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री सुरक्षा और जहाजों की आवाजाही को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं, क्योंकि यह दुनिया भर में ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण मार्ग है।

बता दें कि संयुक्त राज्य अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी 2026 को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई शुरू की थी। यह संघर्ष 40 दिनों तक चला और सात अप्रैल को पाकिस्तान की मध्यस्थता से हुए युद्धविराम के बाद रोक दिया गया। हालांकि, बाद में अमेरिका ने इस युद्धविराम का उल्लंघन किया और होर्मुज स्ट्रेट में नाकाबंदी लगाने के बाद ईरान से जुड़े जहाजों पर हमला किया।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील 99 प्रतिशत पूरी, शेष एक प्रतिशत पर चल रहा है कामः सर्जियो गोर

मुंबई। प्रस्तावित भारत-अमेरिका ट्रेड डील 99 प्रतिशत पूरी हो चुकी है और बाकी बचे कुछ मुद्दों को सुलझाया जा रहा है। यह बयान बुधवार को भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर की ओर से दिया गया।

साथ ही कहा कि दोनों देश अंतरिम द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए उत्साहित है।

सिटी इंडिया 2026 कॉन्फ्रेंस के साइडलाइन में पत्रकारों से बात करते हुए गोर ने कहा कि दोनों पक्षों के अधिकारी सक्रिय रूप से बातचीत कर रहे हैं और समझौते को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आगे उन्होंने द्विपक्षीय व्यापार समझौते को दोनों पक्षों के लिए लाभकारी बताया।

उन्होंने कहा, 'आज सुबह मेरी मुलाकात वाशिंगटन डीसी से आए अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से हुई। हमारे उप व्यापार वार्ताकार, जो कई दिनों से दिल्ली में चर्चा कर रहे हैं, एक बड़ी टीम के साथ यहां मौजूद हैं।'

गोर ने पत्रकारों से कहा, 'हम समझौते को लेकर बहुत आशावादी हैं। हम 99 प्रतिशत तक पहुंच चुके हैं और शेष एक प्रतिशत पर काम चल रहा है।'

उन्होंने आगे कहा कि वार्ता के अंतिम चरण में प्रवेश करने के साथ ही प्रतिनिधिमंडल बुधवार को केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मिलने के लिए दिल्ली लौटेगा।

उन्होंने बताया, 'प्रतिनिधिमंडल वाणिज्य मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के अधिकारियों से मुलाकात कर रहा है, और हम कल सुबह वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से मिलने के लिए दिल्ली लौटेंगे।'

गोर ने दोनों देशों की द्विपक्षीय व्यापार वार्ता की तेज गति पर कहा कि प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर बातचीत लगभग डेढ़ साल से चल रही है, जबकि यूरोपीय संघ के भारत के साथ व्यापार समझौते में लगभग 19 साल लगे थे।

उन्होंने कहा, 'अमेरिका और भारत दोनों समान विचारधारा वाले साझेदार हैं और समझौते को अंतिम रूप देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा मानना ?है कि यह दोनों देशों के लिए लाभकारी होगा, और हम इसकी संभावनाओं को लेकर बहुत उत्साहित हैं।

ईरान ने यात्री टर्मिनल को बनाया निशाना, ड्रोन हमले में कई घायल : कुवैत

कुवैत। कुवैती रक्षा मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल सऊद अब्दुलअजीज अल-ओतैबी ने बताया कि बुधवार को कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के यात्री टर्मिनल-1 (टी1) को कई ड्रोन हमलों का निशाना बनाया गया। बयान के अनुसार, यह हमला कथित ईरानी आक्रामक कार्रवाई का परिणाम था, जिससे टर्मिनल भवन को भारी नुकसान पहुंचा और कई लोग घायल हो गए।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, हमले के तुरंत बाद आपातकालीन सेवाओं और चिकित्सा टीमों को सक्रिय किया गया। घायलों को आवश्यक चिकित्सीय सहायता प्रदान की गई और उनकी स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों ने प्रभावित क्षेत्र को घेरकर जांच शुरू कर दी है ताकि नुकसान का आकलन किया जा सके और हमले की परिस्थितियों का पता लगाया जा सके।

ब्रिगेडियर जनरल अल-ओतैबी ने कहा कि कुवैत की सशस्त्र सेनाएं संबंधित सरकारी एजेंसियों के साथ मिलकर स्थिति पर लगातार नजर रख रही हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश की सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही, सेना किसी भी संभावित खतरे या नई परिस्थिति से निपटने के लिए पूर्ण रूप से तैयार है।

इस घटना के बाद कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है। अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि वे केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें और सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। हवाई अड्डे के संचालन पर संभावित प्रभाव का आकलन भी किया जा रहा है।

बढ़ते तनाव के बीच इस प्रकार की घटनाएं खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है। कुवैत सरकार ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की आक्रामक कार्रवाई का उचित जवाब दिया जाएगा।

इससे पहले आईआरजीसी की ओर से बयान जारी कर दावा किया गया कि उसने 'आत्मरक्षा में क्षेत्र के किसी देश पर अमेरिका के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की है।

भारत-किर्गिस्तान आर्थिक संबंधों को नई दिशा देने पर चर्चा, व्यापार और निवेश बढ़ाने पर जोर

बिश्केक (किर्गिस्तान)। भारत-किर्गिस्तान के बीच आर्थिक सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से राजधानी बिश्केक में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारत की ओर से वरिष्ठ प्रतिनिधियों और किर्गिस्तान सरकार के अर्थव्यवस्था एवं वाणिज्य मंत्री बैकिट सिडिकोव के बीच व्यापार, उद्योग और निवेश से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे एच.डी. कुमारस्वामी ने बुधवार को एक्स पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। बताया कि यह बातचीत 'रचनात्मक और सकारात्मक माहौल में हुई, जिसमें भविष्य में सहयोग के कई नए क्षेत्रों पर विचार किया गया।'

भारत के किर्गिस्तान में राजदूत एच.ई. बिरेंद्र सिंह यादव भी उपस्थित रहे। उनकी उपस्थिति ने द्विपक्षीय संबंधों को कूटनीतिक स्तर पर और मजबूती प्रदान की।

कुमारस्वामी ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत लगातार अपने साझेदार देशों के साथ संबंधों को मजबूत कर रहा है और वैश्विक मंच पर आर्थिक सहयोग के नए रास्ते खोल रहा है। भारत-किर्गिस्तान साझेदारी न केवल दोनों देशों की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता और विकास के लिए भी लाभकारी साबित होगी।'

बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने भारत-किर्गिस्तान आर्थिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाने की प्रतिबद्धता जताई। चर्चा का मुख्य फोकस व्यापार विस्तार, विनिर्माण क्षेत्र में सहयोग, औद्योगिक विकास और निवेश के नए अवसरों की पहचान पर रहा। दोनों देशों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि आपसी सहयोग बढ़ाने से आर्थिक विकास को गति मिलेगी और दोनों देशों के लिए नए अवसर सृजित होंगे।

मध्य एशिया में भारत की बढ़ती आर्थिक सक्रियता से व्यापारिक अवसरों का विस्तार होगा और ऊर्जा, उद्योग तथा इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई दिशा मिलेगी। दोनों देशों ने भविष्य में नियमित संवाद और उच्च स्तरीय बैठकों के माध्यम से आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति जताई है।

'ईरानी एजेंट्स रच रहे थे अमेरिकी राजनेताओं की हत्या का षड्यंत्र', रूबियो के इस बयान को बाघेई ने बताया 'बेतुका'

वाशिंगटन/तेहरान। तेहरान ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो के उस बयान को सिरे से खारिज किया जिसमें उन्होंने दावा किया था कि अमेरिकी राजनेताओं, यहां तक कि राष्ट्रपति तक की हत्या का षड्यंत्र ईरानी एजेंटों ने रचा था।

ईरान ने आरोपों को बेतुका और बेबुनियाद करार देते हुए इसे 'युद्ध अपराधों से ध्यान भटकाने की कोशिश' बताया। रूबियो ने मंगलवार को राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश विभाग और संबंधित कार्यक्रमों पर बनी हाउस एप्रोप्रियेशन्स सबकमेटी के सामने अपनी राय जाहिर की थी।

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रूबियो के बयान का वीडियो साझा करते हुए लिखा कि 'हर आरोप एक स्वीकारोक्ति है।' उन्होंने आगे कहा कि 'खुद को पीड़ित दिखाने की कोशिश ईरान के खिलाफ किए गए युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों को छुपा नहीं सकती।'

रूबियो ने अपने बयान में कहा था कि कुछ व्यक्तियों को इस तरह की साजिशों में शामिल होने के आरोप में दोषी ठहराया गया है, जिनमें ईरानी एजेंटों की अमेरिकी धरती पर राजनीतिक नेताओं की हत्या की कथित योजना शामिल है।

इसके जवाब में ईरान ने इन दावों को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि अमेरिका अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी छवि को सुधारने के लिए ऐसे आरोपों का सहारा ले रहा है। ईरानी पक्ष ने यह भी दावा किया कि अमेरिका ने क्षेत्र में सैन्य कार्रवाइयों के दौरान नागरिकों को निशाना बनाया है।

ईरान ने अपने बयान में हाल की घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि फरवरी 28 को मिनाब में एक स्कूल पर मिसाइल हमले में 170 से अधिक बच्चों और शिक्षकों की मौत हुई थी। ईरान ने इस घटना को 'मानवाधिकार उल्लंघनों' का उदाहरण बताया।

बयानबाजी ऐसे दौर में हो रही है जब दोनों पक्ष एक-दूसरे पर सीजफायर नियमों को तोड़ने का आरोप लगा रहे हैं। बुधवार को ही कुवैत के हवाई अड्डे पर हमला हुआ जिसमें एक शख्स की मौत हो गई। आईआरजीसी ने बयान जारी कर कहा था कि उसने अमेरिकी प्रतिष्ठानों या उनकी मदद करने वाले देश पर जवाबी कार्रवाई की। आरोप लगाया कि अमेरिकी बलों ने केश्म द्वीप के दक्षिणी भाग में स्थित उसके एक संचार टॉवर पर हवाई हमला किया था।

संगठन ने कहा कि इसके जवाब में उसकी एयरोस्पेस फोर्स ने क्षेत्र के एक देश में मौजूद अमेरिकी हवाई एवं हेलीकॉप्टर अड्डे और अमेरिकी पांचवें बेड़े के मुख्यालय पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। हालांकि ईरान की ओर से किसी देश का नाम नहीं बताया गया था।

अफगानिस्तान में पुराने युद्ध का बिना फटा बम अचानक फटने से किशोर घायल

काबुल । अफगानिस्तान के पूर्वी गजनी प्रांत में मंगलवार को बम फटने से एक किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। यह जानकारी प्रांतीय पुलिस कार्यालय ने बुधवार को दी।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना गिलान जिले में हुई। लड़के को एक खिलौने जैसी दिखने वाली चीज मिली थी और वह उससे खेलने लगा। तभी वह वस्तु अचानक फट गई और लड़का गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया गया कि यह पिछले युद्धों के दौरान बचा हुआ बिना फटा हुआ बम था, जो अचानक फट गया।

अफगानिस्तान दुनिया के उन देशों में गिना जाता है, जहां बारूदी सुरंगों और बिना फटे गोला-बारूद की समस्या सबसे ज्यादा है।

पांच मई को भी अफगानिस्तान के परवान प्रांत में बिना फटे गोला-बारूद से हुए एक विस्फोट में एक युवक की मौत हो गई थी और तीन अन्य घायल हो गए थे। स्थानीय मीडिया ने तालिबान पुलिस के बयान के हवाले से यह जानकारी दी थी।

स्थानीय तालिबान अधिकारियों के अनुसार, समाचार एजेंसी खामा प्रेस ने बताया कि यह घटना बगराम जिले में हुई थी, जहां एक 20 वर्षीय युवक बिना फटे गोला-बारूद के एक टुकड़े को खोलने की कोशिश कर रहा था। विस्फोट में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दो लड़कियां और एक लड़का घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया।

तालिबान के आपदा प्रबंधन अधिकारियों की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक साल में अफगानिस्तान में बारूदी सुरंगों और बिना फटे गोला-बारूद से हुए विस्फोटों में कम से कम 96 लोगों की मौत हुई और 328 लोग घायल हुए।

खामा प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल 2025 से मार्च 2026 के बीच ऐसे 225 हादसे दर्ज किए गए, जिनमें कुल 474 लोग प्रभावित हुए। इनमें 321 बच्चे और 153 वयस्क शामिल थे। बिना फटा गोला-बारूद अफगानिस्तान में एक गंभीर मानवीय खतरा बना हुआ है, खासकर ग्रामीण इलाकों और उन क्षेत्रों में जो पहले संघर्ष का केंद्र रहे हैं।

जेलेंस्की का दावा : 1100 किमी दूर रूस के अहम सैन्य और तेल ठिकानों पर किया हमला

नई दिल्ली। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने दावा किया कि रूसी हमलों के जवाब में यूक्रेनी सुरक्षा बलों ने रूस के कई ठिकानों पर हमले किए हैं। इन हमलों में तेल टर्मिनल, सैन्य अड्डों और हथियार निर्माण से जुड़े प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया, जिससे रूस की युद्ध क्षमता को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर बताया, ' 'यूक्रेन की सुरक्षा सेवा, मानव रहित प्रणालियों की सेना, विशेष अभियान बलों, रक्षा खुफिया विभाग और राज्य सीमा सुरक्षा सेवा के जवानों की ओर से चलाए गए लंबी दूरी के अभियानों से अच्छे नतीजे मिले हैं। बीती रात रूस की जमीन पर मौजूद कई महत्वपूर्ण ठिकानों को निशाना बनाया गया। इनमें सेंट पीटर्सबर्ग ऑयल टर्मिनल भी शामिल था। यूक्रेन की सीमा से रूस के इस तेल उद्योग केंद्र की दूरी लगभग 1,100 किलोमीटर है। यह केंद्र युद्ध से जुड़े कामों में इस्तेमाल होता है। इसके अलावा, क्रोनस्टाट बेस पर मौजूद सैन्य ठिकानों को भी निशाना बनाया गया।

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया कि एक और लक्ष्य तांबोव क्षेत्र में स्थित वह उद्यम था, जो रूसी हथियारों के उत्पादन में शामिल है। यह स्थान मोर्चे से लगभग 600 किलोमीटर दूर है।

जेलेंस्की ने कहा, ' 'मैं हमारे जवानों की सटीक कार्रवाई के लिए उनका धन्यवाद करता हूं। यूक्रेन की लंबी दूरी की कार्रवाई की योजना ठीक उसी तरह लागू की जा रही है जैसा जरूरी है।

जैसलमेर में पाकिस्तानी सिम कार्ड पर पूर्ण प्रतिबंध, जिला प्रशासन का सख्त आदेश

जयपुर। राजस्थान के जैसलमेर जिला प्रशासन ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर कारणों का हवाला देते हुए सीमावर्ती इलाकों में पाकिस्तानी सिम कार्ड के इस्तेमाल और पास रखने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है।

जिला कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट अनुपमा जोरवाल ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत यह आदेश जारी किया है।

आदेश के अनुसार, जैसलमेर के सीमावर्ती क्षेत्रों में किसी भी पाकिस्तानी सिम कार्ड का उपयोग, उसे अपने पास रखना या उसके माध्यम से किसी तरह का संचार स्थापित करना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों ने बताया कि नियम तोड़ने वालों को गिरफ्तार किया जा सकता है और उनके खिलाफ संबंधित सुरक्षा कानूनों के तहत मुकदमा चलाया जाएगा।

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट परसा राम ने आईएएनएस से कहा कि जैसलमेर सीमा से सटा संवेदनशील जिला है, इसलिए यहां अतिरिक्त सतर्कता बरतने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा स्थिति को देखते हुए समय-समय पर ऐसे आदेश जारी किए जाते रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, पाकिस्तान की ओर लगे मोबाइल टावरों के सिग्नल अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगभग 3 से 4 किलोमीटर तक भारतीय क्षेत्र में पहुंच जाते हैं। इसके कारण कुछ इलाकों में पाकिस्तानी सिम कार्ड के जरिए आसानी से संचार संभव हो जाता है।

खुफिया एजेंसियों ने आशंका जताई है कि इस सुविधा का इस्तेमाल जासूसी या राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के लिए किया जा सकता है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, भारत-पाकिस्तान सीमा के पास पाकिस्तान की ओर स्थापित कई मोबाइल टावरों के सिग्नल भारतीय सीमा से लगे गांवों तक पहुंचते हैं। नेटवर्क की इसी पहुंच के कारण जैसलमेर जिले के कुछ क्षेत्रों में पाकिस्तानी स्थानीय सिम कार्ड का इस्तेमाल संभव हो जाता है। अधिकारियों का मानना है कि यह स्थिति सुरक्षा के लिहाज से बड़ा खतरा पैदा कर सकती है। इससे पहले भी सीमा सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं के चलते ऐसे प्रतिबंध लगाए जा चुके हैं। सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों ने आशंका जताई है कि संदिग्ध या असामाजिक तत्व पाकिस्तानी नेटवर्क का उपयोग कर सीमा पार संवेदनशील जानकारियां भेज सकते हैं।

अधिकारियों का कहना है कि विदेशी सिम नेटवर्क के जरिए होने वाले संचार की निगरानी भारतीय दूरसंचार प्रणाली के माध्यम से करना मुश्किल होता है। इससे गुप्त संचार और संवेदनशील सूचनाओं के लीक होने का खतरा बढ़ जाता है।

इसी वजह से प्रशासन ने इस मामले को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा माना है। यह आदेश राजस्थान के संवेदनशील सीमावर्ती जिले जैसलमेर में बढ़ी हुई सतर्कता को दर्शाता है, जहां सुरक्षा एजेंसियां संचार नेटवर्क और लोगों की गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

जनता दर्शन : भूमि संबंधी प्रकरणों में लापरवाही पर सीएम योगी सख्त, अधिकारियों को दिए निर्देश

गोरखपुर। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में भूमि संबंधी शिकायतों पर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने डीएम को निर्देशित किया कि भूमि संबंधी शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित होनी चाहिए। प्रकरण की गंभीरता के अनुसार संबंधित के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की जाए। किसी भी स्तर पर शिथिलता या लापरवाही कतई क्षम्य नहीं है।

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन बुधवार को गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। कुछ लोगों ने जमीन से जुड़े मामलों में राजस्व कर्मियों की तरफ से लापरवाही किए जाने की शिकायत की तो उन्होंने डीएम को तत्काल कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए।

इस अवसर पर इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे लोगों से उन्होंने कहा कि सरकार इलाज में पूरी मदद करेगी। इसके लिए जरूरतमंद लोगों का आयुष्मान कार्ड बनवाया जाएगा और इसके बाद भी जरूरत पड़ी तो विवेकाधीन कोष से सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर जरूरतमंद, पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवाना सुनिश्चित किया जाए, ताकि उन्हें इलाज के लिए परेशान न होना पड़े।

गोरखनाथ मंदिर परिसर में महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 150 लोगों से मिले। उनके पास जाकर उनकी समस्याएं सुनीं। उनके प्रार्थना पत्रों का अवलोकन कर समस्या, शिकायत का संज्ञान लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिया कि किसी को परेशान होने की जरूरत नहीं है, सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है।

एक महिला ने कुछ लोगों द्वारा मकान से बेदखल किए जाने की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने अफसरों से कहा कि मकान पर महिला का कब्जा दिलाया जाए। उन्होंने अलग-अलग मामलों के निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित करते हुए निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिप्रद होना चाहिए।

जनता दर्शन में एक महिला ने मां के इलाज के लिए सहायता देने का निवेदन किया। मुख्यमंत्री ने आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा। महिला ने बताया कि उसके पास आयुष्मान कार्ड नहीं है। इस पर सीएम ने मौके पर मौजूद अफसरों को निर्देशित किया कि जल्द से जल्द इनका आयुष्मान कार्ड बनवाया जाए। अधिकारी हर जरूरतमंद का आयुष्मान कार्ड बनवाएं, ताकि उन्हें इलाज के लिए परेशान न होना पड़े।

संक्षिप्त खबर

सरकार ने प्रदेश को विकास के बजाय बदनामी दीः अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सरकार पर भ्रष्टाचार, बदहाल बुनियादी सुविधाओं और शिक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में विकास की बजाय अव्यवस्था और घोटालों का माहौल है।

उन्होंने दावा किया कि सड़क, शिक्षा, रोजगार और निवेश जैसे मुद्दे वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में प्रमुख विषय बनेंगे और जनता इन सवालों पर सरकार से जवाब मांगेगी। अखिलेश यादव ने बुधवार को कहा कि सरकार ने प्रदेश को विकास के बजाय बदनामी दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के विभिन्न विभागों में भ्रष्टाचार और लूट व्याप्त है, जिसका असर प्रदेश की छवि पर भी पड़ रहा है। उन्होंने आगरा का उल्लेख करते हुए कहा कि दुनिया भर से आने वाले पर्यटक ऐतिहासिक धरोहरों को देखकर प्रभावित होते हैं, लेकिन खराब सड़कों और बुनियादी सुविधाओं की स्थिति प्रदेश की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े करती है। सपा प्रमुख ने कहा कि पर्यटन, होटल, गाइड, टैक्सी, टूर ऑपरेटर, हस्तशिल्प, पेठा और जूता उद्योग जैसे क्षेत्रों पर आर्थिक सुस्ती का असर दिखाई दे रहा है। उन्होंने दावा किया कि खराब आधारभूत ढांचा और प्रशासनिक व्यवस्थाएं निवेश के माहौल को भी प्रभावित कर रही हैं।

1 अक्टूबर से 'नो पीयूसीसी, नो फ्यूल' : एनसीआर की हवा साफ करने का प्लान, प्रदूषण 35 प्रतिशत तक घटाना लक्ष्य

लखनऊ। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण पर निर्णायक प्रहार की तैयारी करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 2026 के दौरान प्रदूषण स्तर में 30 से 35 प्रतिशत तक कमी लाने का लक्ष्य तय किया है। इस दिशा में पुराने और प्रदूषणकारी वाहनों के खिलाफ अभियान तेज किया जाएगा, जबकि 1 अक्टूबर से एनसीआर के सभी पेट्रोल पंपों पर 'नो पीयूसीसी, नो फ्यूल' व्यवस्था लागू की जाएगी। इसके तहत प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) के बिना वाहनों को ईंधन नहीं मिलेगा। मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में बुधवार को आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में एनसीआर क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सुधार और प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े विभिन्न विभागों की कार्ययोजना की समीक्षा की गई। बैठक में उन्होंने सभी विभागों को समन्वित और परिणामोन्मुख कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि वाहन प्रदूषण, औद्योगिक उत्सर्जन, सड़क की धूल, निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट (सी एंड डी वेस्ट), हरित आवरण विस्तार और पराली प्रबंधन जैसे प्रमुख प्रदूषण स्रोतों पर विशेष फोकस किया जा रहा है। साथ ही आम नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा।

बैठक में बताया गया कि 'नया सफर' योजना के तहत एनसीआर के चार जिलों में 26.19 लाख एंड-ऑफ-लाइफ (ईओएल) वाहनों की पहचान की गई है। जनवरी से अप्रैल 2026 के बीच 37,156 पुराने वाहनों को स्क्रैप किया गया, जबकि 460 वाहनों को जब्त किया गया है। आगामी अक्टूबर से लागू होने वाली 'नो पीयूसीसी, नो फ्यूल' व्यवस्था के लिए एनसीआर के 1,041 पेट्रोल पंपों पर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकॉग्निशन (एएनपीआर) कैमरे लगाए जाएंगे। स्वच्छ सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और मेरठ में कुल 975 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

एसआईआर के जरिए 6.5 करोड़ नाम काटे गए, गरीब मुस्लिमों का वोट छीनने की तैयारीः ओवैसी

हैदराबाद। एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को कहा कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का इस्तेमाल बाहर किए गए भारतीयों का एक स्थायी वर्ग बनाने के लिए किया जाएगा।

उन्होंने दावा किया कि 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर के तहत वोटर लिस्ट से 6.5 करोड़ नाम हटा दिए गए।

हैदराबाद के सांसद ने एक्स पोस्ट में केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वह उन नामों को हटाने की जांच के लिए एक कमेटी बनाने और अवैध प्रवासियों की पहचान, हिरासत और देश निकाले के लिए एक पक्का सिस्टम बनाने का प्रस्ताव ला रही है।

ओवैसी ने पोस्ट में लिखा, 'केंद्र सरकार ने पहले कागजों पर आधारित एसआईआर लागू किया, जिससे 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की वोटर लिस्ट से करीब 6.5 करोड़ नाम हटा दिए गए। अब वह उन्हीं हटाए गए नामों की जांच के लिए एक कमेटी बनाना चाहती है और अवैध प्रवासियों की पहचान, हिरासत और देश-निकाले के लिए एक पक्का सिस्टम बनाना चाहती है।

उन्होंने कहा कि एसआईआर का इस्तेमाल उन भारतीयों का एक पक्का वर्ग बनाने के लिए किया जाएगा जिन्हें बाहर कर दिया गया है। गरीबों के पास वोट देने का अधिकार ही ताकतवर लोगों के खिलाफ एकमात्र हथियार है। इसके बिना सरकार उनके साथ जो चाहेगी, वह करेगी। हम पहले से ही ऐसी खबरें देख रहे हैं कि लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि कानून के अनुसार, एसआईआर के तहत किसी का नाम हटाए जाने का मतलब यह नहीं है कि वह व्यक्ति नागरिक नहीं है। 27 लाख लोग अभी भी जांच के दायरे में हैं और उनमें से कई लोग फॉर्म 6 के जरिए वोटर के तौर पर अपना नाम दर्ज करवाने के लिए फिर से आवेदन कर सकते हैं।

ईसीआई ने खुद इस बारे में कोई डाटा नहीं दिया है कि उसने कितने लोगों को इसलिए बाहर किया, क्योंकि वे विदेशी थे। उपलब्ध डाटा से पता चलता है कि एसआईआर द्वारा बाहर किए गए ज्यादातर लोग मुस्लिम, महिलाएं, गरीब और प्रवासी हैं।

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि सरकार का अपना डाटा दिखाता है कि हमारी जनसांख्यिकी और आबादी स्थिर हो गई है और हमारा टीएफआर 2.0 है तो फिर हमें इस समिति की क्या जरूरत है? ताकि मुसलमानों के खिलाफ लगातार शक और डर का माहौल बना रहे।

उन्होंने कहा कि इस सरकार को भारतीयों का समय कागजी कार्रवाई में बर्बाद करवाना बहुत पसंद है। कभी यह केवाईसी या एसआईआर होता है तो कभी किसी पोर्टल पर कोई दस्तावेज अपलोड करना होता है, लेकिन यह एक साधारण परीक्षा भी ठीक से आयोजित नहीं कर सकती। आम लोगों की जांच सरकार करती है, लेकिन सरकार की जांच हम नहीं कर सकते।

जनता दर्शन : भूमि संबंधी प्रकरणों में लापरवाही पर सीएम योगी सख्त, अधिकारियों को दिए निर्देश

जामताड़ा। झारखंड के जामताड़ा जिले में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसी का एक प्रेरणादायक उदाहरण उदलबनी पंचायत के धनबाद गांव की रहने वाली रेखा बेसरा हैं। वह कभी दूसरों के खेतों में मजदूरी कर परिवार का पालन पोषण कर रही थीं, लेकिन आज वह योजना का लाभ उठाकर सफल मुर्गी पालन उद्यमी के रूप में अपनी पहचान बना चुकी हैं। रेखा बेसरा बताती हैं कि कुछ वर्ष पहले तक परिवार की आर्थिक स्थिति काफी कमजोर थी। उनके पति मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे और घर चलाना मुश्किल हो रहा था। इसी दौरान स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने उन्हें आजीविका मिशन के बारे में जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने समूह से जुड़कर प्रशिक्षण प्राप्त किया और बैंक से एक लाख रुपए का ऋण लेकर मुर्गी पालन का व्यवसाय शुरू किया। आज रेखा के पास करीब 100 मुर्गियां हैं और उनका छोटा व्यवसाय लगातार बढ़ रहा है। मुर्गी पालन से होने वाली आय ने उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है। अब रेखा और उनके पति लखेश्वर मुर्मू दोनों मिलकर मुर्गी फार्म का संचालन करते हैं। परिवार की आय बढ़ने से बच्चों की शिक्षा और परवरिश भी बेहतर तरीके से हो रही है। रेखा के पति लखेश्वर मुर्मू अब अपने ही व्यवसाय का संचालन कर रहे हैं। वे फार्म की देखरेख और अंडों की बिक्री का काम संभालते हैं। रेखा द्वारा उत्पादित अंडों की स्थानीय बाजार में अच्छी मांग है और अधिकांश उत्पाद आसानी से बिक जाते हैं। जामताड़ा जिले में रेखा बेसरा जैसी अनेक महिलाएं आजीविका मिशन के तहत मुर्गी पालन, बकरी पालन और अंडा उत्पादन जैसे स्वरोजगार से जुड़कर अपनी आय बढ़ा रही हैं।

कुंभ मेले की स्टार मोनालिसा के पति को बड़ी राहत, केरल हाई कोर्ट ने ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी

कोच्चि। केरल हाई कोर्ट ने बुधवार को कुंभ मेले की वायरल मोनालिसा भोसले के पति मोहम्मद फरमान को एक आपराधिक मामले में ट्रांजिट अग्रिम जमानत दे दी। यह मामला मध्य प्रदेश पुलिस ने मोनालिसा के पिता की शिकायत के आधार पर दर्ज किया था।

जस्टिस कौसर एडापगाथ ने फरमान को गिरफ्तारी से एक महीने की सुरक्षा दी, जिससे उसे मध्य प्रदेश की संबंधित अदालतों में जाने और नियमित अग्रिम जमानत मांगने का समय मिल सके। अदालत ने निर्देश दिया कि फरमान को एक महीने की अवधि पूरी होने तक गिरफ्तार नहीं किया जाएगा।

यह आदेश उस समय आया, जब अदालत अंतर-धार्मिक जोड़े द्वारा दायर अग्रिम जमानत याचिका पर विचार कर रही थी। दोनों पक्षों की विस्तृत दलीलें सुनने के बाद अदालत ने मंगलवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

फरमान पर अपहरण और जालसाजी के आरोपों सहित, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, बाल विवाह निषेध अधिनियम, यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता के विभिन्न प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मध्य प्रदेश पुलिस के केस में आरोप लगाया गया है कि शादी के समय मोनालिसा नाबालिग थी और फरमान ने धोखाधड़ी से शादी का सर्टिफिकेट हासिल किया था।

इस जोड़े की तरफ से पेश होते हुए वकील एम ससिंद्रन ने दलील दी कि ये आरोप झूठे हैं और शूटिंग के दौरान दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो गया था, जिसके बाद उन्होंने केरल के नेय्याट्टिनकारा में शादी करने का फैसला किया।

8 जून को इंडिया ब्लॉक की बैठक में शामिल होंगी ममता बनर्जी, अभिषेक भी रहेंगे मौजूद

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी 8 जून को नई दिल्ली में होने वाली इंडिया ब्लॉक की बैठक में शामिल होंगे।

दिलचस्प बात यह है कि उसी दिन अभिषेक बनर्जी को पश्चिम बंगाल पुलिस के क्रिमिनल इन्वेस्टीगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) मुख्यालय में पूछताछ के लिए भी बुलाया गया है। यह पूछताछ तृणमूल कांग्रेस के कुछ विधायकों के हस्ताक्षर में कथित गड़बड़ी से जुड़े मामले में की जानी है।

पहले अभिषेक बनर्जी को 1 जून को सीआईडी कार्यालय में पेश होने का नोटिस दिया गया था, लेकिन उन्होंने उपस्थित होने के बजाय 15 दिन का समय मांगा था। उनका कहना था कि 30 मई को दक्षिण 24 परगना जिले के सोनारपुर में उन पर हुए हमले के कारण उनकी तबीयत ठीक नहीं है।

हालांकि, 1 जून की शाम सीआईडी ने उन्हें दूसरा नोटिस जारी कर 8 जून को पेश होने के लिए कहा। टीएमसी के एक विधायक ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि 4 मई को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद ममता बनर्जी ने भाजपा के खिलाफ नया आंदोलन शुरू करने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि यह आंदोलन सिर्फ राज्य तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी इंडिया ब्लॉक के सहयोग से चलाया जाएगा।

विधायक के मुताबिक, 8 जून को इंडिया ब्लॉक की बैठक में ममता बनर्जी की मौजूदगी इसी दिशा में पहला बड़ा कदम होगी। उन्होंने यह भी कहा कि 30 मई को सोनारपुर में अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले के बाद इंडिया ब्लॉक के लगभग सभी प्रमुख नेताओं ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी और उनका समर्थन किया था।

चुनाव आयोग के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मीडिया की भूमिका और चुनावी नवाचारों पर वैश्विक मंथन

नई दिल्ली। नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन बुधवार को शुरू हुआ। इस सम्मेलन में चुनावी प्रक्रियाओं और अभियानों में मीडिया की भूमिका से जुड़ी वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं और नवाचारों पर चर्चा की जाएगी।

इस सम्मेलन का उद्देश्य चुनाव प्रबंधन में मीडिया के उपयोग, चुनौतियों और अंतरराष्ट्रीय अनुभवों को साझा करना और बेहतर मानकों को विकसित करना है।सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग 100 करोड़ से अधिक मतदाताओं तक प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) और बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) सहित जमीनी स्तर के चुनावी कार्यकर्ताओं को नियमित प्रशिक्षण प्रदान करता है।

उन्होंने कहा कि हाल के राज्य विधानसभा चुनावों में मतदाताओं की रिकॉर्ड भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि चुनावी प्रक्रिया में जनता का विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है।

इस सम्मेलन में 480 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ), निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), विषय विशेषज्ञ, शिक्षाविद, शोधकर्ता और चुनावी साक्षरता क्लब (ईएलसी) के सदस्य शामिल हैं। प्रतिभागी चुनावी संचार, मीडिया प्रबंधन और डिजिटल युग में चुनावी पारदर्शिता से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करेंगे।

इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य एक ऐसा व्यावहारिक और ज्ञान-आधारित वैश्विक संसाधन तैयार करना है, जो चुनाव प्रबंधन के विभिन्न आयामों में अंतरराष्ट्रीय अनुभवों, आदर्श मानकों और सर्वोत्तम प्रथाओं को दर्ज कर सके। यह संसाधन 23 जनवरी को आयोजित 'लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन पर भारत अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन' में अपनाई गई 'दिल्ली घोषणा' के तहत तैयार की जा रही अंतिम विषयगत रिपोर्ट में योगदान देगा।

मध्य प्रदेश में गर्भवती महिलाओं और नवजात बच्चों का एचआईवी पीड़ित होना चिंताजनक : कमलनाथ

भोपाल । मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के एचआईवी पीड़ित पाए जाने पर चिंता जताई है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की ओर से दिए गए एक बयान में कहा गया है कि मध्य प्रदेश में पिछले 5 साल में 200 से अधिक एचआईवी पॉजिटिव बच्चों का जन्म होना अत्यंत चिंता का विषय है। यही नहीं वर्ष 2025-26 में 743 गर्भवती स्त्रियां एचआईवी पॉजिटिव पाई गई।

एचआईवी पीड़ित महिलाओं और नवजात शिशु को गंभीर बताते हुए कमलनाथ ने कहा कि इस गंभीर स्थिति के बावजूद गर्भवती महिलाओं की न तो सही से जांच हो रही है और न ही सभी को उचित तरीके से दवा उपलब्ध कराई जा रही है। एचआईवी संक्रमण के मामले में इस तरह की गंभीर लापरवाही किसी भी तरह बर्दाश्त नहीं की जा सकती।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने कहा है कि इस गंभीर बीमारी पर भाजपा सरकार को विशेष कदम उठाने चाहिए।

दरअसल एक रिपोर्ट सामने आई है जिसमें कहा गया है कि राज्य में एचआईवी पॉजिटिव गर्भवती महिलाओं की संख्या में बीते 5 साल में 45 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसके साथ ही बीते 5 सालों में 201 ऐसे नवजात शिशुओं ने जन्म लिया जो एचआईवी पीड़ित संक्रमित हैं और उनकी मां भी इससे प्रभावित है। राज्य में इन दिनों स्वास्थ्य सेवाएं सियासी मुद्दा बनी हुई हैं।

कांग्रेस का आरोप है कि राज्य की स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह गड़बड़ा चुकी हैं परिणामस्वरूप आम आदमी को जरूरत के मुताबिक स्वास्थ्य सुविधाएं हासिल नहीं हो पा रही हैं। चिकित्सकों के पद रिक्त हैं और अस्पताल में वे सुविधाएं नहीं है जो मरीज के लिए आवश्यक है तो वहीं दूसरी ओर सरकार राज्य में स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर होने का दावा कर रही है। साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि राज्य के हर जिले में चिकित्सा महाविद्यालय शुरू हो रहा है इसके अलावा दूरस्थ इलाकों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ी है।

भारत के ब्रॉडबैंड इंफ्रास्ट्रक्चर का महत्वपूर्ण पूरक बन सकता है पब्लिक वाई-फाई: उद्योग संगठन

नई दिल्ली। नीति थिंक-टैंक ब्रॉडबैंड इंडिया फोरम (बीआईएफ) ने बुधवार को भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (टीआरएआई) के उस दृष्टिकोण का स्वागत किया, जिसमें पब्लिक वाई-फाई को सस्ती और सर्वसुलभ ब्रॉडबैंड सेवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण पूरक इंफ्रास्ट्रक्चर के रूप में औपचारिक मान्यता दी गई है। सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क के विस्तार पर ट्राई के परामर्श पत्र (कंसल्टेशन पेपर) के जवाब में बीआईएफ ने कहा कि भारत की भविष्य की डिजिटल महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए केवल मोबाइल नेटवर्क पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं हो सकता। फोरम के अनुसार, पब्लिक वाई-फाई इंटरनेट सेवाओं को अधिक किफायती बना सकता है, इनडोर कनेक्टिविटी को बेहतर कर सकता है, स्पेक्ट्रम की दक्षता बढ़ा सकता है और मोबाइल नेटवर्क पर बढ़ते ट्रैफिक का बोझ कम कर सकता है।

बीआईएफ ने ट्राई से आग्रह किया कि वह एक व्यापक राष्ट्रीय रणनीति की सिफारिश करे, जिसमें बुनियादी ढांचे का विस्तार, बड़े स्तर पर इकोसिस्टम का विकास, तकनीकी आधुनिकीकरण, उपयोगकर्ताओं में जागरूकता और अपनाने को बढ़ावा देना शामिल हो।

फोरम ने सुझाव दिया कि पीएम-वानी को भारतनेट, राज्य स्तरीय फाइबर नेटवर्क, स्मार्ट सिटी परियोजनाओं और अन्य सार्वजनिक डिजिटल परिसंपत्तियों के साथ जोड़ा जाए, ताकि देशभर में वाई-फाई हॉटस्पॉट की स्थापना तेज हो सके।

बीआईएफ ने उपभोक्ताओं, कारोबारियों और स्थानीय उद्यमियों को पब्लिक वाई-फाई की किफायती लागत, सुरक्षा, विश्वसनीयता और फायदों के बारे में जानकारी देने के लिए देशव्यापी जागरूकता अभियान शुरू करने की सिफारिश की।

फोरम ने कहा कि पीएम-वानी को मजबूत करने के लिए कुछ बड़े सुपर पीडीओए (पब्लिक डेटा ऑफिस एग्रीगेटर), स्केलेबल पीडीओए और ऐप प्रदाताओं का मजबूत इकोसिस्टम विकसित किया जाना चाहिए।

इससे अलग-अलग हॉटस्पॉट्स को एक विश्वसनीय, इंटरऑपरेबल और निवेश के अनुकूल डिजिटल प्लेटफॉर्म में बदला जा सकेगा। ब्रॉडबैंड इंडिया फोरम के अध्यक्ष टीवी रामचंद्रन ने कहा कि पब्लिक वाई-फाई देश की सबसे महत्वपूर्ण डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचनाओं में से एक है, जिसमें डिजिटल खाई (डिजिटल डिवाइड) को कम करने की क्षमता है।

उन्होंने कहा कि पीएम-वानी ने वर्षों से चले आ रहे नियामकीय प्रतिबंधों को हटाकर भारत के पब्लिक वाई-फाई इकोसिस्टम को खोल दिया है और इसे बड़े स्तर तक पहुंचने का उचित अवसर दिया जाना चाहिए।

रामचंद्रन ने कहा कि ऐसा इकोसिस्टम विकसित किया जाना चाहिए, जहां दूरसंचार सेवा प्रदाता (टीएसपी) और इंटरनेट सेवा प्रदाता (आईएसपी) पब्लिक वाई-फाई को प्रतिस्पर्धी सेवा नहीं, बल्कि ब्रॉडबैंड विस्तार के एक पूरक अवसर के रूप में देखें।

वेब टेलीस्कोप ने कैद किया इंटरस्टेलर कॉमेट 3आई-एटलस का केमिकल फिंगरप्रिंट

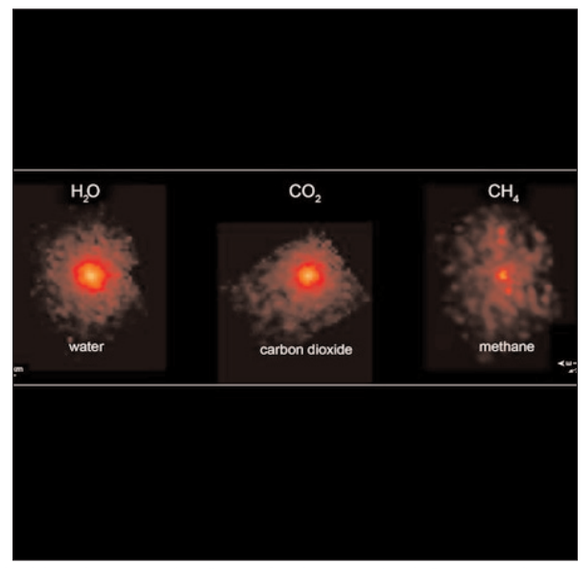

नई दिल्ली। यूरोपीय स्पेस एजेंसी (ईएसए) ने एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक खोज की जानकारी साझा करते हुए बताया है कि जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप ने पहली बार किसी इंटरस्टेलर यानी दूसरे स्टार सिस्टम से आए खगोलीय पिंड का विस्तृत केमिकल फिंगरप्रिंट रिकॉर्ड किया है।

यह अध्ययन कॉमेट 3आई-एटलस (धूमकेतु) पर किया गया, जो सूर्य की परिक्रमा करने के बाद अब हमारे सौरमंडल से बाहर निकल रहा है। यह धूमकेतु सूरज के करीब आने के बाद सौर मंडल से बाहर निकल रहा था, तभी वेब टेलीस्कोप ने इसके चारों ओर मौजूद गैसों का विस्तृत विश्लेषण किया। इससे पता चला कि यह धूमकेतु हमारे सौर मंडल के सामान्य धूमकेतुओं से काफी अलग है।

वेब टेलीस्कोप के अनुसार, धूमकेतु के कोमा (गैसीय आवरण) में पानी की भाप दूर-दूर तक फैली हुई थी। यह बर्फीले कणों से निकल रही थी जो नाभिक (न्यूक्लियस) से काफी दूर थे। वहीं, कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन मुख्य रूप से कोर के करीब पाए गए। सबसे खास बात यह रही कि मीथेन की मौजूदगी पहली बार किसी इंटरस्टेलर धूमकेतु में दर्ज की गई है।

वैज्ञानिकों को सबसे ज्यादा हैरानी इस बात की हुई कि पानी की तुलना में मीथेन की मात्रा काफी अधिक पाई गई। यह स्तर सौर मंडल के धूमकेतुओं में बहुत कम देखा जाता है। इसके अलावा, कार्बन डाइऑक्साइड और पानी का अनुपात भी असामान्य रूप से ज्यादा था।

विशेषज्ञों का कहना है कि ये संकेत बताते हैं कि धूमकेतु 3आई एटलस हमारे सूर्य जैसी किसी और जगह, बहुत अलग परिस्थितियों में बना था। अनुमान है कि यह किसी दूसरे तारे के चारों ओर जहां तापमान और रासायनिक वातावरण पूरी तरह भिन्न था, वहां पर बना हो।

वेब टेलीस्कोप ने इस धूमकेतु को दो बार ऑब्जर्व किया। पहली बार दिसंबर 2025 के मध्य में जब यह सूरज से लगभग 330 मिलियन किलोमीटर दूर था। दूसरी बार 27 दिसंबर 2025 को, जब यह और दूर चला गया था और दूरी बढ़कर 380 मिलियन किलोमीटर हो गई थी। दोनों अवसरों पर मिले डेटा से वैज्ञानिकों को इसकी उत्पत्ति और संरचना का बेहतर अंदाजा लगा। ईएसए ने कहा कि हो सकता है कि हम इस धूमकेतु को फिर कभी न देख सकें, क्योंकि यह अब हमारे सौर मंडल से बहुत दूर जा चुका है। लेकिन इसने हमें एक खास जानकारी दी है।

विश्व साइकिल दिवस : फिट रहने का सस्ता और असरदार तरीका, हर उम्र के लिए फायदेमंद साइकिलिंग

नई दिल्ली । आज की तेज रफ्तार और व्यस्त जीवन में पेट्रोल-डीजल की चिंता किए बिना यात्रा करने का सबसे सस्ता और स्वास्थ्यवर्धक तरीका है साइकिल चलाना। साइकिल न सिर्फ सफर को आसान बनाती है बल्कि शरीर और मन दोनों को चुस्त-दुरुस्त रखने में भी अहम भूमिका निभाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ साइकिल को सेहत का सच्चा साथी मानते हैं।

हर साल 3 जून को विश्व साइकिल दिवस मनाया जाता है। ऐसे में भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के साथ ही हेल्थ एक्सपर्ट्स भी साइकिलिंग को बेहद फायदेमंद बताते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, नियमित साइकिल चलाने से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों मजबूत होते हैं। यह एक ऐसा व्यायाम है, जो रोजमर्रा की भागदौड़ में आसानी से शामिल किया जा सकता है।

साइकिलिंग से दिमाग तेज और चुस्त होता है। कई अध्ययनों में पाया गया है कि रोजाना साइकिल चलाने से याददाश्त सुधरती है और एकाग्रता बढ़ती है। इसमें शरीर में एंडॉर्फिन हॉर्मोन निकलता है, जिसे खुशी का हॉर्मोन कहा जाता है। इससे तनाव, चिंता और डिप्रेशन जैसी समस्याएं दूर होती हैं।

यह हल्का-फुल्का व्यायाम है, इसलिए घुटनों और जोड़ों पर ज्यादा दबाव नहीं पड़ता। पुराने दर्द से परेशान लोग भी इसे आसानी से कर सकते हैं। ताजी हवा में साइकिल चलाने से रचनात्मक सोच बढ़ती है और दिमाग को नई ऊर्जा मिलती है। जिन लोगों को अनिद्रा की शिकायत है, उनके लिए साइकिलिंग बहुत उपयोगी साबित होती है। नियमित साइकिलिंग से रात में गहरी और आरामदायक नींद आती है। वजन कम करने में भी यह कारगर है। आधे घंटे की मध्यम गति वाली साइकिलिंग से 200 से 300 कैलोरी बर्न हो सकती है, जिससे मोटापा नियंत्रित रहता है।

इसके अलावा, साइकिलिंग हृदय को मजबूत बनाती है, ब्लड शुगर को कंट्रोल करती है, डायबिटीज का खतरा घटाती है और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है। शहरों में बढ़ते ट्रैफिक जाम और प्रदूषण को देखते हुए साइकिलिंग पर्यावरण को बचाने में भी मदद करती है।

हालांकि, कुछ सावधानियां भी जरूरी हैं।

साइकिलिंग ज्यादातर लोगों के लिए सुरक्षित है, लेकिन कुछ खास स्थितियों में सावधानी बरतनी चाहिए। गंभीर हृदय रोग वाले मरीजों, हाल ही में सर्जरी कराए लोगों, चक्कर आने की समस्या, गंभीर गठिया या जोड़ों में सूजन वाले लोगों को डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए। गर्भवती महिलाओं को बिना चिकित्सकीय सलाह के साइकिलिंग नहीं करनी चाहिए।

बुढ़ापे में स्वस्थ रहने के लिए योग : तन-मन की गर्मी पर शीतली प्राणायाम से लगाएं ब्रेक

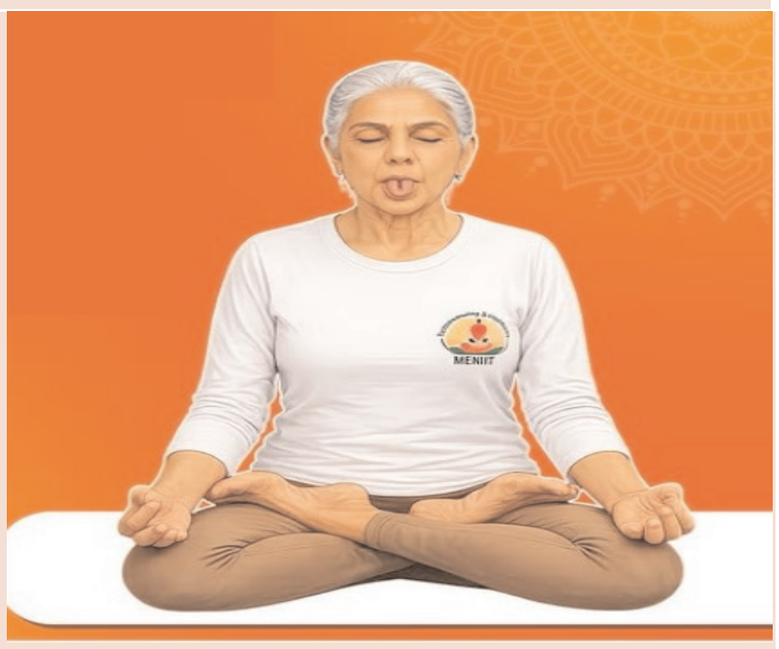

नई दिल्ली। मौसम में होने वाले बदलाव का सबसे ज्यादा असर बच्चों व बढ़ती उम्र वाले लोगों को झेलना पड़ता है। वहीं, देश भर के कई हिस्सों में पड़ रही भीषण गर्मी की वजह से बुजुर्गों को शारीरिक व मानसिक गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में भारत सरकार का आयुष मंत्रालय शीतली प्राणायाम को दिनचर्या में शामिल करने की सलाह देता है, जो तन-मन की गर्मी को भगाने का प्रभावी समाधान हो सकता है।

यह प्राचीन योगिक श्वास अभ्यास शरीर को अंदर से ठंडक प्रदान करता है और तनाव को भी कम करता है। शीतली प्राणायाम में जीभ को बाहर निकालकर उसे नली के आकार में मोड़ लिया जाता है और धीरे-धीरे सांस अंदर खींची जाती है। इसके बाद मुंह बंद करके नाक से सांस छोड़ी जाती है। यह सरल अभ्यास शरीर की आंतरिक गर्मी को संतुलित करने में मदद करता है। विशेष रूप से बढ़ती उम्र में जब शरीर में गर्मी बढ़ने, चिड़चिड़ापन और नींद की समस्या आम हो जाती है, तब शीतली प्राणायाम बेहद फायदेमंद साबित होता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, यह प्राणायाम न सिर्फ शरीर को ठंडा करता है बल्कि मन को भी शांत रखता है। इससे गर्मियों में होने वाली थकान, जलन और तनाव में कमी आती है। नियमित अभ्यास से ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है और पाचन तंत्र भी मजबूत होता है। उम्र बढ़ने के साथ जोड़ों की समस्या, चिंता और अनिद्रा जैसी दिक्कतें बढ़ती हैं। शीतली प्राणायाम इन समस्याओं को प्राकृतिक तरीके से कम करने में सहायक है।

इस बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 की थीम 'स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग' रखी गई है। ऐसे में मंत्रालय लोगों को सलाह दे रहा है कि रोजाना की दिनचर्या में ऐसे आसान योग अभ्यास शामिल करें जो उम्र के हर पड़ाव पर स्वास्थ्य, संतुलन और खुशहाली बनाए रखें। शीतली प्राणायाम इन्हीं अभ्यासों में से एक है। शीतली प्राणायाम अभ्यास के लिए शांत और साफ जगह पर आसन लगाकर बैठ जाएं, आंखें बंद रखें और शरीर को ढीला छोड़ दें।

योग से बुढ़ापे में रहेंगे स्वस्थ, आयुष मंत्रालय ने बताए बढ़ती उम्र में योगाभ्यास के फायदे

नई दिल्ली। विश्व योग दिवस 2026 अब बस कुछ ही दिनों की दूरी पर है। इस बार का योग दिवस खासतौर पर 'बढ़ती उम्र' को लेकर केंद्रित है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने स्पष्ट संदेश दिया है कि उम्र कोई बाधा नहीं, बल्कि यह सिर्फ एक नंबर है। असली महत्व इस बात का है कि आप कैसे जी रहे हैं, कितनी सक्रियता के साथ दिन बिता रहे हैं और जीवन के हर पल में कितने जागरूक हैं।

हेल्थ एक्सपर्ट्स का मानना है कि बुढ़ापे को योगासन के अभ्यास के साथ सेहतमंद बनाया जा सकता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, स्वस्थ बुढ़ापे की नींव रोजाना सक्रिय रहने से पड़ती है। योग इस दिशा में बेहद कारगर साबित हो रहा है। नियमित योगाभ्यास से शारीरिक ताकत, संतुलन, लचीलापन और मानसिक शांति तीनों बढ़ते हैं। इससे न सिर्फ उम्र बढ़ने से जुड़ी समस्याएं कम होती हैं, बल्कि जीवन अधिक ऊर्जावान और खुशहाल बनता है।

योग एक्सपर्ट्स बताते हैं, योग सिर्फ व्यायाम नहीं, बल्कि जीवनशैली है। परिवार की देखभाल के साथ-साथ अपनी सेहत का भी ध्यान रखना जरूरी है। कई लोग उम्र बढ़ने के साथ शारीरिक कमजोरी, जोड़ों के दर्द, तनाव और नींद की समस्या का सामना करते हैं। योग इन सभी को प्राकृतिक रूप से नियंत्रित करने में मदद करता है। आसन, प्राणायाम और ध्यान के जरिए शरीर और मन दोनों को मजबूत बनाया जा सकता है।

योगासन के कई शारीरिक फायदे हैं, इससे मांसपेशियों की ताकत बढ़ती है, हड्डियां मजबूत होती हैं और शरीर का संतुलन बना रहता है। गिरने का खतरा कम होता है। तनाव, चिंता और डिप्रेशन घटता है।

मन शांत रहता है और याददाश्त तेज होती है। नियमित योगाभ्यास से इम्युनिटी बढ़ती है, जिससे उम्र बढ़ने पर होने वाली बीमारियां कम प्रभावित करती हैं।

आयुष मंत्रालय का मानना है कि योग हर उम्र के लोगों के लिए उपयोगी है। युवा हों या बुजुर्ग, सभी इसे अपनी दिनचर्या में शामिल कर लंबा और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। इसके लिए घर पर रोजाना 20-30 मिनट योग करने की आदत डालें।

एनीमिया की वजह बन सकता है अनहेल्दी खाना, बचाव के लिए इन बातों का रखें ध्यान

नई दिल्ली। बदलती जीवनशैली और फास्ट फूड की बढ़ती आदतों के बीच अनहेल्दी खानपान लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल रहा है। खुद को लेकर की गई ये लापरवाही एनीमिया जैसी स्वास्थ्य समस्याओं की भी वजह बनते जा रहे हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि शरीर को जरूरी पोषक तत्व न मिलने पर एनीमिया जैसी समस्या जन्म ले सकती है। यह एक ऐसी स्थिति है, जिसमें शरीर में पर्याप्त मात्रा में स्वस्थ लाल रक्त कोशिकाएं नहीं बन पातीं, जिससे कमजोरी, थकान और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के अनुसार, एनीमिया का एक प्रमुख कारण पौष्टिक आहार की कमी है। यदि रोजाना के आहार में आयरन, प्रोटीन, विटामिन और अन्य आवश्यक पोषक तत्वों का अभाव हो तो शरीर में खून की कमी होने लगती है। यही कारण है कि संतुलित और पोषण से भरपूर भोजन को स्वस्थ जीवन की बुनियाद माना जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि केवल पेट भरना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि भोजन का पौष्टिक होना भी उतना ही जरूरी है। जंक फूड, अत्यधिक तला-भुना भोजन और पोषणहीन आहार लंबे समय में स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में संतुलित और पौष्टिक भोजन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना बेहद जरूरी है। सही खानपान न केवल एनीमिया जैसी समस्याओं से बचाव करता है, बल्कि शरीर को स्वस्थ, सक्रिय और ऊर्जावान बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि एनीमिया से बचाव के लिए लोगों को अपनी रोजाना की थाली में पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए। हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, मेथी और सरसों आयरन का अच्छा स्रोत होती हैं। इसके अलावा दालें, अंडे और मांसाहारी भोजन शरीर को जरूरी प्रोटीन और आयरन प्रदान करते हैं, जो खून बनने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मौसमी फलों का सेवन भी एनीमिया से बचाव में मददगार माना जाता है।

नौतपा की भीषण गर्मी में गलत डाइट से बढ़ सकता है हीट स्ट्रोक का खतरा, जानें कैसा होना चाहिए खानपान

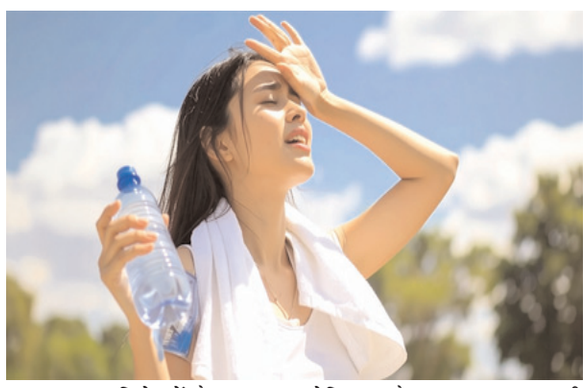

नई दिल्ली। इन दिनों गर्मी का कहर देखने को मिल रहा है। इसे नौतपा कहा जाता है। इस समय सूरज की किरणें बहुत तेज हो जाती हैं और वातावरण का तापमान सामान्य से काफी ऊपर चला जाता है। वैज्ञानिक दृष्टि से देखें तो इस दौरान शरीर पर हीट स्ट्रोक यानी गर्मी का दबाव बढ़ जाता है, जिससे शरीर अपना सामान्य तापमान बनाए रखने के लिए ज्यादा मेहनत करता है।

ऐसे में गलत खानपान शरीर के तापमान को और बढ़ा सकता है, जिससे डिहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक और पाचन संबंधी समस्याओं का खतरा तेजी से बढ़ जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, नौतपा के दौरान शरीर को ऐसे भोजन की जरूरत होती है जो हल्का हो, जल्दी पच जाए और शरीर को अतिरिक्त गर्मी न दे, लेकिन इसके उलट अगर हम भारी और तैलीय भोजन लेते हैं तो शरीर को उसे पचाने में ज्यादा ऊर्जा खर्च करनी पड़ती है। वैज्ञानिक भाषा में इसे मेटाबॉलिक हीट प्रोडक्शन कहा जाता है। बर्गर, पिज्जा, फ्रेंच फ्राइज और अन्य तले-भुने चीजें पाचन तंत्र को धीमा करती हैं और शरीर के अंदर गर्मी बढ़ाकर थकान और कमजोरी पैदा कर सकती हैं।

इसी तरह ज्यादा मसालेदार भोजन भी शरीर के तापमान को प्रभावित करता है। मिर्च और तीखे मसालों में मौजूद कुछ यौगिक शरीर के मेटाबॉलिज्म को तेज कर देते हैं, जिससे अंदरूनी गर्मी बढ़ सकती है। ऐसे में डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है।

वहीं भारी प्रोटीन वाले भोजन को पचाने में शरीर को ज्यादा ऊर्जा लगती है। पाचन के दौरान शरीर ज्यादा गर्मी उत्पन्न करता है।

न्यूजीलैंड ने किया 2026-27 घरेलू शेड्यूल का ऐलान, ऑल फॉर्मेट सीरीज के लिए जाएगी भारतीय टीम

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अपने 2026-27 घरेलू अंतरराष्ट्रीय सीजन का शेड्यूल घोषित कर दिया है। इस सीजन का सबसे बड़ा आकर्षण भारत का मेगा टूर है।

भारतीय टीम अक्टूबर से दिसंबर तक न्यूजीलैंड दौरे पर आएगी। इस दौरे पर टीम इंडिया 5 टी20, 5 वनडे और 2 टेस्ट मैच खेलेगी। कुल 12 मैचों वाला यह दौरा न्यूजीलैंड क्रिकेट के इतिहास में किसी भी विदेशी टीम का सबसे बड़ा द्विपक्षीय दौरा होगा।

भारतीय पुरुष टीम 22 अक्टूबर से 1 दिसंबर 2026 तक न्यूजीलैंड में रहेगी। इस दौरान पांच प्रमुख शहरों, क्राइस्टचर्च, वेलिंगटन, ऑकलैंड, हैमिल्टन और टौरंगा, में मैच आयोजित किए जाएंगे।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कुल आठ शहरों में 26 अंतरराष्ट्रीय मैच आयोजित करने की घोषणा की है।

इस सीजन में न्यूजीलैंड की महिला टीम व्हाइट फर्न्स दिसंबर में बांग्लादेश की मेजबानी करेगी। 10 से 23 दिसंबर तक 3 टी20 और 3 वनडे मैच खेले जाएंगे। यह उनके इस गर्मी का एकमात्र घरेलू दौरा होगा। वहीं ब्लैककैप्स जनवरी-फरवरी 2027 में श्रीलंका की मेजबानी करेंगे, जिसमें 3 वनडे, 3 टी20 और 2 टेस्ट मैच शामिल होंगे। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के साथ चार टेस्ट मैचों की बहुप्रतीक्षित सीरीज भी खेली जाएगी।

न्यूजीलैंड क्रिकेट का का 2026/27 अंतरराष्ट्रीय घरेलू शेड्यूल बुधवार, 3 जून को पापटोएटॉय में इंटरनेशनल स्वामीनारायण सत्संग संगठन (आईएसएसओ) में लॉन्च किया गया। इस कार्यक्रम में व्हाइट फर्न्स की स्पिनर ईडन कार्सन, ब्लैककैप्स के स्टार स्पिनर ईश सोढ़ी, स्थानीय समुदाय के सदस्य और न्यूजीलैंड के खेल एवं मनोरंजन मंत्री मार्क मिशेल मौजूद रहे।

न्यूजीलैंड सरकार ने भारत दौरे को विशेष समर्थन देने की घोषणा की है।

यह समर्थन दोनों देशों के बीच 100 वर्ष पुराने खेल संबंधों को समर्पित है। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अधिकारी ने भारत दौरे को 'एक पीढ़ी में एक बार मिलने वाला मौका' बताया। उन्होंने कहा कि विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह जैसे स्टार खिलाड़ियों के आने से फैंस में भारी उत्साह है।

भारत के साथ हाल के वर्षों में दोनों टीमों के बीच रोचक प्रतिद्वंद्विता देखने को मिली है, जिससे यह दौरा और भी रोमांचक होने वाला है। टिकटों की भारी मांग की उम्मीद है। फैंस को जल्द ही प्री-सेल विंडो में टिकट बुक करने की सलाह दी गई है। स्काई न्यूजीलैंड अगले छह सीजन तक न्यूजीलैंड क्रिकेट का आधिकारिक ब्रॉडकास्टर रहेगा।

यह शेड्यूल न्यूजीलैंड क्रिकेट के लिए बेहद व्यस्त और महत्वपूर्ण साबित होगा, जिसमें कुल 42 दिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला जाएगा। भारत का दौरा न सिर्फ खेल के लिहाज से बल्कि दोनों देशों के सांस्कृतिक और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने का बड़ा अवसर भी होगा।

हॉकी: भारतीय महिला अंडर-18 टीम ने सिंगापुर को 25-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

काकामिगाहारा। भारतीय महिला अंडर-18 हॉकी टीम ने सिंगापुर को 25-0 से हराकर ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल किया है और एशिया कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली है।

मंगलवार को हुए मुकाबले में भारतीय टीम की तरफ से 10 अलग-अलग खिलाड़ियों ने गोल किए। नौशीन नाज ने सर्वाधिक सात गोल (8', 13', 17', 18', 40', 52', 58') किए। गीताश्री नम्मी, जिन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया, ने पांच गोल (13', 28', 47', 48', 60') किए, जबकि कप्तान स्वीटी कुजूर ने चार गोल (2', 24', 38', 45') किए।

प्रियंका मिंज ने भी हैट्रिक (22', 37', 53') बनाई, जबकि दीया (27'), नैन्सी सरोहा (36'), श्रुति कुमारी (40'), पुष्पा मांझी (47'), रश्मीन कौर (47'), और संदीपा कुमारी (51') ने 1-1 गोल किए।

भारतीय टीम ने अपने आक्रामक खेल से मैच की शुरुआत में ही अपने इरादे जाहिर कर दिए थे। कप्तान स्वीटी ने दूसरे मिनट में गोल किया। फिर नौशीन ने आठवें मिनट में बढ़त बढ़ाई। गीताश्री और नौशीन दोनों ने 13वें मिनट में गोल कर मैच पर भारत का दबदबा स्थापित कर दिया।

दूसरे क्वार्टर में, भारतीय टीम ने अपना दबदबा और बढ़ाया, नौशीन ने दो तेज गोल किए। इसके बाद प्रियंका और स्वीटी ने हाफटाइम से पहले भारत की बढ़त बढ़ाने में मदद की।

ब्रेक के बाद भी गोलों का सिलसिला जारी रहा। दीया और गीताश्री ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही गोल किए, जिसमें नैन्सी, प्रियंका, स्वीटी, नौशीन और श्रुति सभी ने गोल किए, जिससे भारत ने सिंगापुर की रक्षापंक्ति को तोड़ दिया।

भारत ने आखिरी क्वार्टर में दस गोल किए। अंडर-18 स्तर पर भारतीय टीम के सबसे बेहतरीन प्रदर्शनों में से यह एक है।

भारत ने मलेशिया, कोरिया और सिंगापुर के खिलाफ जीत हासिल की, और पूल ए में बिना हारे रिकॉर्ड और 9 अंक के साथ टॉप पर रहा। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है।

नॉर्वे चेस: प्रज्ञानंद ने कार्लसन को फिर हराया, गुकेश और दिव्या को 8वें राउंड में हार का सामना करना पड़ा

ओस्लो। नॉर्वे चेस 2026 के आठवें राउंड में प्रज्ञानंद रमेशबाबू ने टूर्नामेंट में एक बार फिर मैग्नस कार्लसन को हराकर एक और शानदार नतीजा हासिल किया। इस जीत के बाद प्रज्ञानंद की खिताबी रेस और मजबूत हो गई है। 20 साल के इस खिलाड़ी ने पिछले सप्ताह व्हाइट मोहरों से कार्लसन को हराया था। राउंड 8 में काले मोहरों से जीत के साथ उन्होंने अपनी सफलता दोहराई।

इस कामयाबी के साथ, प्रज्ञानंद भारत के महान खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद के बाद कार्लसन को एक ही टूर्नामेंट में दो बार हराने वाले सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बन गए। वह उन खास खिलाड़ियों के ग्रुप में भी शामिल हो गए जिन्होंने पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन को क्लासिकल चेस में तीन बार हराया है।

अलीरेजा फिरोजा ने वर्ल्ड चैंपियन गुकेश डोमराजू के खिलाफ एक अहम क्लासिकल जीत हासिल की। ??व्हाइट मोहरों के साथ खेलते हुए, फिरोजा ने आपसी टाइम दबाव में एक टेंशन भरे एंडगेम को पार करते हुए एक अहम जीत हासिल की। वह टूर्नामेंट लीडर वेस्ली सो से एक पॉइंट के अंदर आ गए। वेस्ली सो और विंसेंट कीमर के बीच फाइनल क्लासिकल गेम ड्रॉ रहा। हालांकि, सो ने बाद में आर्मागेडन में जीत हासिल की, अतिरिक्त अंक हासिल किए और स्टैंडिंग में अपनी बढ़त बनाए रखी।

राउंड 8 के बाद, वेस्ली 14 अंकों के साथ नॉर्वे चेस में टॉप पर हैं। फिरोजा 13 अंकों के साथ उनके ठीक पीछे हैं, और प्रज्ञानंद 12 अंकों के साथ मजबूत दावेदारी में हैं, जिससे फाइनल राउंड के पास आते ही टाइटल की रेस बहुत प्रतियोगी हो गई है।

नॉर्वे चेस विमेन राउंड 8 में दो डिसाइडिव क्लासिकल गेम और एक आर्मागेडन टाईब्रेकर था, जिसमें बिबिसारा अस्सौबायेवा ने अपनी बढ़त बढ़ाई। अस्सौबायेवा ने दिव्या देशमुख के खिलाफ एक अहम क्लासिकल जीत हासिल की। ब्लैक के तौर पर खेलते हुए, उन्होंने दबाव का सामना किया और दिव्या के पास टाइम कम होने पर बढ़त हासिल करते हुए आखिर में पूरे अंक हासिल किए।

विश्व साइकिल दिवस पर सीएम उमर अब्दुल्ला ने साइक्लोथॉन को दिखाई हरी झंडी

श्रीनगर। विश्व साइकिल दिवस पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने श्रीनगर में साइक्लोथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर सीएम अब्दुल्ला ने नागरिकों को साइकिल चलाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम का आयोजन जम्मू-कश्मीर खेल युवा परिषद द्वारा किया गया था। कार्यक्रम रॉयल स्प्रिंग गोल्फ कोर्स से शुरू होकर कश्मीर विश्वविद्यालय में समाप्त हुआ। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने भाग लिया, जिनमें स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर के साइकिल चालक भी शामिल थे।

इस मौके पर मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'यह एक बहुत अच्छी पहल है। हम कश्मीर में इस तरह की खेल गतिविधियों का आयोजन करने की कोशिश कर रहे हैं। इससे पहले, गोल्फ प्रतियोगिता और मैराथन होती थी। अब, हम साइक्लोथॉन का आयोजन कर रहे हैं। जम्मू साइक्लोथॉन और कश्मीर साइक्लोथॉन भी होंगे। इन गतिविधियों के माध्यम से, हम युवाओं को खेल गतिविधियों की ओर आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। हमारे लिए, यह पर्यटन को बढ़ावा देने का भी एक माध्यम है। इस तरह के स्पोर्ट्स से जुड़े आयोजन किए जाएंगे।'

जम्मू-कश्मीर खेल परिषद के सचिव नुजहत गुल ने कहा, 'खेलों को लेकर जम्मू और कश्मीर खेल परिषद और खेल विभाग की ओर से एक कैलेंडर बनाया जाता है। यह साइक्लोथॉन विश्व साइकिल दिवस मनाने और आलस्य के विरुद्ध आवाज उठाने की एक पहल है। जम्मू-कश्मीर की ओर से यह सशक्त संदेश देने के लिए है कि हम फिटनेस और फिट इंडिया के लिए प्रतिबद्ध हैं। आज हमने जम्मू साइक्लोथॉन का लोगो और शुभंकर लॉन्च किया। प्रचार अभियान और पंजीकरण भी शुरू हो चुके हैं। आज हमने कश्मीर साइक्लोथॉन का भी शुभारंभ किया है। हम जल्द ही इसके लिए भी पंजीकरण शुरू करेंगे।''

जम्मू और कश्मीर के खेल मंत्री सतीश शर्मा भी इस अवसर पर उपस्थित थे और उन्होंने विश्व साइकिल दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, 'आज के समय में जम्मू-कश्मीर में ड्रग्स बड़ी समस्या बन गई है।

टी20 विश्व कप में मुझे और शेफाली को बड़ी भूमिका निभानी है: स्मृति मंधाना

टॉन्टन। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 का आयोजन इंग्लैंड में 12 जून से होना है। विश्व कप से पहले भारतीय महिला टीम ने इंग्लैंड में इंग्लैंड टीम के खिलाफ 3 टी20 मैचों की सीरीज खेली। इस सीरीज को विश्व कप से पहले दोनों ही टीमों के लिए अभ्यास के तौर पर देखा जा रहा था। भारतीय टीम को निराशा हाथ लगी है। सीरीज का पहला मैच जीतने के बावजूद आखिरी 2 मैच गंवाकर टीम इंडिया 2-1 से सीरीज हार गई। हार से निराश भारतीय टीम की उपकप्तान और सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने कहा है कि विश्व कप में उनका और शेफाली वर्मा की भूमिका काफी अहम होगी। मंधाना ने तीसरे टी20 के बाद कहा, 'इंग्लैंड में सीरीज खेलना, जहा हमें विश्व कप खेलना है, तैयारियों के हिसाब से बहुत अच्छा है। लेकिन पीछे मुड़कर देखती हूं, तो मुझे और शेफाली वर्मा दोनों को आगे बहुत बड़ा रोल निभाना है। उन्होंने कहा, 'हम दोनों गेंद को अच्छी टाइमिंग से खेल रहे हैं लेकिन बदकिस्मती से टीम के लिए बड़ा योगदान नहीं कर पा रहे हैं। हम दोनों नेट्स पर वापस जाकर कड़ी मेहनत करते रहेंगे और यह पक्का करेंगे कि हम एक ओपनिंग जोड़ी के तौर पर बेहतर वापसी करें क्योंकि हम दोनों को अच्छी शुरुआत देने और मोमेंटम बनाए रखने पर गर्व है। हम इसे अपने हिसाब से लेंगे और कड़ी मेहनत करेंगे।

आईसीसी रैंकिंग: वनडे में अबरार करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंचे, टेस्ट में रचिन ने लगाई छलांग

दुबई। पाकिस्तानी स्पिनर अबरार अहमद और न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रचिन रवींद्र को आईसीसी मेंस प्लेयर रैंकिंग के ताजा अपडेट में सबसे ज्यादा फायदा मिला है। अबरार अहमद ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में अपने दमदार प्रदर्शन के साथ गेंदबाजी रैंकिंग में मील का पत्थर हासिल किया है। इस मिस्ट्री स्पिनर ने 7 पायदान की छलांग लगाकर चौथा स्थान हासिल किया, उनकी रेटिंग 633 रही, जो उनके वनडे करियर की अब तक की सबसे ऊंची रैंकिंग है।

पाकिस्तानी तेज गेंदबाजी के अगुआ शाहीन शाह अफरीदी भी वनडे गेंदबाजी चार्ट में ऊपर चढ़े। पूरी सीरीज में चार विकेट लेने के बाद, इस बाएं हाथ के गेंदबाज ने चार पायदान की छलांग लगाकर 13वां स्थान हासिल किया।

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज नाथन एलिस ने गेंदबाजों के बीच सबसे लंबी छलांग लगाई है। दो मुकाबलों में 6 विकेट के साथ उन्होंने रैंकिंग में 24 पायदान की छलांग लगाते हुए 44वां स्थान हासिल कर लिया है।

पाकिस्तान-ऑस्ट्रेलिया सीरीज के दौरान बल्लेबाजों को रन बनाने में काफी मुश्किल हुई, जिससे मैट रेनशॉ का योगदान खास तौर पर कीमती साबित हुआ। ऑस्ट्रेलिया के इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 43 और 61 रनों की पारियां खेलीं, जिसके चलते वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में उन्हें 102 पायदानों की जबरदस्त छलांग लगाते हुए 78वां स्थान हासिल कर लिया है।

मैट रेनशॉ के कई साथियों ने भी तरक्की की है। जोश इंग्लिस तीन पायदान ऊपर चढ़कर 57वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि कैमरन ग्रीन ने बल्ले से उपयोगी योगदान देने के बाद पांच पायदान की छलांग लगाकर 63वां स्थान हासिल किया है।

इसके विपरीत, पाकिस्तानी बल्लेबाज सलमान अली आगा वनडे बल्लेबाजी की टॉप 10 रैंकिंग से बाहर हो गए। ताजा रैंकिंग में वे पांच पायदान नीचे खिसककर 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

इस बीच, न्यूजीलैंड की आयरलैंड पर टेस्ट में मिली शानदार जीत के बाद रेड-बॉल रैंकिंग में कुछ फेरबदल देखने को मिला। टेस्ट बल्लेबाजों में रचिन रवींद्र ने शानदार तरक्की की। आयरलैंड के खिलाफ सेंचुरी ने उन्हें अपने करियर में पहली बार टॉप-10 में पहुंचा दिया। 737 रेटिंग प्वाइंट्स के साथ वे नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

इंडोनेशिया ओपन में सात्विक-चिराग का सफर समाप्त, कंधे की चोट के कारण पहले ही राउंड से हटे सात्विक

जकार्ता। पुरुष बैडमिंटन में भारत की स्टार जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का इंडोनेशिया ओपन में पहले ही राउंड में सफर समाप्त हो गया। सात्विक को कंधे की चोट की वजह से पहले ही राउंड से हटना पड़ा। वह इस टूर्नामेंट में आगे भी नहीं खेल पाएंगे। इसी वजह से चिराग और उनकी जोड़ी इंडोनेशिया ओपन से अपना नाम वापस लेना पड़ा।

सात्विक-चिराग की जोड़ी मलेशियाई जोड़ी कांग खाई जिंग और एरॉन ताई के खिलाफ पहले गेम में 6-11 से पीछे चल रही थी, जब सात्विक ने अपने दाहिने कंधे की ओर इशारा किया। वह परेशानी में थे। उनकी परेशानी गंभीर थी और इस वजह से विरोधी जोड़ी को वॉकओवर दे दिया।

बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने एक बयान में कहा, 'सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने चोट की वजह से इंडोनेशिया ओपन 2026 से नाम वापस ले लिया है। अब यह जोड़ी आगे आने वाले जरूरी टूर्नामेंट की तैयारी के लिए रिकवरी और रिहैबिलिटेशन पर ध्यान देगी। हम सात्विक के जल्दी ठीक होने की कामना करते हैं और दोनों को जल्द ही कोर्ट पर वापस देखने का इंतजार कर रहे हैं।'

सात्विक के कंधे की बार-बार होने वाली दिक्कत की वजह से इस साल की शुरुआत में इस जोड़ी ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप से नाम वापस ले लिया था।

पिछले सप्ताह भारतीय जोड़ी ने एक गेम से पिछड़ने के बाद दमदार वापसी करते हुए इंडोनेशिया की जोड़ी फजर अल्फियन और मुहम्मद शोहिबुल फिकरी को 18-21, 21-17, 21-16 से हराया था और सिंगापुर ओपन जीतने वाली भारत की पहली पुरुष जोड़ी बन गई।

रोहन कपूर और रुथविका गड्डे ने बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 इवेंट में जबरदस्त शुरुआत की। उन्होंने दुनिया की 20 नंबर की ताइपे जोड़ी यांग पो-हसुआन और हू लिंग फांग को हराकर अगले राउंड में अपनी जगह पक्की की। मंगलवार को, दुनिया के 10 नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य सेन इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से अपना पहला राउंड मैच हारने के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पुरुषों के डबल्स में, हरिहरन अम्साकारुनन और एम.आर. अर्जुन की भारतीय जोड़ी ने शुरुआती राउंड में मलेशिया के टैन वी कियोंग, जो रियो 2016 के पुरुष डबल्स सिल्वर मेडलिस्ट हैं, और नूर मोहम्मद अजरीन अयूब को हराया।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415